आश्विन कृष्ण - 2 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 13 ■ अंक - 47 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- चेन्नई » मंगलवार » 09-09-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : chennai@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

தக்ஷின் பாரத் ராஷ்ட்ரமத் | தினசரி ஹிந்தி நாளிதழ் | चेन्नई और बेंगलूरु से एक साथ प्रकाशित

5 प्रदर्शन का विश्लेषण करना और गलतियों से सीखना महत्वपूर्ण रहा : हरमनप्रीत

6 प्रकृति की नाराजगी को नहीं समझा तो मानव अस्तित्व खतरे मे

7 ईशा गुप्ता ने पूरी की 'धमाल 4' की शूटिंग

फर्स्ट टेक

हरियाणा बनेगा ड्रोन तकनीक का केंद्र : नायब सिंह सैनी

चंडीगढ़/भाषा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी ने सोमवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 2047 तक 'विकसित भारत' के विजन को साकार करने के मकसद से राज्य सरकार ने 'विकसित हरियाणा' के लिए एक ठोस रूपरेखा तैयार की है। सैनी ने यहां आयोजित ड्रोन पायलट और तकनीशियन के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि इस दिशा में हरियाणा को ड्रोन प्रौद्योगिकी, नवाचार और नई तकनीकों का केंद्र बनाने के प्रयास किए जा रहे हैं। यहां एक आधिकारिक बयान में कहा गया कि इस अवसर पर उन्होंने नागरिक उड्डयन महानिदेशालय (डीजीसीए) द्वारा प्रमाणित 252 ड्रोन पायलट और 136 ड्रोन तकनीशियन को प्रमाण पत्र वितरित किए। देश का पहला ड्रोन निर्माण प्रौद्योगिकी केंद्र हिसार ज़िले के सिसाय गांव में स्थापित किया जा रहा है, जो दक्षिण एशिया का सबसे बड़ा केंद्र होगा। यह ड्रोन निर्माण, मरम्मत और प्रशिक्षण के लिए आधुनिक सुविधाएं प्रदान करेगा।

मुंबई से आ रहा एयर इंडिया का विमान दिल्ली हवाई अड्डे पर दूसरे प्रयास में उतरा

नई दिल्ली/भाषा। मुंबई से आ रही एयर इंडिया की एक उड़ान सोमवार शाम को दिल्ली हवाई अड्डे पर नहीं उतर पायी। हालांकि दूसरे प्रयास में यह सुरक्षित रूप से उतर गयी। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों में से एक ने बताया कि एयर इंडिया की उड़ान संख्या एआई- 2910 वाला विमान पहले प्रयास में इसलिए नहीं उतर पाया क्योंकि जब यह उतरने जा रहा था तो उसी दौरान यह तकनीकी या ऑपरेशनल मानकों के अनुसार नियंत्रित स्थिति में नहीं था। 'गो-अराउंड' के बाद विमान सुरक्षित रूप से दिल्ली में पुनः उतरा।

जापान की अर्थव्यवस्था का अनुमान से बेहतर प्रदर्शन

टोक्यो/एपी। अमेरिकी शुल्क और घरेलू राजनीतिक अनिश्चितता की चिंताओं के बावजूद जापान की अर्थव्यवस्था वित्त वर्ष की पहली तिमाही में अनुमान से कहीं अधिक तेजी से बढ़ी। सोमवार को जारी सरकारी आंकड़ों के अनुसार जापान का वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद अप्रैल-जून तिमाही में सालाना आधार पर 2.2 प्रतिशत बढ़ा। यह आंकड़ा पिछले महीने जारी किए गए 1.0 प्रतिशत वृद्धि के प्रारंभिक अनुमान से बेहतर है। इस दौरान ठोस उपभोक्ता खर्च और माल-भंडार के बढ़ने से अर्थव्यवस्था को समर्थन मिला।

09-09-2025 सूर्यास्त 6:14 बजे	10-09-2025 सूर्योदय 5:57 बजे

BSE	NSE
80,787.30 (+76.54)	24,773.15 (+32.15)

सोना	चांदी
11,081 रु. (24 कैरेट) प्रति ग्राम	136,000 रु. प्रति किलो

मिशन मंडेला
दक्षिण भारत राष्ट्रमत
दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक
epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

आजादी के मायने

सेवक खुद को मालिक कहते,
मालिक मजबूर बने वादी।
अपना ही घर भरने के हम,
हो चुके सभी इतने आदी।
घट गए मूल्य विद्वानों के,
हो गई आज मँहगी खादी।
है भेदभाव हर सिस्टम में,
फिर बोलो कैसी आजादी।।

जम्मू कश्मीर के कुलगाम में

मुठभेड़ में दो आतंकवादी ढेर, दो सैन्यकर्मी शहीद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

श्रीनगर/भाषा। जम्मू कश्मीर के कुलगाम जिले में सोमवार को भीषण मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए और दो सैन्यकर्मी शहीद हो गए। अधिकारियों ने यह जानकारी दी।

अधिकारियों ने बताया कि मारे गए आतंकियों में से एक के पाकिस्तानी नागरिक होने का संदेह है। मुठभेड़ में सेना का एक मेजर भी घायल हो गया। उन्होंने बताया कि सुरक्षा बलों ने गुडार वन क्षेत्र में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना मिलने के बाद तलाश अभियान शुरू किया। तलाश अभियान के दौरान आतंकवादियों द्वारा सुरक्षा बलों पर गोलियां चलाए जाने के बाद मुठभेड़ शुरू हो गयी।

अधिकारियों ने बताया कि अभियान के दौरान मुठभेड़ में दो जवान घायल हो गए, जिनकी पहचान सूबेदार प्रभात गौड़ और लांस नायक नरेंद्र सिंधु के रूप में हुई। इसके अलावा सेना का एक मेजर भी घायल हो गया।

गौड़ और सिंधु की मौत हो गई, जबकि मेजर की हालत स्थिर बताई गई है।

सेना की कश्मीर स्थित चिनार कोर ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा कि वह देश के लिए कर्तव्य निभाते हुए बहादुर सैन्यकर्मियों सूबेदार प्रभात गौड़ और लेफ्टिनेंट कमांडर नरेंद्र सिंधु के सर्वोच्च बलिदान का सम्मान करती है। उनका साहस और समर्पण हमें हमेशा प्रेरित करता रहेगा।

भारत के उत्थान के लिए आत्मनिर्भरता जरूरी : मोदी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

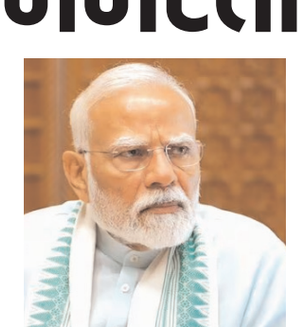

- भारत पर 50 प्रतिशत का शुल्क लगाने के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फैसले के बाद अमेरिका के साथ संबंधों में आई तल्खी के बीच, मोदी ने ''स्वदेशी'' का नारा बुलंद किया है, हालांकि वे लंबे समय से इस पर जोर देते रहे हैं।
- 'स्वदेशी मेला' आयोजित करने का आग्रह

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के सांसदों से भारत में निर्मित उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए 'स्वदेशी मेला' आयोजित करने का आग्रह किया और कहा कि आत्मनिर्भरता ही भारत के उत्थान का मार्ग है।

सूत्रों ने बताया कि उपराष्ट्रपति चुनाव से एक दिन पहले सांसदों को संबोधित करते हुए मोदी ने भारत में निर्मित उत्पादों को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया और लोगों को जीएसटी दरों में कटौती के व्यापक प्रभाव के बारे में बताने का आग्रह किया।

सूत्रों ने बताया कि इसके अलावा उन्होंने सांसदों से खासकर त्योहारी सीजन में अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में लोगों एवं व्यापारियों के साथ बैठकें करने का आग्रह किया।

केंद्रीय मंत्री किरेन रीजीजू ने बाद में कहा कि मोदी ने किसी देश का जिक्र नहीं किया, बल्कि आत्मनिर्भरता की जरूरत पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ''प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत एक मजबूत राष्ट्र के रूप में उभर रहा है, ऐसे में कुछ चुनौतियां भी आएंगी और विकसित राष्ट्र बनने की राह पर आगे बढ़ने के लिए उसे 'आत्मनिर्भर' होने की जरूरत है।''

भारत पर 50 प्रतिशत का शुल्क लगाने के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के फैसले के बाद अमेरिका के साथ संबंधों में आई तल्खी के बीच, मोदी ने ''स्वदेशी'' का नारा बुलंद किया है, हालांकि वे लंबे समय से इस पर जोर देते रहे हैं।

रीजीजू ने कहा कि उन्होंने सांसदों से अपने-अपने निर्वाचन क्षेत्रों में भारत में निर्मित उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए मेले आयोजित करने और इसमें नेतृत्वकारी भूमिका निभाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि लोगों को भारत में निर्मित उत्पादों पर उतना ही गर्व होना चाहिए, जितना वे कभी जापानी वस्तुओं पर महसूस करते थे।

मोदी ने सांसदों से कहा कि वे जिस कार्यक्रम में शामिल हों, स्वदेशी उसका हिस्सा होना चाहिए।

प्रधानमंत्री ने कहा कि उनकी सरकार द्वारा माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में कटौती से एक लहर पैदा हुई है और सांसद जनता के साथ बैठकें करके इस संदेश को उन तक पहुंचाएं।

सूत्रों ने बताया कि मोदी ने सांसदों को सलाह दी कि वे मंगलवार को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव में सही तरीके से मतदान करें, ताकि कोई भी वोट बर्बाद न हो।

वैश्विक व्यापार चुनौतियों को अवसर में बदलने की जरूरत : राष्ट्रपति मुर्मू

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने सोमवार को कहा कि भारत को वैश्विक व्यापार चुनौतियों को नए अवसरों में बदलने के लिए अपनी असाधारण क्षमताओं का लाभ उठाना चाहिए। मुर्मू ने इंजीनियरिंग निर्यात संवर्धन परिषद (ईईपीसी) के प्लैटिनम जयंती समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि पिछले सात दशक में भारत के इंजीनियरिंग निर्यात गंतव्यों में उल्लेखनीय बदलाव आया है।

राष्ट्रपति ने कहा कि ईईपीसी को परिवर्तन की इस प्रक्रिया को जारी रखना चाहिए और 'राष्ट्र प्रथम' की भावना के साथ भारत की अर्थव्यवस्था को मजबूत बनाने के लिए काम करते रहना चाहिए। उन्होंने कहा, ''हमारे देश में उपलब्ध असाधारण क्षमताओं का उपयोग करके वैश्विक व्यापार की चुनौतियों को अवसरों में बदलने की आवश्यकता है।''

राष्ट्रपति ने कहा कि कम लागत पर उच्च गुणवत्ता वाली इंजीनियरिंग सेवाएं और उत्पाद भारत की एक बड़ी ताकत हैं। पिछले 10 साल में, भारत का इंजीनियरिंग निर्यात 70 अरब डॉलर से बढ़कर 115 अरब डॉलर से अधिक हो गया है।

मुर्मू ने कहा कि पिछले दशक में अंतरराष्ट्रीय व्यापार क्षेत्र में कई चुनौतियां रही हैं, इसको देखते हुए निर्यात में यह वृद्धि और भी प्रभावी लगती है।

राष्ट्रपति ने कहा कि ईईपीसी ने अंतरराष्ट्रीय बाजार और भारतीय उत्पादकों के बीच एक सेतु का काम किया है। उन्होंने ईईपीसी से वैश्विक मूल्य शृंखला में भारत की भूमिका का निरंतर विस्तार करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि विश्व व्यापार और अंतरराष्ट्रीय आर्थिक व्यवस्था में हो रहे बदलावों के कारण, ईईपीसी की भूमिका और भी महत्वपूर्ण हो गई है। आर्थिक क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पक्ष होने के नाते, ईईपीसी को और भी दृढ़ संकल्प के साथ कार्य करना चाहिए।

धोखाधड़ी मामले में रियल एस्टेट कारोबारी की 100 करोड़ रुपए की संपत्ति कुर्क

नई दिल्ली/भाषा। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को कहा कि धोखाधड़ी के एक मामले में धन शोधन निरोधक कानून के तहत उत्तर प्रदेश के एक रियल एस्टेट कारोबारी और उसकी कंपनी की 100 करोड़ रुपये से अधिक की संपत्ति कुर्क की गई है। बयान में कहा गया है कि ये संपत्तियां 'अरण्य परियोजना' से संबंधित हैं, जिसका विकास अनिल मिठास की उन्नति फॉर्च्यून होल्डिंग्स लिमिटेड (यूएफएचएल) द्वारा किया जा रहा है। गाजियाबाद स्थित रियल एस्टेट कारोबारी मिठास को संघीय जांच एजेंसी ने अप्रैल में गिरफ्तार किया था और वह फिलहाल न्यायिक हिरासत में है। ईडी ने मई में गाजियाबाद स्थित विशेष धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) अदालत में उसके खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया था। ईडी ने एक बयान में कहा कि जांच में पाया गया कि 2011 से 2019 के दौरान इक्विटी निवेश, वरीयता शेयर, डिबेंचर/बॉन्ड समेत अन्य माध्यम से मिठास ने लगभग 126.30 करोड़ रुपये की हेराफेरी की।

भारत की साक्षरता दर 74 प्रतिशत से बढ़कर 80.9 प्रतिशत हुई : प्रधान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान ने सोमवार को कहा कि भारत की साक्षरता दर वर्ष 2011 में 74 प्रतिशत से बढ़कर 2023-24 में 80.9 प्रतिशत हो गई, लेकिन वास्तविक प्रगति तभी होगी जब साक्षरता हर नागरिक की जिंदगी का हिस्सा बन जाएगी।

प्रधान ने अंतरराष्ट्रीय साक्षरता दिवस 2025 के अवसर पर ऑनलाइन माध्यम से दिए गए अपने संबोधन में कहा, ''साक्षरता सिर्फ पढ़ने और लिखने तक सीमित नहीं है। यह गरिमा, सशक्तिकरण और आत्मनिर्भरता का माध्यम है।''

उन्होंने कहा, ''भारत की साक्षरता दर 2011 में 74 प्रतिशत से बढ़कर 2023-24 में 80.9 प्रतिशत हो गई है, लेकिन असली प्रगति तभी हासिल होगी जब साक्षरता हर नागरिक के लिए एक जीवंत वास्तविकता बन जाएगी।''

उन्होंने उल्लास-नव भारत साक्षरता कार्यक्रम का जिक्र किया, जिसके अंतर्गत तीन करोड़ से अधिक शिक्षार्थी और 42 लाख स्वयंसेवक नामांकित हैं। उन्होंने कहा, ''लगभग 1.83 करोड़ शिक्षार्थी पहले ही बुनियादी साक्षरता और संख्यात्मकता मूल्यांकन में शामिल हो चुके हैं, जिसमें 90 प्रतिशत सफलता मिली है। यह कार्यक्रम अब 26 भारतीय भाषाओं में शिक्षण सामग्री प्रदान करता है, जिससे साक्षरता वास्तव में समावेशी बन रही है।''

फ्रांस के प्रधानमंत्री नहीं हासिल कर पाए विश्वास मत, सरकार गिरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पेरिस/एपी। फ्रांस के प्रधानमंत्री फ्रांस्वा बायरू सोमवार को संसद में विश्वास मत हासिल करने में नाकाम रहे और इसके साथ ही उनकी सरकार गिर गई। अब राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों को 12 महीने में चौथी बार नया प्रधानमंत्री तलाश करना होगा। बायरू की सरकार के पक्ष में 194 जबकि विरोध में 364 वोट पड़े। मैक्रों ने पिछले साल दिसंबर में बायरू (74) को प्रधानमंत्री नियुक्त किया था। सरकार गिरने के बाद बायरू को संवैधानिक रूप से बाध्य होकर मैक्रों को इस्तीफा सौंपना होगा। इससे पहले बायरू ने अपनी कुर्सी बचाने के लिए काफी कोशिश की। उन्होंने सोमवार को मतदान से पहले, उन्हें सत्ता से बेदखल करने की उम्मीद कर रहे सांसदों से फ्रांस के कर्जों पर लगाम लगाने की उनकी योजना का समर्थन करने का आग्रह किया। उन्होंने इस कर्ज के बारे में कहा, ''यह हमें डुबो रहा है।'' नेशनल असेंबली में दिए गए एक जोशीले भाषण में बायरू इस बात पर अड़े रहे कि फ्रांस का बढ़ता सार्वजनिक घाटा और बढ़ता कर्ज इसके भविष्य के लिए खतरा है। उन्होंने कहा कि सरकारी कर्ज आने वाली पीढ़ियों पर भारी पड़ेगा, फ्रांस को विदेशी कर्जदाताओं के प्रति कमजोर बना देगा और अगर इसे नियंत्रित नहीं किया गया तो यह देश की बहुमूल्य सामाजिक सुरक्षा व्यवस्था को नुकसान पहुंचाएगा। प्रधानमंत्री ने कहा, ''हमारे देश के लोग काम करते हैं और सोचते हैं कि यह समृद्ध होता जा रहा है, लेकिन असल में देश गरीब होता जा रहा है।''

बायरू की सरकार के पक्ष में 194 जबकि विरोध में 364 वोट पड़े।

यरुशलम में गोलीबारी में कम से कम चार लोगों की मौत, 15 घायल

यरुशलम/एपी। उत्तरी यरुशलम में भीड़भाड़ वाले एक चौराहे पर एक बस पर गोलीबारी में कम से कम चार लोगों की मौत हो गई। पराचिकित्सकों ने बताया कि 15 अन्य लोग घायल हुए हैं और छह की हालत गंभीर है। पुलिस ने कहा कि गोलीबारी शुरू होने के तुरंत बाद दो हमलावरों को ''ढेर'' कर दिया गया, लेकिन हमलावरों की स्थिति पर टिप्पणी के अनुरोध का तुरंत जवाब नहीं दिया। गोलीबारी यरूशलम के उत्तरी प्रवेश द्वार पर एक प्रमुख चौराहे पर हुई, जो पूर्वी यरूशलम में स्थित यहूदी बस्तियों की ओर जाने वाली सड़क पर स्थित है।

इज़राइली मीडिया के अनुसार, दो हमलावर एक बस में सवार हुए और गोलीबारी शुरू कर दी। हमले के फुटेज में सुबह के व्यस्त समय में भीड़भाड़ वाले चौराहे पर स्थित एक बस स्टॉप से कई लोग भागते हुए दिखाई दे रहे हैं। घटनास्थल पर पहुंचे पराचिकित्सकों ने बताया कि इलाके में अफरा-तफरी मची हुई थी और टूटे हुए शीशे बिखरे पड़े थे, सड़क पर और बस स्टॉप के पास फुटपाथ पर लोग घायल और बेहोश पड़े थे।

फलस्तीनी चरमपंथी समूहों की ओर से हमले पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की गई। गाजा में युद्ध ने इजराइल के कब्जे वाले वेस्ट बैंक और इजराइल दोनों में हिंसा में वृद्धि की है। पिछले कुछ महीनों में इज़राइल में छिटपुट हमले हुए हैं, लेकिन आखिरी घातक सामूहिक गोलीबारी अक्टूबर 2024 में हुई थी।

भारत का इजराइल के साथ निवेश समझौता, निवेशकों को दी 'छूट'

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारत और इजराइल ने सोमवार को द्विपक्षीय निवेश समझौते (बीआईए) पर हस्ताक्षर किए जिसमें इजराइली निवेशकों के लिए स्थानीय उपायों की समाप्ति अवधि को पांच वर्ष से घटाकर तीन वर्ष कर दिया गया है।

इस प्रावधान को संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के साथ निवेश समझौते में भी शामिल किया गया था जो पिछले साल लागू हुआ था।

स्थानीय उपायों की समाप्ति का मतलब है कि किसी विदेशी निवेशक को अंतरराष्ट्रीय मध्यस्थता में जाने से पहले मेजबान देश की कानूनी प्रणाली में उपलब्ध उपायों का सहारा लेना अनिवार्य होता है। भारत में इस अवधि को पांच वर्ष रखा गया है। वित्त मंत्रालय ने कहा कि यह समझौता दोनों देशों के निवेशकों को भरोसा देने के साथ निवेशों की सुरक्षा, पारदर्शिता, मुआवजा और सुगम हस्तांतरण का प्रावधान करता है।

मंत्रालय के मुताबिक, यह निवेश समझौता निवेशकों को न्यूनतम मानक सुरक्षा और स्वतंत्र मध्यस्थता व्यवस्था उपलब्ध कराएगा जिससे व्यापार और निवेश को प्रोत्साहन मिलेगा।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण और इजराइल के वित्त मंत्री बेजालेल स्मोट्रिच ने यहां द्विपक्षीय निवेश समझौते पर हस्ताक्षर किए। इस दौरान दोनों मंत्रियों ने वित्तीय-प्रौद्योगिकी नवाचार, अवसंरचना विकास, वित्तीय नियमन और डिजिटल भुगतान कनेक्टिविटी जैसे क्षेत्रों में आर्थिक सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई।

सीतारमण ने कहा कि दोनों पक्षों को व्यापारिक संवाद बढ़ाकर निवेश के अवसर तलाशने चाहिए ताकि इस समझौते से अधिकतम लाभ उठाया जा सके।

पाकिस्तान के गुजरांवाला में भारी बारिश के कारण रणजीत सिंह के पिता का स्मारक क्षतिग्रस्त

लाहौर/भाषा। पाकिस्तान के गुजरांवाला में भारी बारिश के कारण महाराजा रणजीत सिंह के पिता सरदार महान सिंह के स्मारक का एक हिस्सा ढह गया है। एक अधिकारी ने सोमवार को यह जानकारी दी। इवैक्यूई प्रॉपर्टी ट्रस्ट बोर्ड (ईपीटीबी) के प्रवक्ता गुलाम मोहिउद्दीन ने सोमवार को 'पीटीआई-भाषा' से कहा, हाल ही में हुई भारी बारिश के कारण, लाहौर से लगभग 80 किलोमीटर दूर गुजरांवाला के शेरांवाला बाग में स्थित सरदार महान सिंह की समाधि का एक हिस्सा ढह गया है। सौभाग्य से, किसी के हताहत होने की खबर नहीं है। ईटीपीबी पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों के पवित्र स्थलों की देखभाल करता है। उन्होंने कहा, सिख समुदाय के एक प्रमुख नेता सरदार महान सिंह को उपमहाद्वीप व सिख विरासत के इतिहास में एक महत्वपूर्ण व्यक्ति माना जाता है। उनकी समाधि का जीर्णोद्धार अंतरराष्ट्रीय स्तर पर असाधारण महत्व रखता है।

मोहिउद्दीन ने कहा कि घटना के बाद ईटीपीबी के अधिकारियों ने एक तकनीकी टीम के साथ घटनास्थल का दौरा किया और इमारत के आसपास सुरक्षा उपाय सुनिश्चित किए।

यमुना का जलस्तर घटा, घरों में गाद जमने से बाढ़ प्रभावित परिवारों की परेशानी बढ़ी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय राजधानी की यमुना नदी में हाल ही में आई बाढ़ के बाद तंबुओं में रह रहे हजारों लोगों के लिए घर लौटने में सबसे बड़ी बाधा अब पानी नहीं, बल्कि वहां जमी गाद है, जिसे साफ करना होगा और जीवन को फिर से शुरू करने के लिए घर के सूखने का इंतजार करना होगा।

घाट संख्या 28 निवासी दिहाड़ी मजदूर विनोद (47) एक महीने से अधिक समय से अपने घर से दूर हैं। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, ''हमारे घर में बहुत गाद जम गया है। हमें पहले उसे पूरी तरह से हटाना होगा और फिर कुछ दिनों के लिए घर को खाली छोड़ देना होगा, ताकि वह सूख जाए। उसके बाद ही हम वापस जा सकते हैं।''

अपनी पत्नी और छह बच्चों के साथ यमुना बाजार राहत शिविर में रह रहे विनोद ने कहा कि उनके बच्चे एक महीने से अधिक समय से स्कूल और कॉलेज नहीं जा पा रहे हैं। उन्होंने कहा, ''हमारे बच्चे राहत शिविरों में हमारे सामान की देखभाल और सुरक्षा करने में मदद करते है, जबकि मैं और मेरी पत्नी काम पर या गाद साफ़ करने बाहर जाते हैं। हमारे घर वापस आने के बाद ही वे अपनी पढ़ाई फिर से शुरू कर पाएंगे।'' घाट संख्या 27 की नीलम देवी (45) ने भी ऐसी ही परेशानियों का जिक्र करते हुए कहा, ''गाद साफ करने में कई घंटे लग जाते हैं। हमारे पास मदद लेने के लिए पैसे नहीं हैं। गाद निकल जाने के बाद भी हमें घर को सुखाने की ज़रूरत होती है और यह पूरी तरह मौसम पर निर्भर करता है।''

प्रधानमंत्री मोदी ने राजग सांसदों से 'स्वदेशी मेला' आयोजित करने को कहा

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार को सत्तारूढ़ राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन सांसदों से भारत में निर्मित उत्पादों को बढ़ावा देने के लिए 'स्वदेशी मेला' आयोजित करने और जीएसटी दर में कटौती पर व्यापारियों के साथ बैठकें करने को कहा।

उपराष्ट्रपति चुनाव की पूर्व संध्या पर आयोजित सांसदों की बैठक में उनके भाषण का मुख्य विषय 'स्वदेशी' था। सूत्रों ने बताया कि मोदी ने कहा कि उनकी सरकार द्वारा माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में कटौती से एक लहर पैदा हुई है और उन्होंने सांसदों से कहा कि वे जनता के साथ बैठकें करके इस संदेश को उन तक पहुंचाएं। सूत्रों ने बताया कि उन्होंने उनके (सांसदों के) निर्वाचन क्षेत्रों में विशेष मेले आयोजित करके भारत में निर्मित उत्पादों को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने बताया कि मोदी ने सांसदों को सलाह दी कि वे मंगलवार को होने वाले उपराष्ट्रपति चुनाव में सही तरीके से मतदान करें, ताकि कोई भी वोट बर्बाद न हो।

जीएसटी में व्यापक सुधार प्रगतिशील कदम, छोटे विक्रेताओं के लिए पासा पलटने वाला : अमेजन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ऑनलाइन खरीद-बिक्री की सुविधा देने वाली प्रमुख कंपनी अमेजन इंडिया ने जीएसटी में व्यापक सुधारों के तहत स्वीकृत दो-स्तरीय कर ढांचे की सराहना की है। उसने इसे 'बेहद प्रगतिशील सुधार' बताते हुए छोटे विक्रेताओं के लिए 'पासा पलटने वाला' कदम बताया है।

साथ ही, कंपनी ने उम्मीद जतायी है कि इसका ग्राहकों और विक्रेता परिवेश पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। जीएसटी परिषद ने माल एवं सेवा कर के चार स्लैब की जगह दो स्लैब करने का फैसला किया है। अब कर की दरें पांच और 18 प्रतिशत होंगी जबकि विलासिता एवं सिगरेट जैसी अहितकर वस्तुओं पर 40 प्रतिशत की विशेष दर लागू होगी। सिगरेट, तंबाकू और अन्य संबंधित वस्तुओं को छोड़कर नई कर दरें 22 सितंबर से प्रभावी हो जाएंगी।

अमेजन इंडिया के उपाध्यक्ष (श्रेणी) सौरभ श्रीवास्तव ने कहा कि नई जीएसटी व्यवस्था मझोले और छोटे शहरों के विक्रेताओं के लिए डिजिटल कारोबार को पूरी तरह से लोकतांत्रिक बनाती है। उन्होंने पीटीआई-भाषा को बताया, ''सरकार ने जो किया है वह एक बेहद प्रगतिशील सुधार है। इसका ग्राहकों, विक्रेता परिवेश और समग्र अर्थव्यवस्था पर सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। दरों में कमी के कारण, विक्रेता और ब्रांड बेहतर सौदे पेश कर सकते हैं।'' श्रीवास्तव ने कहा कि अमेजन इंडिया ने संशोधित जीएसटी दरों को शामिल करने के लिए अपने आंतरिक प्रणाली में बदलाव करना शुरू कर दिया है।

अमेजन के प्रमुख वार्षिक सेल 23 सितंबर से शुरू होने वाले 'ग्रेट इंडियन फेस्टिवल' को देखते हुए, श्रीवास्तव ने कहा कि जीएसटी में बदलाव के साथ, ग्राहक एक लाख से ज्यादा उत्पादों पर साल की सबसे कम कीमतों की उम्मीद कर सकते हैं।

अंबरनाथ गणपति मंडल का मोदक हुआ 1.85 लाख रुपए में नीलाम, एक महिला ने खरीदा यह प्रसाद

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

ठाणे/भाषा। अक्सर इस्तेमाल होने वाला मुहावरा 'आस्था की कोई सीमा नहीं होती' ठाणे जिले में अंबरनाथ के श्री खाटूश्याम गणपति मंडल में पूरी तरह चरितार्थ होता हुआ नजर आया, जहां एक भक्त ने भगवान गणेश के प्रिय भोग मोदक को 1.85 लाख रुपए में खरीदा।

मंडल के अध्यक्ष प्रमोद कुमार चौबे ने सोमवार को बताया कि 10 दिवसीय उत्सव के दौरान मोदक को मूर्ति के हाथों में रखने के बाद आखिरी दिन उसकी नीलामी पिछले 11 वर्षों से चली आ रही परंपरा है, जिसमें भाग लेने वाले लोग अपने जीवन में सौभाग्य की कामना करते हैं।

उन्होंने बताया कि यह प्रार्थनाओं के पूर्ण होने का एक प्रिय प्रतीक और समुदाय की गहरी आस्था का एक सशक्त प्रमाण बन गया है।

उन्होंने कहा, ''जिन भक्तों की मनोकामनाएं पूरी होती हैं, वे कृतज्ञता प्रकट करने के लिए इस नीलामी में भाग लेते हैं। ग्यारह साल पहले, एक भक्त ने प्रार्थना पूरी होने के बाद भगवान के हाथों में एक मोदक रखा था। अगले साल, आभार प्रकट करने के लिए, उसने वही मोदक 7,000 रुपए में खरीदा और इस तरह इस परंपरा की शुरुआत हुई।'' उन्होंने बताया कि मोदक खास तौर पर नीलामी के लिए बनाया जाता है और आमतौर पर इसका वजन 2.25-3.25 किलोग्राम के बीच होता है, जिसमें ढेर सारे सूखे मेवे होते हैं।

चौबे ने बताया, ''नीलामी से पहले इसे सबसे पहले भगवान के हाथों में रखा जाता है और माना जाता है कि यह पवित्र आशीर्वाद ग्रहण करता है। इसके बाद विजेता मोदक को अन्य भक्तों में बांटता है और सौभाग्य का संचार करता है। इस साल 1.85 लाख रुपए की बोली अनामिका त्रिपाठी ने लगाई।''

पिछले साल, मोदक के लिए बालाजी किन्निकर की पत्नी ने 2.22 लाख रुपए की सबसे अधिक बड़ी बोली लगाई थी, जिन्होंने 2024 के विधानसभा चुनाव में अंबरनाथ से लगातार चौथी बार जीत हासिल की थी।

जीएसटी दरों में कटौती का पूरा लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचना चाहिए : पीयूष गोयल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल ने सोमवार को उद्योग जगत से जीएसटी दरों में कटौती का पूरा लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि ऐसा करने से घरेलू उत्पादों की मांग बढ़ेगी और अर्थव्यवस्था की नींव मजबूत होगी।

गोयल ने कहा, ''माल एवं सेवा कर (जीएसटी) दरों में कटौती और सरलीकरण से घरेलू मांग बढ़ेगी, छोटे और बड़े उद्यमों को ज्यादा अवसर मिलेंगे, रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे, आय बढ़ेगी, जिससे खर्च बढ़ेगा।'' उन्होंने कहा इससे देश को आगे ले जाने के लिए वृद्धि का एक अच्छा चक्र बनेगा।

वाणिज्य और उद्योग मंत्री ने यहां ईईपीसी इंडिया के एक कार्यक्रम में कहा कि दुनिया की कोई भी ताकत भारत को एक वैश्विक महाशक्ति के रूप में उभरने से नहीं रोक पाएगी। उन्होंने समतामूलक आर्थिक लाभ के महत्व पर जोर दिया और कहा कि जीएसटी की दरों में कटौती का पूरा लाभ उपभोक्ताओं तक पहुंचाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि जब भारत एक संयुक्त परिवार की तरह काम करेगा और सभी क्षेत्रों में एक-दूसरे का समर्थन करेगा, तो स्वाभाविक रूप से समावेशी विकास होगा।

गोयल ने भरोसा जताया कि देश टिकाऊ और समावेशी विकास के लिए दुनिया भर में आदर्श बन सकता है। उन्होंने कहा कि जीएसटी दरों में कटौती और सरलीकरण के साथ प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने घरेलू मांग को बढ़ावा दिया है। गोयल ने कहा कि जब आर्थिक प्रणाली के मजबूत आधार पर बुनियादी ढांचे का खर्च बढ़ेगा और उपभोक्ता मांग में तेजी आएगी, तो दुनिया की कोई भी ताकत भारत को विश्व शक्ति बनने से नहीं रोक सकती।

भारत व्यापार समझौतों में किसानों, एमएसएमई के हित सुरक्षित रखने को प्रतिबद्ध: सरकारी सूत्र

नई दिल्ली/भाषा। भारत किसी भी द्विपक्षीय व्यापार समझौते को 'समान, न्यायसंगत और संतुलित' बनाना चाहता है क्योंकि सरकार किसानों और सूक्ष्म, लघु एवं मझोले उद्यमों (एमएसएमई) के हितों की रक्षा के लिये प्रतिबद्ध है। आधिकारिक सूत्रों ने सोमवार को यह बात कही।

यह बयान ऐसे समय आया है जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के नेतृत्व वाले अमेरिकी प्रशासन ने भारतीय उत्पादों पर 50 प्रतिशत का भारी शुल्क लगा दिया है। इससे अमेरिकी बाजार में माल भेजने वाले निर्यातकों के सामने नई चुनौती खड़ी हो गई है।

सरकारी सूत्रों ने कहा, ''भारत अपनी प्राथमिकताओं, खासकर किसानों, मछुआरों, एमएसएमई क्षेत्र और डेयरी को ध्यान में रखते हुए बेहद संवेदनशीलता के साथ काम करता है। इन सभी बिंदुओं को देखते हुए भारत वैश्विक स्तर पर द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाना चाहता है। (लेकिन) इसमें परस्परता होनी चाहिए और यह समान, न्यायसंगत और संतुलित होना चाहिए।''

भारत इस समय यूरोपीय संघ समेत कई देशों के साथ व्यापार समझौतों पर बातचीत कर रहा है। इसके अलावा भारत की द्विपक्षीय व्यापार समझौते को लेकर अमेरिका के साथ भी बात चल रही है। हालांकि, शुल्क मुद्दों पर जुड़े तनाव के बीच इस समझौते पर बातचीत फिलहाल रुक गई है।

अमेरिकी दल को छठे दौर की वार्ता के लिए 25 अगस्त को भारत आना था लेकिन शुल्क संबंधी घोषणाओं के बीच उसने इस यात्रा को टाल दिया। अभी नई तारीख की घोषणा भी नहीं की गई है। भारत कृषि एवं डेयरी क्षेत्र को खोले जाने की अमेरिकी मांग को स्वीकार करने के लिए तैयार नहीं है।

जीएम फसलें सभी के लिए नहीं हैं एक जैसा समाधान : विशेषज्ञ

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कृषि विशेषज्ञों ने सोमवार को कहा कि आनुवंशिक रूप से संवर्धित (जीएम) फसलें कृषि चुनौतियों के लिए लक्षित समाधान दे सकती हैं, लेकिन उनकी प्रभावशीलता फसल और लक्षणों पर निर्भर करती है। 'वर्ल्ड फूड प्राइज फाउंडेशन' के एक कार्यक्रम में शामिल विशेषज्ञों ने यह राय जताई।

अमेरिका स्थित फाउंडेशन की वरिष्ठ निदेशक निकोल बैरेका प्रेंजर ने नोबेल पुरस्कार विजेता नॉर्मन बोरलॉग के दर्शन का हवाला देते हुए कहा कि कोई भी समाधान ऐसा होना चाहिए जिस पर सभी को विचार करना चाहिए।

प्रेंजर ने फाउंडेशन के सम्मेलन 'डायलॉग नेक्स्ट' के बारे में संवाददाताओं से चर्चा करते हुए कहा, कोई प्रौद्योगिकी एक की मदद कर सकती है और दूसरे की नहीं। लेकिन हम वह क्यों नहीं करते जो हम कर सकते हैं? हमें सभी उपलब्ध कृषि प्रौद्योगिकियों का तुरंत पता लगाना होगा। उन्होंने कहा कि बोरलॉग की तरफ से पेश समाधानों ने पिछले 25 वर्षों तक काम किया लेकिन मौजूदा कृषि चुनौतियों को देखते हुए नए तरीके अपनाने जरूरी हैं।

प्रेंजर ने कहा, तो क्या इसका समाधान जीएम फसलें हैं? कुछ के लिए इसका जवाब हां हो सकता है जबकि कुछ के लिए नहीं। लेकिन हमें अपनी खोज जारी रखनी होगी।

इस मौके पर बोरलॉग इंस्टीट्यूट फॉर साउथ एशिया के प्रबंध निदेशक बी एम प्रसन्ना ने बताया कि आनुवंशिक संवर्धन या जीनोम संपादन सरल जीनोम वाली फसलों में बेहतर काम करता है। उन्होंने कहा, चावल में केवल एक जीन परिवर्तन से ही भारी फेनोटाइप बदलाव संभव है, लेकिन मक्का या अन्य फसलों में यह लागू नहीं हो सकता है। ऐसे में हमें समाधान बहुत सावधानी से अपनाने होंगे।

प्रसन्ना ने बताया कि मक्का और गेहूं जैसी जटिल फसलों में सूखे या गर्मी सहनशीलता जैसी विशेषताओं को केवल एकल-जीन बदलाव से हल नहीं किया जा सकता। उन्होंने जीनोमिक चयन और भविष्यवाणी जैसी प्रणालियों के अनुकूलन पर जोर दिया।

हालांकि, जीनोम संपादन ने रोग प्रतिरोधक लक्षणों में सफलता दिखाई है। प्रसन्ना ने केन्या में मक्का की घातक परिगलन बीमारी के प्रतिरोध के उदाहरण का हवाला दिया।

विशेषज्ञों ने सभी उपलब्ध कृषि तकनीकों पर खुले दिमाग से विचार करने और समाधान को फसल व क्षेत्रीय आवश्यकताओं के अनुसार ढालने पर बल दिया।

भारत की बेरोजगारी दर जी20 देशों में सबसे कम : मांडविया

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय श्रम एवं रोजगार मंत्री मनसुख मांडविया ने सोमवार को कहा कि विश्व आर्थिक मंच (डब्ल्यूईएफ) के अनुसार भारत की बेरोजगारी दर दो प्रतिशत है, जो जी20 देशों में सबसे कम है।

मंत्री ने कहा कि भारत की तेज आर्थिक वृद्धि के साथ ही विभिन्न क्षेत्रों में रोजगार सृजन हुआ है और प्रधानमंत्री विकासशील भारत रोजगार योजना (पीएम- वीबीआरवाई) सहित कई योजनाओं ने इसमें योगदान दिया है।

वह मंत्रालय और डिजिटल मंच 'मेंटर दुगेदर' तथा ऑनलाइन साइट 'क्रिकर' के बीच समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर के मौके पर एक सभा को संबोधित कर रहे थे।

इस एमओयू का मकसद राष्ट्रीय करियर सेवा (एनसीएस) पोर्टल पर रोजगार के अवसरों के साथ ही युवाओं की रोजगार क्षमता बढ़ाना है।

मांडविया ने कहा कि इन साझेदारियों की मदद से नौकरी चाहने वालों के लिए उचित मार्गदर्शन और रोजगार के अवसर उपलब्ध होंगे।

'बाढ़-रोधी' मक्का फसल के लिए परीक्षण प्रयोगशाला में बदली पंजाब की बाढ़

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। पंजाब की विनाशकारी बाढ़ ने अनजाने में बाढ़ प्रतिरोधी मक्का फसलों के परीक्षण के लिए एक प्राकृतिक प्रयोगशाला बना दी है, जो राज्य भर में 1.9 लाख हेक्टेयर क्षतिग्रस्त कृषि भूमि को बहाल करने के लिए काम कर रहे वैज्ञानिकों के लिए महत्वपूर्ण आंकड़े प्रदान करती है।

अंतरराष्ट्रीय कृषि अनुसंधान संगठन (सीआईएमएमवाईटी) पहले से ही अपने लुधियाना संयंत्र में मक्का की 10 संकर किस्मों का क्षेत्र परीक्षण कर रहा था, जब बाढ़ का पानी आया और राज्य के 1,400 गांवों की कृषि भूमि जलमग्न हो गई। चार प्रायोगिक संकर विशेष रूप से जल-जमाव सहनशीलता के लिए विकसित किए गए थे। बोरलॉग इंस्टिट्यूट फॉर साउथ एशिया (बीआईएसए) के प्रबंध निदेशक डॉ. बी एम प्रसन्ना ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''ईश्वर इन संकर का परीक्षण कर रहा है।'' उन्होंने कहा, ''कुछ ही हफ्तों में, हमें जल-जमाव सहन करने वाले संकर और संवेदनशील संकर के बीच का अंतर पता चल जाएगा।'' उन्होंने बताया कि यह बाढ़ पंजाब के अतिरिक्त मुख्य सचिव द्वारा सीआईएमएमवाईटी-बीआईएसए से संपर्क करने के दो हफ़्ते बाद आई है, जिसमें उन्होंने तीन विशिष्ट विशेषताओं वाले उन्नत मक्का संकर विकसित करने का अनुरोध किया था: जिसमें जल-जमाव सहनशीलता, फ़ॉल आर्मीवर्म कीट के प्रति प्रतिरोध, और ग्रीष्मकालीन खेती के लिए जल-उपयोग दक्षता किस्में शामिल हैं।

राहुल गांधी गंभीर नेता नहीं

विदेश दौरे को लेकर भाजपा का कांग्रेस नेता पर निशाना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने सोमवार को राहुल गांधी की कथित विदेश यात्रा को लेकर कहा कि वह ''गंभीर राजनेता नहीं'' हैं और अच्छा होता यदि कांग्रेस नेता इसके बजाय बाढ़ प्रभावित कर्नाटक व पंजाब का दौरा करते, जहां किसान संकट में हैं।

भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने गांधी को यह भी याद दिलाया कि सार्वजनिक जीवन में कोई विराम नहीं होता। प्रसाद ने संवाददाताओं से कहा, राहुल गांधी को उनकी छुट्टियों के लिए शुभकामनाएं। जब कोई नेता गंभीर नहीं होता है, तो यह बात तो स्वाभाविक ही है - 'अब बहुत काम कर लिया है। अब थोड़ा आराम कर लूं।' मैं राहुल गांधी को याद दिला दूं कि सार्वजनिक जीवन में कोई ब्रेक नहीं होता। उन्होंने कहा, यदि आप नेता हैं तो आपको लोगों के हितों के लिए उपलब्ध रहना होगा। प्रसाद ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे की भी आलोचना की, जिन्होंने कथित तौर पर एक किसान को डांटा था, क्योंकि किसान ने उन्हें बताया था कि कांग्रेस शासित कर्नाटक के कलबुर्गी में भारी बारिश के कारण उसके चार एकड़ खेत में फसल नष्ट हो गई। खरगे ने अपने पारंपरिक राजनीतिक क्षेत्र के किसान से कहा कि उन्हें स्वयं अपने 40 एकड़ के खेत में नुकसान हुआ है। प्रसाद ने कहा, यह कैसा अहंकार है? उन्होंने कहा कि किसान अपना दर्द साझा करने के लिए उनसे मिलने गया था।

इससे पहले भाजपा सूचना प्रौद्योगिकी विभाग के प्रमुख अमित मालवीय ने दावा किया था कि गांधी मलेशिया के लैंगकावी में गोपनीय तौर पर छुट्टी पर गए हैं। उन्होंने कहा, लगता है बिहार की राजनीति की गर्मी और धूल कांग्रेस युवराज के लिए बहुत ज्यादा हो गई, इसलिए उन्हें छुट्टी पर जाना पड़ा। या फिर यह उन गुप्त बैठकों में से एक है, जिनके बारे में किसी को पता नहीं चलना चाहिए? उन्होंने कहा, वैसे भी, जब लोग वास्तविक मुद्दों से जूझ रहे हैं, राहुल गांधी गायब होने और छुट्टियां मनाने की कला में निपुणता हासिल करने में व्यस्त हैं।

युवा भारतीयों के फेफड़े हो रहे खराब, सांस लेने में दिक्कत : विशेषज्ञों की चेतावनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विशेषज्ञों ने चेतावनी दी है कि युवा भारतीयों के फेफड़ों का स्वास्थ्य तेजी से बिगड़ रहा है तथा हर साल फेफड़ों के कैंसर के लगभग 81,700 नए मामले सामने आ रहे हैं, जो खतरे की भयावहता को दर्शाता है।

कभी बुढ़ापे की बीमारी समझे जाने वाला फेफड़ों का कैंसर, सीओपीडी और टीबी अब कम उम्र में पहले ही दिखाई देने लगे हैं, जिससे जनसांख्यिकीय और आर्थिक आपदा की आशंका बढ़ गई है। विशेषज्ञों ने कहा कि जो युवा सुबह-सुबह धुंध में दौड़ते हैं, जो पेशेवर लोग लंबी दूरी तक यातायात जाम से होकर यात्रा करते हैं तथा जो छात्र प्रदूषित कक्षाओं में बैठते हैं, वे हर दिन अपने फेफड़ों में जहरीली हवा भर रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह अदृश्य बीमारी उनमें तब सामने आएगी जब वे अपने जीवन के उत्पादक वर्षों में शीर्ष पर होंगे और जब देश को उनकी सबसे अधिक आवश्यकता होगी। यह संकट सिर्फ बाहरी प्रदूषण तक ही सीमित नहीं है। शनिवार को आयोजित 'रेस्पिरेटरी मेडिसिन, इंटरवेंशनल पल्मोनोलॉजी और स्लीप डिसऑर्डर्स' (रेस्पिकॉन) के आठवें राष्ट्रीय सम्मेलन, 'रेस्पिकॉन' 2025 में विशेषज्ञों द्वारा साझा किए गए साक्ष्यों से पता चला है कि रसोई का धुआं और घर के अंदर इस्तेमाल होने वाले बायोमास ईंधन धूम्रपान न करने वाली महिलाओं में फेफड़ों के कैंसर के खतरे को काफी बढ़ा रहे हैं। यह एक ऐसा खतरा है जिसे अक्सर सार्वजनिक बहसों में नजरअंदाज कर दिया जाता है।

बच्चों पर भी इसका बोझ बढ़ रहा है। पांच वर्ष से कम आयु के बच्चों की मृत्यु के मामले में निमोनिया अभी भी वैश्विक स्तर पर 14 प्रतिशत के लिए जिम्मेदार है तथा प्रदूषित वायु के कारण बार-बार होने वाले संक्रमण से बच्चों का स्वास्थ्य और प्रतिरक्षा शक्ति कमजोर हो रही है। 'रेस्पिकॉन' 2025 का उद्घाटन दिल्ली की स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक (डीजीएचएस) डॉ. वत्सला अग्रवाल ने किया, जिन्होंने श्वसन स्वास्थ्य को भारत की नीतिगत प्राथमिकताओं के केंद्र में रखने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, स्वच्छ हवा कोई विलासिता नहीं है, यह एक मौलिक अधिकार है। श्वसन स्वास्थ्य को भारत के स्वास्थ्य एजेंडे में हाशिये से हटाकर मुख्यधारा में लाना होगा। हमारी युवा आबादी के फेफड़ों की सुरक्षा, राष्ट्र के आर्थिक और सामाजिक ताने-बाने की सुरक्षा है। हम जहरीली हवा को अपना वर्तमान और भविष्य, दोनों चुराने की इजाजत नहीं दे सकते।

लंबे समय तक गर्मी में रहना, दिल्ली में कई मौतों का कारण : रिपोर्ट

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली में पिछले 12 वर्षों के दौरान जून, जुलाई और अगस्त में मौतों की प्रवृत्ति का उल्लेख करते हुए एक रिपोर्ट में कहा गया है कि लंबे समय तक बढ़े हुए तापमान में रहने से राष्ट्रीय राजधानी में 'अज्ञात' मौतों में अप्रत्याशित वृद्धि दर्ज की जा रही है। 'ग्रीनपीस इंडिया' द्वारा प्रकाशित 'डेथ एंड डिग्री' शीर्षक वाली रिपोर्ट में शहर में अत्यधिक गर्मी और मृत्यु दर के बीच स्पष्ट संबंध बताया गया है।

रिपोर्ट लिखने वालों ने 2015-2024 के दौरान की प्रवृत्ति का अध्ययन किया और कहा कि जून से सितंबर के महीनों में यूटीसीआई (यूनिवर्सल थर्मल क्लाइमेट इंडेक्स) के आंकड़े लगातार उच्च रहते हैं, जबकि इन महीनों में हवा का तापमान उच्च नहीं होता। यूटीसीआई बताता है कि बाहर की गर्मी शरीर को कितनी महसूस होगी। इसमें लिखा गया है, ''जुलाई और अगस्त के महीने अब गर्मियों के चरम महीनों जितने ही असहनीय हो गए हैं, जो इस बात का संकेत है कि गर्मी से होने वाली परेशानी मानसून के मौसम में भी लंबे समय तक बनी रहती है।''

इसमें कहा गया है कि गर्मी के साथ-साथ हवा में आद्रता भी शहर में खतरनाक तापमान की स्थिति उत्पन्न कर सकती है। टीम को पता चला कि मौतों में बढ़ोतरी की यह प्रवृत्ति शहर में हुई अज्ञात मौतों के डेटा से भी ''चिंताजनक'' तरीके से मेल खाती है, जो अक्सर सबसे कमजोर तबके के लोगों की होती है। 2019 में जून से अगस्त के बीच मौतों की संख्या 5,341 थी, जो 2022-2024 के दौरान बढ़कर 11,819 हो गई। रिपोर्ट में है कि जून में अधिक चरम यूटीसीआई दर्ज होता है और जून के दौरान हर साल सबसे अधिक मौतें होती हैं। टीम ने पाया कि 2024 में 11 से 19 जून के बीच गर्मी से 192 बेघर लोगों की मौत हुई, जो पिछले दो दशकों में सबसे अधिक है।

निवेश के लिए विदेश यात्रा संतोषजनक रही, 10 नयी कंपनियां सहयोगी उपक्रमों के लिए आगे आईं : स्टालिन

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने सोमवार को कहा कि राज्य पर भरोसा जताते हुए 10 नयी कंपनियां सहयोगी उपक्रमों के लिए आगे आई हैं, जबकि 17 कंपनियों ने अपने कारोबार का विस्तार करने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री के जर्मनी और ब्रिटेन से लौटने पर चेन्नई हवाई अड्डे पर राज्य के मंत्रियों और अधिकारियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

इस अवसर पर स्टालिन ने कहा कि उन्होंने राज्य के लिए बड़े निवेश सुनिश्चित किए हैं और यही वजह है कि विपक्षी पार्टियां उनकी यात्रा को बर्दाश्त नहीं कर पा रहीं। यहां पहुंचने के तुरंत बाद उन्होंने संवाददाताओं से कहा, ''जर्मनी और ब्रिटेन की मेरी एक हफ्ते की यात्रा संतोषजनक और सफल रही। इसके जरिए 15,516 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित हुआ है, जिससे 17,613 लोगों को रोजगार मिलेगा। कुल मिलाकर 33 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। मेरी विदेशी यात्रा बेहद सफल रही है।''स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु में अनुकूल और बेहतर औद्योगिक माहौल के कारण 17 कंपनियों ने अन्य राज्यों में जाने के बजाय यहीं अपने कारोबार के विस्तार का निर्णय लिया है। अखिल भारतीय अन्ना द्रविड़ मुनेत्र कषगम (अन्नाद्रमुक) महासचिव ई.के. पलानीस्वामी की आलोचना पर प्रतिक्रिया देते हुए मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन ने कहा कि जर्मनी में उनके विस्तृत प्रस्तुतीकरण के बाद कई निवेशकों ने माना कि तमिलनाडु में निवेश और उद्यम शुरू करने के लिए अपार संभावनाएं हैं। मुख्यमंत्री ने अपनी विदेश यात्रा का बचाव करते हुए कहा कि ऐसी यात्राएं आगे भी जारी रहेंगी, क्योंकि तमिलनाडु में कंपनियों को नए उद्यम शुरू करने और विस्तार कार्यक्रम लाने के लिए प्रोत्साहित करना आवश्यक है।

स्टालिन ने कहा, तूतीकोरिन में आयोजित निवेशक शिखर सम्मेलन की तरह, हम जल्द ही होसुर में भी ऐसा ही एक कार्यक्रम आयोजित करेंगे, जहां मैं 11 सितंबर को 2,000 करोड़ रुपये की 'डेल्टा इलेक्ट्रॉनिक्स' फैक्टरी और उसके कर्मचारियों के लिए टाउनशिप का उद्घाटन करूंगा, साथ ही 1,100 करोड़ रुपये की नई इकाइयों की आधारशिला भी रखूंगा।'' उन्होंने यह भी कहा कि व्यक्तिगत रूप से यह यात्रा उनके लिए यादगार और अविस्मरणीय रही, क्योंकि उन्होंने 'ऑक्सफोर्ड यूनिवर्सिटी' में तर्कवादी नेता पेरियार ई. वी. रामासामी के चित्र का अनावरण करने का सौभाग्य मिला।

अन्नाद्रमुक के वरिष्ठ नेता के. ए. सेनगोट्टायन द्वारा पार्टी से निष्कासित नेताओं को एकजुट करने की मांग किए जाने और इसके चलते उन्हें पार्टी पदों से हटाए जाने से जुड़े सवाल पर मुख्यमंत्री ने कहा, यहां हम रचनात्मक मुद्दों की बात कर रहे हैं और आप भड़काऊ प्रश्न पूछ रहे हैं। एक अन्य सवाल के जवाब में उन्होंने कहा, केंद्र सरकार भले ही हमें कम धनराशि दे रही हो, इसके बावजूद हम एक मौन क्रांति ला रहे हैं। चाहे वे हमें कितना भी नजरअंदाज करें, हम शीर्ष स्थान पाने के लिए लगातार मेहनत कर रहे हैं। मुख्यमंत्री स्टालिन ने उद्योग मंत्री टी. आर. बी. राजा और अधिकारियों द्वारा समझौतों को सफल बनाने के प्रयासों की भी सराहना की।

निवेश के लिए विदेश यात्रा संतोषजनक रही : स्टालिन

चेन्नई। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने सोमवार को कहा कि राज्य पर भरोसा जताते हुए 10 नयी कंपनियां सहयोगी उपक्रम के लिए आगे आई हैं, जबकि 17 कंपनियों ने अपने कारोबार का विस्तार करने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री के जर्मनी और ब्रिटेन से लौटने पर चेन्नई हवाई अड्डे पर राज्य के मंत्रियों और अधिकारियों ने उनका गर्मजोशी से स्वागत किया। इस अवसर पर स्टालिन ने कहा कि उन्होंने राज्य के लिए बड़े निवेश सुनिश्चित किए हैं, यही वजह है कि विपक्षी पार्टियां उनकी यात्रा को बर्दाश्त नहीं कर पा रहीं।

यहां पहुंचने के तुरंत बाद उन्होंने संवाददाताओं से कहा, जर्मनी और ब्रिटेन की मेरी एक हफ्ते की यात्रा संतोषजनक और सफल रही। इसके जरिए 15,516 करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित हुआ है, जिससे 17,613 लोगों को रोजगार मिलेगा। कुल मिलाकर 33 समझौता ज्ञापनों पर हस्ताक्षर किए गए। मेरी विदेशी यात्रा बेहद सफल रही है। स्टालिन ने कहा कि तमिलनाडु में अनुकूल और बेहतर औद्योगिक माहौल के कारण 17 कंपनियों ने अन्य राज्यों में जाने के बजाय यहीं अपने कारोबार के विस्तार का निर्णय लिया है।

कार्यवाहक डीजीपी की नियुक्ति पर तमिलनाडु से न्यायालय का सवाल, यूपीएससी को शीघ्र सिफारिश का निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई/नईदिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने एक कार्यवाहक पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) की नियुक्ति को लेकर सोमवार को तमिलनाडु सरकार से सवाल पूछा और संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) को नियमित नियुक्ति के लिए नामों की शीघ्र सिफारिश करने का निर्देश दिया। भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बी आर गवई और न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन और न्यायमूर्ति अतुल एस चंदुरकर की पीठ 31 अगस्त को जी वेंकटरमन को तमिलनाडु के पुलिस महानिदेशक के रूप में नियुक्त करने के लिए इस दक्षिणी राज्य के खिलाफ अवमानना कार्रवाई का अनुरोध करने वाली याचिका पर सुनवाई कर रही थी। पीठ ने पूछा, आपने कार्यवाहक डीजीपी की नियुक्ति क्यों की है?''

राज्य की ओर से उपस्थित वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कहा कि डीजीपी की नियुक्ति नहीं की जा सकती, क्योंकि एक अधिकारी ने कैट के समक्ष एक अर्जी दायर कर पैनल में अपना नाम शामिल करने का अनुरोध किया है। इसके बाद पीठ ने आदेश दिया, हम यूपीएससी से अनुरोध करते हैं कि वह इस मामले पर शीघ्र विचार करे। यूपीएससी से प्राप्त अनुशंसा के आधार पर, प्रतिवादी राज्य नियमित डीजीपी की नियुक्ति के लिए कदम उठाएगा।

अवमानना याचिका वकील हेनरी टीफाग्ने द्वारा दायर की गई थी, जिन्होंने तर्क दिया है कि तदर्थ/प्रभारी डीजीपी की नियुक्ति प्रकाश सिंह मामले में 2018 के उच्चतम न्यायालय के फैसले का उल्लंघन है। याचिका में कहा गया है कि फैसले के तहत राज्य को डीजीपी पद की रिक्ति का पूर्वानुमान लगाते हुए यूपीएससी को पदस्थ अधिकारी की सेवानिवृत्ति की तारीख से कम से कम तीन महीने पहले प्रस्ताव भेजना होता है।

केरल देश की पहली शहरी नीति तैयार करेगा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोच्चि/भाषा। स्थानीय स्वशासन मंत्री एम. बी. राजेश ने सोमवार को कोच्चि में बताया कि केरल देश की पहली शहरी नीति तैयार करेगा जिस पर 12 और 13 सितंबर को आयोजित होने वाले एक शहरी सम्मेलन में चर्चा की जाएगी।

उन्होंने कहा कि देश में पहली बार कोई राज्य शहरी नीति तैयार कर रहा है। शहरी नीति आयोग ने सरकार को अपनी रिपोर्ट सौंप दी है, जिसमें वैज्ञानिक शहरी नीति के लिए 10 विषयों की पहचान की गई है। केरल शहरी सम्मेलन में चर्चा इन्हीं 10 विषयों पर केंद्रित होगी। इस कार्यक्रम का आयोजन स्थानीय स्वशासन विभाग द्वारा किया जा रहा है।

उन्होंने कहा, ''इस नीति का उद्देश्य न केवल शहरों का भौतिक विकास है, बल्कि जीवन की गुणवत्ता में सुधार, सामाजिक न्याय, पर्यावरणीय स्थिरता और सांस्कृतिक विविधता सुनिश्चित करना भी है। सम्मेलन में केरल के जलवायु संकट, जनसांख्यिकीय दबाव और रोजगार एवं शिक्षा की चुनौतियों पर भी विचार-विमर्श किया जाएगा।''

''आकांक्षी शहर, संपन्न समुदाय'' विषय पर आयोजित इस अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन 12 सितंबर को मुख्यमंत्री पिनराई विजयन करेंगे। केंद्रीय आवास एवं शहरी मामलों के मंत्री मनोहर लाल खट्टर कार्यक्रम में मुख्य अतिथि होंगे। केंद्रीय अल्पसंख्यक मामलों के राज्य के मंत्री जॉर्ज कुरियन, श्रीलंका के शहरी विकास मंत्री अनुरा करुणाथिलका, दक्षिण अफ्रीका के बुनियादी ढांचे के कार्यकारी परिषद सदस्य मार्टिन मेयर, विपक्ष के नेता वी. डी. सतीशन, केंद्रीय शहरी मामलों के सचिव के. श्रीनिवास, मंत्री के. एन. बालगोपाल, के. राजन, ए. के. ससीन्द्रन और पी. राजीव भी उद्घाटन सत्र में भाग लेंगे। विदेशों से तीन मंत्री, दो केंद्रीय मंत्री और पांच अन्य भारतीय राज्यों के मंत्री इस सम्मेलन में भाग लेंगे। विभिन्न देशों के सात महापौर और अन्य भारतीय राज्यों के 15 महापौर भी अपने विचार साझा करेंगे।

अगले विधानसभा चुनाव में अन्नाद्रमुक और द्रमुक के बीच सीधा मुकाबला होगा : पलानीस्वामी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। अन्नाद्रमुक महासचिव एडप्पादी के. पलानीस्वामी ने सोमवार को कहा कि 2026 के विधानसभा चुनाव में उनकी पार्टी और सत्तारूढ़ द्रमुक के बीच सीधा मुकाबला होगा।

जब राज्य में प्रमुख द्रविड़ दलों 'द्रमुक और अन्नाद्रमुक' के चुनावी प्रभुत्व के बारे में पूछा गया और अभिनेता-राजनेता विजय द्वारा यह दावा किया गया कि अगले साल का चुनावी मुकाबला उनकी पार्टी टीवीके और सत्तारूढ़ द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) के बीच होगा तो पलानीस्वामी ने कहा कि हर पार्टी नेता की अपनी महत्वाकांक्षाएं होती हैं और यह

उनका व्यक्तिगत विचार है।

उन्होंने अपनी पार्टी अन्नाद्रमुक और द्रमुक का जिक्र करते हुए कहा कि स्पष्ट तथ्य यह है कि तमिलनाडु में मुकाबला केवल दो पार्टियों के बीच है। 'पीटीआई वीडियोज' के साथ एक साक्षात्कार में उन्होंने कहा कि लोग समझदार हैं और वे जानते हैं कि सत्ता हासिल करने की लड़ाई केवल इन दो बड़ी पार्टियों के बीच है।

इतना ही नहीं, अन्नाद्रमुक ने लगभग 31 वर्षों तक तमिलनाडु पर शासन किया और उसके शासनकाल में, लोगों को लाभान्वित करने वाली कई योजनाओं के माध्यम से राज्य देश में सर्वश्रेष्ठ बन गया। उन्होंने दावा किया, अपने प्रचार अभियान के दौरान हम लोगों को यह बात स्पष्ट रूप से समझाते हैं। द्रमुक चार साल से सत्ता में है, लेकिन उन्होंने कोई महत्वपूर्ण योजना शुरू नहीं की है।

उन्होंने द्रमुक शासन को जनविरोधी करार दिया। विपक्ष के नेता पलानीस्वामी ने आरोप लगाया कि कानून-व्यवस्था की स्थिति खराब हो गई है और राज्य में महिलाओं के खिलाफ अपराध बढ़ गए हैं।

एमडीएमके प्रमुख वाइको ने वरिष्ठ नेता सत्या को निष्कासित किया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। एमडीएमके प्रमुख वाइको ने सोमवार को पार्टी के उप महासचिव मल्लई सी ई सत्या को कथित पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में दल से निष्कासित कर दिया। एक समय वाइको के विश्वासपात्र रहे सत्या को एमडीएमके नेतृत्व के साथ मतभेदों के बाद पार्टी से दरकिनार कर दिया गया था।

15 जुलाई को चुप्पी तोड़ते हुए सत्या ने वाइको पर जानबूझकर उनका राजनीतिक करियर खत्म करने की कोशिश करने का आरोप लगाते हुए कहा था, मैं एमडीएमके की विचारधारा के प्रति प्रतिबद्धता के साथ काम करता रहा हूं। पार्टी में असामान्य घटनाक्रमों का कारण मैं नहीं हूं। उन्हें 17 अगस्त को निलंबित कर दिया गया था और एक नोटिस जारी करके स्पष्टीकरण मांगा गया कि उन्हें मरुमलार्ची द्रविड़ मुनेत्र कषगम (एमडीएमके) के उप महासचिव पद से और पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से स्थायी रूप से क्यों न हटा दिया जाए। यहां जारी एक विज्ञप्ति में कहा गया है कि सत्या ने 24 अगस्त को जवाब दिया था और पार्टी की अनुशासनात्मक कार्रवाई समिति ने छह सितंबर को उनके जवाब पर गौर किया और असंतोषजनक पाया। सत्या के स्पष्टीकरण पर प्रतिक्रिया देते हुए वाइको ने कहा कि उन्होंने (सत्या ने) न तो अपने खिलाफ लगे आरोपों से इनकार किया और न ही कोई स्पष्टीकरण दिया। वाइको ने कहा, आपका जवाब अनुशासनात्मक कार्यवाही वापस लेने के लिए अपर्याप्त है। आपका जवाब पूरी तरह से अस्वीकार्य है और आपके खिलाफ सभी आरोप साबित हो चुके हैं। यह स्थापित हो चुका है कि आप पार्टी के हितों के खिलाफ गतिविधियों में शामिल थे। उन्होंने घोषणा की कि सत्या को पार्टी के उप-महासचिव पद से हटाया जाता है और प्राथमिक सदस्यता खत्म की जाती है। पार्टी की कार्रवाई पर प्रतिक्रिया देते हुए सत्या ने कहा कि उन्हें इसकी आशंका थी।

'भाजपा शांति बिगाड़ने में माहिर है'

बेंगलूरु। कर्नाटक के मद्दूर में हुए सांप्रदायिक दंगों के बाद भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने सोमवार को पार्टी पर शांति भंग करने में माहिर होने का आरोप लगाया। रविवार को गणेश प्रतिमा विसर्जन के दौरान हुई सांप्रदायिक झड़पों के बाद मंड्या जिले के मद्दूर में निषेधाज्ञा लागू कर दी गई है। विभिन्न हिंदूवादी संगठनों द्वारा कस्बे में प्रदर्शन किए जाने से स्थिति और बिगड़ गई। सिद्दरामय्या ने यहां पत्रकारों से कहा कि किसी को भी अपनी पार्टी का आधार मजबूत करने के लिए सांप्रदायिक मुद्दों का इस्तेमाल नहीं करना चाहिए। उन्होंने कहा कि यह किसी राजनीतिक दल का काम नहीं है। भाजपा के इस आरोप पर कि हिंदुओं को अपने त्योहार मनाने की अनुमति नहीं है, मुख्यमंत्री ने कहा, ''अगर कोई शांति भंग करता है, तो वह भाजपा ही है। भाजपा भड़काने और शांति भंग करने में माहिर है।'' उन्होंने चेतावनी दी कि सरकार शांति भंग करने वालों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई करेगी।

गणेश शोभायात्रा के दौरान झड़पों के बाद मद्दूर में स्थिति नियंत्रण में है : मंत्री परमेश्वर

मंड्या। कर्नाटक के गृह मंत्री जी परमेश्वर ने सोमवार को कहा कि सात सितंबर को गणेश विसर्जन के लिए निकाले गए जुलूस के दौरान हुई सांप्रदायिक झड़पों के बाद मद्दुर शहर में स्थिति नियंत्रण में है। शहर में तनाव बढ़ने पर निषेधाज्ञा लागू कर दी गई और अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर दिया गया। रविवार को राम रहीम नगर में गणेश विसर्जन की शोभायात्रा पर पथराव के बाद झड़पें शुरू हो गई थीं।

पुलिस के अनुसार, मस्जिद से लगभग 500 मीटर की दूरी पर शोभायात्रा पर पथराव किया गया, जिसके बाद उसमें शामिल लोगों ने जवाबी कार्रवाई की। पुलिस ने आपस में भिड़ रहे दो समूहों को तितर-बितर करने के लिए हल्का लाठीचार्ज किया। बाद में हिंदू कार्यकर्ताओं ने जय श्री राम' के नारे लगाए, टायर जलाए और भगवा झंडे लहराते हुए विरोध प्रदर्शन किया। मंड्या के पुलिस अधीक्षक मल्लिकार्जुन बालादंडी ने बताया कि दो प्राथमिकी दर्ज की गई हैं, एक स्वतः संज्ञान लेकर और दूसरी एक घायल व्यक्ति की शिकायत पर। उन्होंने बताया कि 21 लोगों को हिरासत में लिया गया है तथा आगे और गिरफ्तारियां होंगी। एसपी ने

कहा, सभी घायलों को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है। एक व्यक्ति को चार टांके लगे हैं, बाकी सभी को मामूली चोटें आई हैं। आगे किसी भी प्रकार की हिंसा को रोकने के लिए इलाके में धारा 144 लागू कर दी गई है।

शनिवार रात गणेश विसर्जन के लिए निकाले गए जुलूस के दौरान कथित तौर पर उपद्रवियों द्वारा पथराव किए जाने के बाद हुबली में भी तनाव फैल गया था। पुलिस ने स्थिति को बिगड़ने से रोकने के लिए हस्तक्षेप किया, जबकि शहर के संवेदनशील इलाकों में अतिरिक्त बल तैनात किया गया। मद्दुर में केएसआरपी की टुकड़ियां तैनात कर दी गई हैं तथा वरिष्ठ अधिकारी शांति सुनिश्चित करने के लिए क्षेत्र में डेरा डाले हुए हैं, जबकि मद्दुर, हुबली और शिवमोग्गा में हुई घटनाओं के मद्देनजर सभी जिलों की पुलिस को अलर्ट पर रखा गया है। परमेश्वर ने बेंगलूरु में संवाददाताओं को बताया कि मद्दुर घटना के सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। उन्होंने कहा, मद्दुर की स्थिति के संबंध में सभी आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया है। अब कोई समस्या नहीं है। कुछ छोटी-मोटी घटनाएं हुई हैं। एक जगह झंडा लाने पर चाकू मारने की कोशिश की गई। एक अन्य जगह पर गणपति शोभायात्रा के दौरान लोगों ने बच्चों पर छत से थूका। इस तरह की घटनाएं हुई हैं। सब कुछ नियंत्रण में है। राज्य के गृह मंत्री ने दोनों समुदायों के लोगों से शांति बनाए रखने के लिए सहयोग करने का आग्रह किया और कहा कि पुलिस ने पर्याप्त कदम उठाए हैं। वहीं, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष बी वाई विजयेंद्र ने राज्य सरकार पर तीखा हमला बोलते हुए आरोप लगाया कि कांग्रेस शासन में कानून-व्यवस्था ध्वस्त हो गई है। उन्होंने दावा किया कि राज्य में हिंदू त्योहार और शोभायात्रा अब सुरक्षित नहीं रही। विजयेंद्र ने कहा, गणेश विसर्जन शोभायात्रा के दौरान कट्टरपंथी उपद्रवी गिरोह बनाकर पथराव कर रहे हैं। मांड्या, धारवाड़, बागलकोट और हुबली समेत राज्य के कई हिस्सों से ऐसी घटनाएं सामने आई हैं। कल मद्दुर में उपद्रवियों ने लगातार पथराव कर तनावपूर्ण माहौल बना दिया।

मद्दूर के गुंडों को गिरफ्तार करे : रवि कुमार

बेंगलूरु। विधान परिषद में विपक्ष के मुख्य सचेतक एन. रवि कुमार ने सोमवार को मद्दूर में गणेश जुलूस पर पथराव करने वाले मुस्लिम गुंडों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग की।

यहाँ जारी एक बयान में, रवि कुमार ने जिला प्रशासन पर भेदभाव करने का आरोप लगाया क्योंकि असली दोषियों को बिना किसी सजा के छोड़ दिया गया है।

रवि कुमार ने कहा, मद्दूर में गणेश जुलूस पर किया गया पूर्व नियोजित था। टीवी मीडिया जुलूस पर पाँच किलो पत्थर फेंके जाने का दिखावा कर रहा है।

उन्होंने राज्य सरकार पर मुस्लिम समूहों की गुंडागर्दी के प्रति नरम रुख अपनाने और हिंदुओं को निशाना बनाने का आरोप लगाया।

दक्षिण पश्चिम रेलवे

भारत के राष्ट्रपति की ओर से अधोहस्ताक्षरी निम्नलिखित कार्य के लिए ई-निविदाएं आमंत्रित करते हैं:

ई-(आईआरईपीएस) निविदा सूचना सं. 27 UBL 2025-26 , दिनांक: 03.09.2025

क्र.सं	कार्य का नाम	अनुमानित लागत
1	**हुबली विभाग:** हुबली, रेलवे अधिकारियों का क्लब में प्रस्तावित रीक्रियेशन सुविधा का प्रावधान।	रु. 1,60,61,076/-

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 18.09.2025, 11:00 बजे तक

ई-(आईआरईपीएस) निविदा सूचना सं. 28 UBL 2025-26 , दिनांक: 03.09.2025

1	**हुबली विभाग:** वरिष्ठ विभागीय इंजीनियर/पूर्व क्षेत्राधिकार पर बन्निहट्टी (बीएनएचटी) यार्ड में सेस बॉलास्ट का आपूर्ती।	रु. 1,15,12,800/-
2	**हुबली विभाग:** हुबली - गदग विभाग में हेब्बसूर यार्ड पर 3 मी. चौड़ाई फुट ओवर ब्रिज (एफओबी) का प्रस्तावित निर्माण कार्य।	रु. 1,92,60,442/-

निविदाओं जमा करने की अंतिम तिथि: 30.09.2025, 11:00 बजे तक

विवरण के लिए लॉग ऑन करें www.ireps.gov.in में

वरिष्ठ विभागीय इंजीनियर / समन्वय
PUB/442/AAF/PRB/SWR/2025-26 हुबली

अनारक्षित टिकटों की बुकिंग में आसानी के लिए गूगल प्ले स्टोर से यूटीएस मोबाइल ऐप डाउनलोड करें

South Western Railway - SWR | SWRRLY | SWRAILWAYHQ | sw_railways

कर्नाटक मीडिया अकादमी ने पत्रकारों के प्रशिक्षण के लिए इंफोसिस से साझेदारी की

बेंगलूरु। कर्नाटक मीडिया अकादमी ने सोमवार को अपने प्रमुख सीएसआर कार्यक्रम स्प्रिंगबोर्ड के तहत पत्रकारों को प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए इंफोसिस के साथ एक सहमति पत्र पर हस्ताक्षर किए।

एक बयान में कहा गया है कि कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या की उपस्थिति में हुई इस साझेदारी का उद्देश्य पत्रकारों को 'सॉफ्ट स्किल' और डिजिटल मीडिया प्रशिक्षण प्रदान करना है।

बयान के अनुसार अकादमी के सीएसआर कार्यक्रम के तहत यह आरंभिक पहल है। इन्फोसिस स्प्रिंगबोर्ड पहल के माध्यम से मीडिया पेशेवरों को डिजिटल शिक्षा दी जाएगी और उनके कौशल विकास व क्षमता विकास पर ध्यान केंद्रित किया जाएगा।

कर्नाटक मीडिया अकादमी की अध्यक्ष आयशा खानम ने कहा, इंफोसिस स्प्रिंगबोर्ड और मीडिया अकादमी के बीच यह साझेदारी नए मीडिया के साथ तालमेल बिठाने की दिशा में एक बड़ा प्रयास है। हमें विश्वास है कि यह मंच पत्रकारों के कौशल विकास में अहम भूमिका निभाएगा। इससे उन्हें आज के तेजी से विकसित होते मीडिया परिदृश्य में आवश्यक तकनीकी विशेषज्ञता हासिल होगी। इन्फोसिस के वरिष्ठ उपाध्यक्ष और ईटीए के प्रमुख सतीश बी. नंजप्पा ने कहा, इन्फोसिस स्प्रिंगबोर्ड शिक्षा पर केंद्रित एक कॉरपोरेट सामाजिक उत्तरदायित्व (सीएसआर) कार्यक्रम है। यह विशेष रूप से दूसरी और तीसरी श्रेणी के शहरों में पत्रकारों के लिए उपयोगी होगा।

Z-28016/59/2024-पीएमएसएसवाई-IV(8300536)
भारत सरकार
स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय
(पीएमएसएसवाई प्रभाग)
कमरा नं. 409-डी, निर्माण भवन,
नई दिल्ली-110011

एम्स विजयपुर (सांबा), जम्मू में कार्यकारी निदेशक के पद के लिए भर्ती

स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय (पीएमएसएसवाई प्रभाग) अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) विजयपुर (सांबा), जम्मू में लेवल 15; वेतन मैट्रिक्स (7वें सीपीसी के अनुसार) में रु. 182200-224100/- में प्रतिनियुक्ति / अल्पकालिक अनुबंध / अनुबंध के आधार पर कार्यकारी निदेशक के पद को भरने के लिए पात्र उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित करता है।

अधिक जानकारी के लिए कृपया मंत्रालय की वेबसाइट और प्रभाग की वेबसाइट देखें : https://mohfw.gov.in एवं https://pmssy.mohfw.gov.in

विस्तृत विज्ञापन रोजगार समाचार में प्रकाशित किया जाएगा। आवेदन प्राप्ति की अंतिम तिथि रोजगार समाचार में विज्ञापन प्रकाशन की तिथि से 45 दिन होगी।

उप सचिव
दूरभाष : 011-2306298

CBC 17101/11/0024/2526

बौद्धिक दिव्यांग गृह आवासनी मृतका का नियमानुसार किया गया दाह संस्कार : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने सोमवार को विधानसभा में कहा कि जामडोली स्थित राजकीय बौद्धिक दिव्यांग गृह में पिछले दिनों मृतक आवासनी का अंतिम संस्कार पुलिस विभाग के नियमों के अनुसार किया गया है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री प्रश्नकाल के दौरान सदस्य द्वारा इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने बताया कि 6 अगस्त, 2016 को सीमा द्वितीय आवासनी को बौद्धिक दिव्यांग गृह (बालिका विंग) जामडोली जयपुर में प्रवेश दिया गया। 26 मार्च, 2025 को इस आवासनी की तबीयत खराब होने पर सवाई मानसिंह अस्पताल में भर्ती करवाया गया। इलाज के दौरान 29 अप्रेल 2025 को रात्रि 10:30 बजे मृत्यु हो पर जाने के कारण सवाई मानसिंह अस्पताल की मोर्चरी में रखवाकर उक्त आवासनी के माता-पिता के अज्ञात होने के कारण

नियमानुसार कार्यवाही के लिए जामडोली थाने को 30 अप्रेल 2025 को सूचित किया गया। आवश्यक कार्यवाही उपरान्त आवासनी के शव का 5 मई, 2025 को पोस्टमार्टम पश्चात पुलिस द्वारा सुपुर्दगी करते ही उसी दिन 5 मई को दाह संस्कार की कार्यवाही की गयी। गहलोत ने कहा कि जयपुर के जामडोली स्थित राजकीय बौद्धिक दिव्यांग गृह में मानसिक रूप से विमंदित बच्चों को रखा जाता है। इन बच्चों की प्रतिरोधात्मक क्षमता कम होती है और शारीरिक रूप से कमजोर होते हैं। उन्होंने बताया कि पुलिस विभाग के द्वारा 27 सितंबर 2021 को जारी सर्कुलर के नियमों के अनुसार ही आवासनी का दाह संस्कार किया गया। उन्होंने बताया कि मृतका की मृत्यु अस्पताल रिपोर्ट के अनुसार ड्रेशी ठ्शीळीरींरी ढीरलीं खपषशलींळेप (झपशीीपळर) के कारण हुई। इससे पहले विधायक रफीक खान के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में सामाजिक न्याय मंत्री ने कहा कि पुलिस विभाग के सर्कुलर के अनुसार मृतक का शव स्थानीय चिकित्सालय में कम से कम 72 घंटे सुरक्षित रखा जाए, जिससे उसके परिजनों के तलाश करने उसकी पहचान स्थापित करने का अवसर मिल सके। उन्होंने कहा कि इस संबंध में दाह संस्कार में हुई देरी के लिए तत्कालीन अधीक्षक को भी निलम्बित कर दिया गया है।

गहलोत ने आगरा रोड पर जामडोली स्थित राजकीय बौद्धिक दिव्यांग गृह (बालक एवं बालिका विंग) में विगत दो वर्ष में आवासियों की हुई मृत्यु की सूची भी सदन के पटल पर रखते हुए कहा कि वर्ष 2020 से 2023 तक कुल 15 आवासियों की मृत्यु हुई थी।

यूरिया एवं अन्य उर्वरकों की मांग के अनुसार सभी जिलों में आपूर्ति : किरोड़ी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के कृषि मंत्री डा किरोड़ी लाल मीणा ने सोमवार को विधानसभा में कहा कि प्रदेश में पर्याप्त मात्रा में यूरिया की उपलब्धता है एवं सभी जिलों में मांग के अनुसार यूरिया एवं अन्य उर्वरकों की आपूर्ति की गई है। डा मीणा प्रश्नकाल में विधायक पूसाराम गोदारा के इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने सदन को आश्वस्त किया कि उर्वरकों के वितरण एवं आपूर्ति में अनियमितता की शिकायत प्राप्त होने पर दोषियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी उन्होंने कहा कि वर्ष 2024 एवं 2025 में चूरू जिले में यूरिया की मांग अनुसार आपूर्ति कराई गई एवं अंतर्राष्ट्रीय कीमतों में वृद्धि से डीएपी उर्वरक की आपूर्ति प्रभावित हुई। चूरू जिले के साथ प्रदेश में डीएपी की आंशिक कमी को देखते हुए डीएपी के वैकल्पिक उर्वरक एसएसपी एवं एनपीके की आपूर्ति कृषकों को की गई।

उन्होंने कहा कि फ़र्टिलाइज़र की कालाबाजारी करने वालो पर सरकार सख्ती से कार्रवाई कर रही है। विभाग की विजिलेंस टीम द्वारा लगातार औचक निरीक्षण किये जा रहे है। उन्होंने जानकारी दी कि वर्तमान सरकार के दो साल से भी कम के कार्यकाल में 117 औचक निरीक्षण किये गए जबकि गत सरकार के पूरे कार्यकाल में एक भी औचक निरीक्षण नहीं किया गया। वही 423 नमूने, 80 सीजर, 64 एफआईआर की कार्यवाही भी वर्तमान सरकार द्वारा की गई जो अब तक की सर्वाधिक है।

उन्होंने बताया कि विभाग द्वारा गुणवत्तायुक्त उर्वरक किसानों को उपलब्ध कराने के लिए 28 हजार से अधिक नमूने लेकर 126 लाइसेंस निलंबित, 37 निरस्त एवं 11 अधिकारियों को निलंबित करने की कार्यवाही भी की गयी है। उन्होंने कहा कि ग्राम सेवा सहकारी समितियों को प्राथमिकता के आधार पर फ़र्टिलाइज़र उपलब्ध करवाया जाता है जिससे उचित मूल्य पर किसानों को उर्वरक प्राप्त हो। फ़र्टिलाइज़र के साथ अन्य उत्पाद खरीदने पर किसान को मजबूर नहीं किया जा सकता। ऐसे मामले पाये जाने पर दो बड़ी कम्पनियों के गोदाम सील किये गये है। उन्होंने सदन को बताया कि उर्वरकों की पर्याप्त आपूर्ति के लिए मुख्यमंत्री, कृषि मंत्री, मुख्य सचिव, शासन सचिव कृषि विभाग स्तर से केंद्र सरकार के रसायन एवं उर्वरक मंत्रालय को पत्र भी लिखा गया है।

मुलाकात

राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े ने सोमवार को राजधानी दिल्ली में राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। राज्यपाल की उनसे यह शिष्टाचार भेंट थी। इस दौरान बागडे ने उन्हें एक वर्ष के अपने कार्यकाल के आलोक में प्रकाशित अभ्युदय की ओर पुस्तक की प्रति भेंट की। राष्ट्रपति ने पुस्तक का अवलोकन किया। उन्होंने इसे महत्वपूर्ण बताया। राज्यपाल ने इस दौरान राष्ट्रपति से राज्य से जुड़े विभिन्न विषयों पर भी संवाद किया।

राजस्थान विधानसभा में हंगामा, बुलाए मार्शल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान विधानसभा में विपक्ष कांग्रेस विधायकों के सोमवार को कानून व्यवस्था के मुद्दे को लेकर जोरदार हंगामें के साथ आसन की तरफ बढ़ने पर मार्शल बुलाने पड़े और सदन की कार्यवाही अपराह्न दो बजे तक स्थगित करनी पड़ी। सदन में शून्यकाल में स्थगन प्रस्ताव पर विधायक अपनी बात रख रहे थे इस दौरान कांग्रेस के सदस्य प्रदेश में बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर अपनी जगहों पर खड़े हो गए और वेल में आकर नारेबाजी करने लगे जिससे सदन में शोरगुल हुआ। विपक्षी सदस्यों के राज्य सरकार के खिलाफ नारेबाजी एवं हंगामें और शोरगुल के बीच सदन की कार्यवाही चलती रही। इस दौरान कांग्रेस के कुछ सदस्य नियम 295 के तहत अपनी बात नहीं रख पाये और वह हंगामा करते रहे। विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने हंगामा कर रहे सदस्यों को अपनी जगह पर बैठने का आग्रह किया लेकिन वे नहीं माने।

बाद में बारह बजकर 51 मिनट पर कांग्रेस के सदस्य नारेबाजी करते हुए आसन की तरफ बढ़ने लगे। इस पर देवनानी ने मार्शल बुला लिए और उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया।

इस दौरान कांग्रेस की विधायक रीटा चौधरी आगे आई और आसन की तरफ बढ़ने का प्रयास किया लेकिन महिला मार्शलों ने उन्हें भी रोक दिया। इस दौरान हंगामा जारी रहा और बाद देवनानी ने 12 बजकर 54 मिनट पर सदन की कार्यवाही अपराह्न दो बजे तक स्थगित कर दी।ॉ नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने सदन में कानून-व्यवस्था पर चर्चा की मांग की। इस पर विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने कहा कि विषय को कार्य सलाहकार समिति (बीएसी) की बैठक में लिया जा सकता है, लेकिन कांग्रेस के विधायक लगातार नारेबाजी करते रहे। सदन में जामडोली के मानसिक दिव्यांग गृह में हुई मौतों का मामला भी गूंजा। प्रश्नकाल के दौरान कांग्रेस विधायक रफीक खान ने आरोप लगाया कि मृतको का अंतिम संस्कार छह दिन तक नहीं किया जा सका।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री अविनाश गहलोत ने जवाब दिया कि अंतिम संस्कार में देरी इसलिए हुई क्योंकि सरकार ने पहचान संबंधी अनिवार्य प्रक्रिया पूरी करने के बाद ही अंतिम संस्कार कराया। इससे पहले, जूली ने कृषि मंत्री किरोड़ी लाल मीणा से मिलावटखोरों पर कार्रवाई को लेकर सवाल पूछा। मंत्री ने बताया कि दो कंपनियों के गोदाम सील किए गए हैं और इस समस्या से निपटने के लिए विपक्ष का सहयोग मांगा।

अतिवृष्टि से हुए नुकसान एवं बजट घोषणाओं के त्वरित एवं समयबद्ध क्रियान्वयन की समीक्षा कर दिये आवश्यक निर्देश

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। सिरोही जिले के प्रभारी मंत्री के.के. विश्नोई की अध्यक्षता में आत्मा सभागार में अतिवृष्टि से हुए नुकसान एवं बजट घोषणाओं के त्वरित एवं समयबद्ध क्रियान्वयन के संबंध में समीक्षा बैठक का आयोजन हुआ।

बैठक को सम्बोधित करते हुए प्रभारी मंत्री विश्नोई ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में देश में विकास के सम्बन्ध में अनुपम कार्य किये जा रहे हैं। उन्होंने राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा द्वारा प्रदेश के विकास के प्रति प्रतिबद्धता जताते हुए बताया कि राज्य सरकार प्रदेश की जनता के साथ हर सुख दुख में पूर्ण तत्परता के साथ खडी है।

उन्होंने सभी अधिकारियों को सरकार की मंशा के अनुरूप कार्य करते हुए आमजन को राहत पहुंचाने की बात कही।

प्रभारी मंत्री विश्नोई ने इस दौरान अतिवृष्टि की स्थिति में मकानों, फसलों, और पशुधन के नुकसान की समीक्षा कर अधिकारियों को प्रभावित क्षेत्रों में जाकर राहत बचाव आदि कार्यों को तत्परता से करने के निर्देश दिये साथ ही जिले में जर्जर भवनों, टूटी सडकों आदि की समीक्षा करते हुए मरम्मत के सम्बन्ध में भी शीघ्रातिशीघ्र आवश्यक कार्यवाही करने के निर्देश दिये।

उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी आमजन के हित के लिए पूर्ण तत्परता के साथ कार्य करें और अलर्ट मोड पर रहे। राज्य सरकार वर्षा प्रभावित लोगां को त्वरित राहत पहुंचाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।

उन्होंने इस दौरान फसल नुकसान, मकान क्षति और पशु हानि आदि की विस्तृत समीक्षा की और प्रस्ताव आदि तैयार करने के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा निर्देश दिये।

उन्होंने अधिकारियों को फील्ड स्तर पर नियमित मॉनिटरिंग करने की बात भी कही साथ ही कृषि विभाग के अधिकारियों को कृषि पर्यवेक्षकों के माध्यम से योजनाओं का प्रचार प्रसार करने तथा वृहद स्तर पर काश्तकारों को लाभान्वित करने के निर्देश दिये।

भारी बारिश जारी, भरतपुर में मकान ढहने से भाई-बहन की मौत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के कई इलाकों में मूसलधार बारिश का दौर जारी है। नदी-नाले उफान पर हैं और कई जगह निचले इलाकों में जलभराव हो गया है। भरतपुर में एक मकान ढहने से दो लोगों की मौत हो गई। अधिकारियों ने सोमवार को यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि भरतपुर के डीग इलाके में रविवार देर रात गांव डुबोकर में एक दोमंजिला मकान भरभराकर गिर गया और हादसे में एक भाई-बहन की मौत हो गई, जबकि एक महिला सहित चार लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्होंने बताया कि उदयपुर में झाड़ोल के पास भूस्खलन के कारण सोमवार सुबह सड़क पर बड़े-बड़े पत्थर आ गिरे जिससे उदयपुर-झाड़ोल राष्ट्रीय राजमार्ग पर यातायात अवरुद्ध हो गया और

वाहनों की लंबी कतारें लग गईं। इसके अलावा जिले के सायरा इलाके में एक बुजुर्ग व्यक्ति छोटी नदी पर बनी पुलिया पार करते समय बह गया।

सवाई माधोपुर के चौथ का बरवाड़ा इलाके में सोमवार तड़के सरकारी स्कूल की इमारत का कुछ हिस्सा ढह गया। हालांकि, उस समय स्कूल में छात्र मौजूद नहीं थे, इसलिए कोई हताहत नहीं हुआ।

मौसम विभाग ने चार जिलों में अति भारी बारिश का 'ऑरेंज अलर्ट' और छह अन्य जिलों में भारी बारिश का 'येलो अलर्ट' जारी किया है। भारत मौसम विज्ञान विभाग (आईएमडी) के जयपुर केंद्र के अनुसार, दक्षिण-पश्चिम राजस्थान के ऊपर बना अवदाब (कम दबाव का क्षेत्र) आज और अधिक तीव्र होकर गहरे अवदाब में परिवर्तित हो गया है और यह दक्षिण-पूर्व पाकिस्तान व आसपास के राजस्थान व भुज क्षेत्र के ऊपर स्थित है।

इसने कहा कि अगले 24 घंटे में इसके धीरे-धीरे आगे बढ़ने और कमजोर होकर पुनः सामान्य अवदाब में परिवर्तित होने की प्रबल संभावना है। इस प्रणाली के प्रभाव से सोमवार को जालौर, सिरोही, बाड़मेर और जैसलमेर जिलों में तेज हवाओं के साथ कुछ स्थानों पर भारी से अति भारी वर्षा होने की संभावना है, जबकि शेष राजस्थान के अधिकांश भागों में कहीं-कहीं हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है।

जैसलमेर और बाड़मेर जिलों में नौ सितंबर को भी कहीं-कहीं भारी बारिश की संभावना है। इसके बाद आगामी एक सप्ताह में बारिश की गतिविधियों में तेजी से कमी आने की संभावना है और केवल कुछ स्थानों पर ही हल्की बारिश हो सकती है। बीते 24 घंटे में राजस्थान के कुछ भागों में कहीं-कहीं अत्यंत भारी बारिश दर्ज की गई है। सबसे अधिक 250 मिलीमीटर बारिश माउंट आबू (सिरोही) में दर्ज की गई।

न्यायालय ने एसआई भर्ती परीक्षा रद्द करने के आदेश पर रोक लगाई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान उच्च न्यायालय की खंडपीठ ने पुलिस उपनिरीक्षक (एसआई) भर्ती परीक्षा-2021 को रद्द करने के एकल पीठ के फैसले पर सोमवार को रोक लगा दी। एकल पीठ ने पेपर लीक और उसमें राजस्थान लोक सेवा आयोग (आरपीएससी) के सदस्यों की संलिप्तता के आरोपों के आधार पर इस परीक्षा को रद्द करने का आदेश दिया था।

भर्ती परीक्षा में सफल चयनित उम्मीदवार विक्रम पंवार की अपील पर सुनवाई करते हुए न्यायमूर्ति संजीव प्रकाश शर्मा और न्यायमूर्ति संजीत पुरोहित की खंडपीठ ने उच्च न्यायालय की एकल पीठ के आदेश के कार्यान्वयन पर रोक लगा दी। खंडपीठ के समक्ष यह तर्क दिया गया कि कथित तौर पर पेपर लीक करने एवं भ्रष्ट तरीकों से चयनित होने वाले थोड़े से ही नामित और चिन्हित उम्मीदवार थे और यदि भर्ती पूरी तरह से रद्द कर दी जाती है तो ईमानदारी से परीक्षा उत्तीर्ण करने वाले सैकड़ों उम्मीदवारों को अपूरणीय क्षति होगी।

अपीलकर्ता ने अपील की कि उक्त आदेश के कार्यान्वयन के विरुद्ध अंतरिम उपाय के जरिए उन्हें संरक्षण दिया जाए। एकल पीठ ने 28 अगस्त को एसआई भर्ती परीक्षा 2021 पूरी भर्ती प्रक्रिया रद्द कर दी थी। आरपीएससी ने 2021 में उपनिरीक्षक और प्लाटून कमांडर के 859 पदों के लिए विज्ञापन दिया था। परीक्षा के दौरान पेपर लीक होने के आरोप सामने आए जिसके बाद सरकार ने मामले की जांच राजस्थान पुलिस के विशेष अभियान समूह (एसओजी) को सौंप दी।

मुख्य सचिव की अध्यक्षता में राज्य स्तरीय पंच गौरव समिति की प्रथम बैठक सम्पन्न

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव की अध्यक्षता में सोमवार को सचिवालय में राज्य स्तरीय पंच गौरव समिति की प्रथम बैठक आयोजित हुई। बैठक में पंच गौरव कार्यक्रम की प्रगति, जिला स्तरीय कार्ययोजनाओं एवं नोडल विभागों के प्रस्तावों की समीक्षा की गई। चयनित जिलों को बजट आवंटन और पुनर्विनियोजन से जुड़े विषय भी एजेंडे में शामिल रहे।

मुख्य सचिव सुधांश पंत ने निर्देशित किया कि कार्यक्रम के प्रभावी क्रियान्वयन और सतत मॉनिटरिंग के लिए राज्य एवं जिला स्तर पर समितियाँ सक्रिय रहें और उपखण्ड स्तर पर नियमित समीक्षा सुनिश्चित की जाए।

उन्होंने कहा कि योजनाओं को समयबद्ध कार्ययोजना के अनुसार लागू किया जाए, विभागों के बीच समन्वय सुदृढ़ किया जाए और पंचायत स्तर तक विशेष अभियान

चलाकर अधिकतम लाभार्थियों तक पहुँचा जाए। साथ ही वित्तीय प्रावधानों और बजट उपयोग की नियमित समीक्षा कर कार्यक्रम का लाभ समय पर और पारदर्शी तरीके से जनता तक पहुँचाया जाए। आयोजना विभाग के निदेशक विनेश सिंघवी ने बताया कि पंच गौरव कार्यक्रम को राज्य सरकार ने फ्लैगशिप योजना घोषित किया है। उन्होंने बताया कि सभी जिलों से कार्ययोजनाएँ प्राप्त कर उनका परीक्षण संबंधित विभागों से कराया जा चुका है। उन्होंने बैठक के एजेंडा में कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा की। इनमें जिला स्तरीय समितियों से प्राप्त 406 करोड़ की कार्ययोजनाओं पर विचार, नोडल विभाग की अनुशंसा पर 86.18 करोड़ का बजट जिलों को आवंटित करने पर चर्चा, तथा छ100 करोड़ के प्राविधिक बजट को विभिन्न मदों में पुनर्विनियोजित करने का प्रस्ताव प्रमुख रहे। इसके साथ ही प्रत्येक संभाग के जिलों को 50 लाख और अन्य जिलों को 25 लाख अनटाइड फंड उपलब्ध कराने के विषय पर भी विचार-विमर्श किया गया और निर्णय हुए।

हर वर्ष आयोजित होगा मसाला कॉन्क्लेव : शर्मा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर,। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राजस्थान मसालों के उत्पादन और व्यापार का प्रमुख केंद्र होने के साथ हीमसालों की समृद्ध परंपरा के लिए विश्व विख्यात है।उन्होंने कहा कि राज्य में मसाला कॉनक्लेव का आयोजन हमारे मसाला उद्योग को नई दिशा व गति प्रदान करेगा। शर्मा ने कार्यक्रम में घोषणा करते हुए कहा कि प्रदेश मेंअब हर वर्ष मसाला कॉन्क्लेव आयोजित किया जाएगा। साथ ही, इस संबंध में समिति का गठन भी किया जाएगा जिससे राज्य के मसाला उत्पादकों एवं व्यापारियों को नई संभावनाओं और नए अवसरों का सृजन करने के लिए एक वैश्विक मंच मिल सके।

शर्मा सोमवार को जयपुर के बिड़ला सभागार में आयोजित राजस्थान मसाला कॉन्क्लेव-2025 में उपस्थित जनसमूह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि राज्य में मसाला प्रसंस्करण उद्योग की अपार संभावनाएं है। राजस्थान जीरा उत्पादन में देश में पहले, मैथी एवं सौंफ उत्पादन में दूसरे और धनिया एवं अजवाइन उत्पादन में तीसरे

स्थान पर है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के वोकल फोर लोकल की अवधारणा मसाला उद्योग के लिए बहुत महत्वपूर्ण है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र एवं राज्य की डबल इंजन सरकार विपणन व्यवस्था को मजबूत बनाने और कृषि उत्पादों के प्रसंस्करण से किसानों की आय दोगुनी करने हेतु विभिन्न योजनाएं संचालित कर रही हैं। श्री शर्मा ने कहा कि प्रधानमंत्री के नेतृत्व में केंद्र सरकार द्वारा कॉमन इन्क्यूबेशन सेंटर बनाए जा रहे हैं। राजस्थान में भी इस योजना के तहत आठ इन्क्यूबेशन सेंटर स्थापित किए जा रहे हैं। इन इन्क्यूबेंशन सेंटर में कृषि उपज की जांच, छंटाई, ग्रेडिंग, गोदाम, कोल्ड स्टोरेज और ओडीओपी उपज के लिए प्रसंस्करण सुविधा मिल सकेगी, जिससे वे अपने प्रसंस्कृत उत्पादों को उचित मूल्य पर बाजार में बेच पाएंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार द्वारा किसानों के कल्याण एवं समृद्धि के लिए कई नीतियां लाई गई हैं। कृषि प्रसंस्करण, कृषि व्यवसाय एवं कृषि निर्यात प्रोत्साहन नीति के तहत राज्य में 1 हजार 497 कृषि आधारित औद्योगिक इकाइयों को लगभग 630 करोड़ रुपये का अनुदान दिया गया है। साथ ही, कृषि आधारित उद्योगों एवं प्रसंस्करण इकाइयों में राज्य में करीब 3 हजार 504 करोड़ रुपये का निवेश हुआ है। उन्होंने कहा कि राइजिंग राजस्थान समिट से कृषि प्रसंस्करण के क्षेत्र में राज्य में करीब 44 हजार करोड़ रुपये का निवेश होना प्रस्तावित हैं। उन्होंने कहा कि राज्य में कृषि प्रसंस्करण एवं आधुनिक तकनीक को बढ़ावा देने और निवेशकों के प्रोत्साहन हेतु अगले साल की शुरुआत में ग्लोबल राजस्थान एग्रीटेक मीट का आयोजन किया जाएगा।

शर्मा ने कहा कि हमारी डबल इंजन सरकार ने कृषि उत्पादन को बढ़ावा देने और किसानों को उनकी उपज का उचित मूल्य दिलाने के लिए कई कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि राज्य के मसालों को विशिष्ट वैश्विक पहचान दिलाने के लिए प्रमुख मसालों एवं अन्य कृषि उत्पादों को जीआई टैग दिलवाया जा रहा है। जीआई टैग मिलने से उत्पादकों और प्रसंस्करणकर्ताओं को मूल्य संवर्धन का लाभ मिल सकेगा। उन्होंने कहा कि एफपीओ को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए राज्य की एफपीओ पॉलिसी भी तैयार की जा रही है। साथ ही,अब तक राज्य में 913 कृषक उत्पादक संगठनों का पंजीकरण किया जा चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के प्रसंस्करणकर्ताओं को एक ही स्थान पर प्रसंस्करण सें संबंधित सुविधाएं उपलब्ध करवाने के लिए राज्य के विभिन्न जिलों के 39 स्थानों पर फूड पार्क स्थापित किए जा रहे हैं। साथ ही, मंडी यार्ड में विकास कार्य और किसानों को मंडी यार्डों तक अपनी उपज लाने की सुविधा के लिए संपर्क सड़कों का निर्माण भी करवाया जा रहा है।

दिवाली-छठ पर बिहार के लिए चलेंगी 12000 से अधिक विशेष ट्रेनें : सम्राट चौधरी

पटना/भाषा। बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को कहा कि केंद्र की नरेन्द्र मोदी सरकार ने दिवाली और छठ पर्व के अवसर पर बिहार के लिए 12000 से अधिक विशेष ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है।

उपमुख्यमंत्री ने 'एक्स' लिखा कि इस वर्ष विशेष ट्रेन की कुल संख्या 12739 होगी, जबकि 2024 में यह संख्या 7500 से अधिक थी। उन्होंने कहा कि इनमें से 8591 ट्रेन की अधिसूचना पहले ही जारी हो चुकी है। भाजपा विधानमंडल दल के नेता चौधरी ने इस फैसले को ऐतिहासिक कदम बताते हुए कहा कि यह बिहार के उन लाखों लोगों को सुविधा पहुंचाने की मोदी सरकार की प्रतिबद्धता का प्रमाण है, जो त्योहारों के दौरान अपने घर लौटना चाहते हैं। चौधरी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव को बिहार के प्रति इस विशेष स्नेह के लिए धन्यवाद दिया। साथ ही उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के सक्षम नेतृत्व की प्रशंसा भी की।

सीईसी और निर्वाचन आयोग को इतिहास कभी माफ नहीं करेगा: कांग्रेस

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस ने बिहार में मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के संबंध में उच्चतम न्यायालय के आदेश के बाद सोमवार को कहा कि निर्वाचन आयोग को शर्मिंदा करने की जरूरत है क्योंकि उसने आधार को पहचान के प्रमाण के रूप में स्वीकार करने के शीर्ष अदालत के पहले के निर्देश का निर्लज्जता के साथ उल्लंघन किया।

पार्टी महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि मुख्य निर्वाचन आयुक्त (सीईसी) और आयोग को इतिहास कभी माफ नहीं करेगा। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को निर्वाचन आयोग को निर्देश दिया कि वह चुनावी राज्य बिहार में एसआईआर में मतदाता की पहचान सुनिश्चित करने के लिए 'आधार' को 12वें निर्धारित दस्तावेज के रूप में शामिल करे। फिलहाल, बिहार में एसआईआर के लिए 11 निर्धारित दस्तावेज हैं जिन्हें मतदाताओं को अपने प्रपत्रों के साथ जमा करना होगा। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्या बागची की पीठ ने स्पष्ट किया कि 'आधार' नागरिकता का प्रमाण नहीं होगा और आयोग मतदाता सूची में नाम शामिल करने के लिए मतदाता द्वारा प्रस्तुत आधार कार्ड संख्या की वास्तविकता का पता लगा सकता है।

शराब न मिलने पर होमगार्ड ने ठेके में लगाई आग, गिरफ्तार

मेरठ (उप्र)/भाषा। मेरठ जिले में शराब न मिलने पर अंग्रेजी शराब के ठेके में कथित रूप से आग लगाने को लेकर एक होमगार्ड को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने सोमवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार घटना शनिवार देर रात दौराला थाना क्षेत्र में हुई। आरोपी होमगार्ड की पहचान कपिल के रूप में हुई है, जो पुलिस के 'डायल-112' पर तैनात था। आरोप है कि उसने शराब उधार न मिलने पर गुस्से में ठेके में आग लगा दी।

सीसीटीवी फुटेज में आरोपी खाकी रंग की पैंट और काली बनियान पहने, सिर पर गमछा बांधे ठेके पर पहुंचता दिखाई दे रहा है। वीडियो में नजर आ रहा है कि वह बोतल से पेट्रोल निकालकर दुकान के बाहर छिड़कता है और माचिस जलाकर आग लगा देता है। इसके बाद वह अपनी मोटरसाइकिल से भाग जाता है। उसी दौरान वहां मौजूद एक साइकिल सवार भी बाद में चला गया। सूचना मिलने पर स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और आग पर काबू पाया, जिससे बड़ा हादसा टल गया। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि आरोपी ने पहले विक्रेता से शराब मांगी थी और मना किये जाने पर उसने यह कदम उठाया। ठेके के 'सेल्समैन (विक्रयकर्मी)' की शिकायत पर मुकदमा दर्ज कर आरोपी को गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधीक्षक नगर आयुष विक्रम सिंह ने बताया कि पूछताछ में कपिल ने अपना जुर्म स्वीकार कर लिया है।

शरत के संन्यास के बावजूद भारतीय टेबल टेनिस का भविष्य उज्ज्वल: राष्ट्रीय कोच गुप्ता

नई दिल्ली/भाषा। द्रोणाचार्य पुरस्कार विजेता राष्ट्रीय कोच संदीप गुप्ता ने सोमवार को कहा कि दिग्गज खिलाड़ी शरत कमल के हाल ही में संन्यास लेने के बावजूद प्रतिभाशाली खिलाड़ियों का अच्छा पूल होने के कारण भारतीय टेबल टेनिस का भविष्य उज्ज्वल नजर आता है। गुप्ता फिलहाल राष्ट्रीय रैंकिंग टेबल टेनिस चैंपियनशिप में व्यस्त हैं, जो 13 वर्षों के लंबे अंतराल के बाद दिल्ली में आयोजित की जा रही है। स्टार खिलाड़ी मनिका बत्रा के बचपन के कोच गुप्ता ने कहा कि इस टूर्नामेंट में लगभग 3000 प्रतिभागियों का शामिल होना, पूरे भारत में इस खेल के प्रति बढ़ती रुचि को दर्शाता है। गुप्ता ने पीटीआई से कहा, ''भारत का टेबल टेनिस में भविष्य बहुत उज्ज्वल है। शरत ने जो स्तर तय किया था, वह बहुत ऊंचा था। उसके बाद, प्रतिभाओं की कमी हो गई।'' उन्होंने कहा, ''लेकिन अब हमारे शीर्ष खिलाड़ी मानुष, मानव, साथियान, हरमीत और अंकुर भट्टाचार्य लगातार अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं और भारतीय टेबल टेनिस को बखूबी आगे बढ़ा रहे हैं।''

प्रदर्शन का विश्लेषण करना और गलतियों से सीखना महत्वपूर्ण रहा: हरमनप्रीत

राजगीर (बिहार)/भाषा। भारतीय पुरुष हॉकी टीम के कप्तान हरमनप्रीत सिंह ने कहा कि हर मैच के बाद उसका तुरंत विश्लेषण करने और गलतियों से सीख लेने के कारण उनकी टीम एशिया कप में आठ साल के खिताबी सूखे को खत्म करने में सफल रही। भारत ने रविवार को फाइनल में दक्षिण कोरिया को 4-1 से हराकर एशियाई चैंपियन बनने के साथ अगले साल होने वाले विश्व कप के लिए भी क्वालीफाई किया।

हरमनप्रीत ने कहा, ''हम इसके लिए काफी समय से तैयारी कर रहे थे और आज हमने इसे हासिल कर लिया। मैं बहुत खुश हूं। अब हमारा अगला लक्ष्य विश्व कप है।'' उन्होंने कहा, ''हम हर मैच से सीखते हैं। मैं हमेशा कहता रहा हूं कि प्रत्येक मैच में कुछ अच्छा और कुछ बुरा होता है। मायने यह रखता है कि आप उन चीज़ों का विश्लेषण कैसे करते हैं और कितनी जल्दी उस पर काम करते हैं। एक टीम के तौर पर हमने अच्छा बचाव किया है और स्कोरिंग भी शानदार रही है।'' भारत ने एफआईएच प्रो लीग के यूरोपीय चरण में निराशाजनक प्रदर्शन किया था, जिसमें उसे लगातार सात हार का सामना करना पड़ा था। तब उसने आठ मैचों में 26 गोल खाए थे। लेकिन एशिया कप में भारत ने सात मैचों में केवल नौ गोल खाए और 39 गोल किए।

राष्ट्रीय प्रतीक चिह्न और बिहार का अपमान करने वालों पर हो कड़ी कार्रवाई : सम्राट चौधरी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के वरिष्ठ नेता एवं बिहार के उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने सोमवार को कहा कि राष्ट्रीय प्रतीक और बिहार का अपमान किसी भी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

चौधरी ने कश्मीर में राष्ट्रीय प्रतीक अशोक स्तंभ का अपमान करने वालों पर कड़ी कार्रवाई की मांग की। उन्होंने अशोक स्तंभ को बिहार की अस्मिता से जोड़ते हुए कहा कि सम्राट अशोक बिहार के गौरव थे। चौधरी ने सोमवार को अपने सरकारी आवास पर पत्रकारों से बातचीत में राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस पर निशाना साधा और कहा कि इस मुद्दे पर महागठबंधन के दलों को अपना रुख स्पष्ट करना चाहिए। उन्होंने कहा बिहार के गौरवशाली इतिहास के अपमान के मुद्दे को लालू प्रसाद और उनके परिवार द्वारा हल्के में लेना बिहार का अपमान है। उन्होंने 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान एक मंच से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की मां के लिए कथित तौर पर अपशब्द कहे जाने और केरल कांग्रेस द्वारा बिहार को कथित तौर पर बीड़ी से जोड़े जाने का उल्लेख करते हुए कहा कि 'इंडिया' गठबंधन जानबूझ कर बिहार और बिहारियों का अपमान कर रहा है। सम्राट चौधरी ने कहा कि भारत की सभ्यता, संस्कृति और प्रतीक का विरोध करने वालों पर देशद्रोह कानून के तहत कारवाई होनी चाहिए। चौधरी ने लालू परिवार पर निशाना साधते हुए कहा कि ''सामाजिक न्याय तो राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) करता है, राजद प्रमुख लालू प्रसाद और उनका परिवार अराजकता, गुंडागर्दी और भ्रष्टाचार का प्रतीक है।'' जगदेव प्रसाद के हत्यारों के खिलाफ कारवाई करने संबंधी राजद नेता तेजस्वी यादव के बयान को लेकर पूछे गए एक सवाल पर चौधरी ने आरोप लगाते हुए कहा, ''जगदेव बाबू की हत्या करवाने वाली कांग्रेस के साथ मिलकर उनके पिता लालू प्रसाद 15 साल तक सरकार चलाये और वह खुद पिछले 10 सालों से कांग्रेस के साथ गलबहियां कर रहे हैं।'' चौधरी ने मुख्यमंत्री पद के लिए राजग के उम्मीदवार को लेकर जारी अटकलों को भी खारिज किया और दोहराया कि जनता दल (यूनाइटेड) अध्यक्ष नीतीश कुमार ही गठबंधन का चेहरा रहेंगे। उन्होंने कहा, ''भाजपा और जद(यू) का गठबंधन स्वाभाविक गठबंधन है। वह (कुमार) राजग के मुख्यमंत्री पद का चेहरा हैं और विधानसभा चुनाव के बाद भी रहेंगे। विपक्ष के नेता जो चाहें, वह कहें।'' सम्राट चौधरी ने उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश एवं उपराष्ट्रपति पद के लिए 'इंडिया' गठबंधन के उम्मीदवार बी. सुदर्शन रेड्डी की राजद प्रमुख लालू प्रसाद से मुलाकात की कड़ी आलोचना की।

असुरक्षा और अवसर की कमी रोक रही है बिहार की बेटियों की राह : राहुल

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने सोमवार को दावा किया कि बिहार की बेटियां प्रतिभावान हैं, लेकिन असुरक्षा, असुविधा और अवसर की कमी उनकी राह रोक रही है। उन्होंने बिहार में निकाली गई 'वोटर अधिकार यात्रा' के दौरान कुछ छात्राओं से मुलाकात का एक वीडियो सोमवार को अपने यूट्यूब चैनल पर साझा किया।

राहुल गांधी ने अपने यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो पोस्ट किया और कहा, ''वोटर अधिकार यात्रा के दौरान मुझे बिहार की उन बेटियों से मिलने का अवसर मिला, जो पहली बार वोट डालने जा रही हैं। बातचीत में एक बात बिल्कुल साफ़ दिखी कि बिहार की बेटियां प्रतिभा से भरी हैं, उनके इरादे बुलंद हैं और सपने बड़े। लेकिन असुरक्षा, असुविधा और अवसर की कमी उनकी राह रोक देती है।'' उन्होंने दावा किया, ''स्कूल और कॉलेज दूर हैं। बस और ट्रेन में छेड़छाड़ आम है। रास्तों में अंधेरा और असुरक्षा है। सरकारी शिक्षा और स्वास्थ्य व्यवस्था जर्जर हालत में है। अंधाधुंध निजीकरण ने ग़रीब और आम परिवारों की बेटियों को और पीछे धकेल दिया है।'' कांग्रेस नेता ने कहा, '' इन हालात से जूझकर भी जब वे अपने हक़ के लिए आवाज़ उठाती हैं, तो उन्हें ताना सुनना पड़ता है कि तुम बहुत बड़ी नेता हो क्या? लेकिन यही सच्चाई है।'' उन्होंने कहा कि बिहार की बेटियां बदलाव की सबसे बड़ी ताक़त हैं और उनकी आवाज़ दबाई नहीं जा सकती।

कुंठित कांग्रेसियों के अनर्गल प्रलापों से परेशान है पूरा देश : केशव प्रसाद मौर्य

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए कहा कि कुंठित कांग्रेसियों के अनर्गल प्रलापों से पूरा देश परेशान है। मौर्य ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से राहुल गांधी ख़ासे परेशान हैं। उन्होंने लिखा,और इन गांधी की हरकतों से अंदर से कांग्रेसी परेशान हैं । लंबे समय से सत्ता से बेदखल होने के कारण इन कुंठित कांग्रेसियों के अनर्गल प्रलापों से पूरा देश परेशान है।

सपा शासनकाल में हुई कई सरकारी भर्तियों को जांच के लिए सीबीआई को सौंपा : योगी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

लखनऊ/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने समाजवादी पार्टी (सपा) की पिछली सरकार के शासनकाल के दौरान हुई सरकारी भर्तियों पर सवाल उठाते हुए कहा कि गड़बड़ियों की वजह से उनकी सरकार ने बहुत सारी भर्तियों की जांच केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) को सौंप दी थी।

मुख्यमंत्री आदित्यनाथ ने उत्तर प्रदेश अधीनस्थ सेवा चयन आयोग द्वारा चयनित 1112 कनिष्ठ सहायक और 22 एक्सरे तकनीशियन के नियुक्ति पत्र वितरण कार्यक्रम को सम्बोधित करते हुए राज्य की पूर्ववर्ती सपा सरकार पर भर्तियों में धांधली किये जाने का आरोप लगाया और कहा, ''किस प्रकार की भर्तियां होती थीं। हमें बहुत सारी भर्तियों की जांच उस समय सीबीआई को देनी पड़ी थी।'' उन्होंने स्वास्थ्य विभाग में वर्ष 2016 से एक व्यक्ति के नियुक्ति पत्र पर कई जिलों में छह अलग-अलग लोगों द्वारा नौकरी किये जाने के एक प्रकरण का उल्लेख करते हुए कहा, ''आपने देखा होगा कि एक व्यक्ति आठ-आठ जगह पर नाम लिखाकर पैसा लिये जा रहा था। वो तो जब जांच में सामने आया तब पता लगा।''

आदित्यनाथ ने किसी का नाम लिये बगैर कहा, ''ये कौन लोग हैं...ये वो ही लोग हैं जिनसे एक परिवार के लोग पैसा लेकर ये भर्ती करते थे और उत्तर प्रदेश की जनता को इस प्रकार से लूटते थे। वह भर्ती 2016 की है। अभी वह जांच चल रही है। वह जांच समय पर हो जाएगी तो ऐसे महाभारत के रिश्ते सामने आयेंगे। अब वे बाकी का जीवन जेल में ही बिताने पर मजबूर होंगे।'' उन्होंने कहा, ''ऐसा इसलिये क्योंकि उनके कारनामे ही ऐसे थे जिन्होंने उत्तर प्रदेश को विकास के पथ पर ले जाने के बजाय उससे लगातार दूर ही रखा।

ग्रेट निकोबार परियोजना राष्ट्रीय मूल्यों के साथ विश्वासघात, इसके खिलाफ आवाज उठानी होगी: सोनिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस संसदीय दल की प्रमुख सोनिया गांधी ने सोमवार को कहा कि ग्रेट निकोबार परियोजना एक ''सुनियोजित दुस्साहस, न्याय का उपहास और राष्ट्रीय मूल्यों के साथ विश्वासघात'' है, जिसके खिलाफ आवाज उठाई जानी चाहिए। सोनिया गांधी ने अंग्रेजी दैनिक ''द हिंदू'' के लिए लिखे एक लेख में यह भी कहा कि जब कुछ जनजातियों का अस्तित्व ही दांव पर हो, तो देश की सामूहिक अंतरात्मा चुप नहीं रह सकती और एक अत्यंत विशिष्ट पारिस्थितिकी तंत्र का इतने बड़े पैमाने पर विनाश नहीं होने दिया जा सकता। लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी, कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने यह लेख सोशल मीडिया मंचों पर साझा किया और इस परियोजना को लेकर सवाल उठाए।

राहुल गांधी ने कहा कि इस लेख के जरिये सोनिया गांधी ने इस परियोजना के माध्यम से निकोबार के लोगों तथा वहां की पारिस्थितिकी तंत्र के साथ किए जा रहे अन्याय को उजागर किया है। सोनिया गांधी ने लेख में कहा, पिछले 11 वर्षों में अधूरी और गलत नीतियां बनाई गई हैं। इस सुनियोजित दुस्साहस की श्रृंखला में नवीनतम है 'ग्रेट निकोबार मेगा-इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजना'। 72,000 करोड़ रुपए का यह पूरी तरह से गलत खर्च द्वीप के मूल आदिवासी समुदायों के अस्तित्व के लिए खतरा पैदा करता है, यह दुनिया के सबसे अनोखे वनस्पतियों और जीव-जंतुओं के पारिस्थितिकी तंत्रों में से एक के लिए खतरा है और प्राकृतिक आपदाओं के प्रति अत्यधिक संवेदनशील है। इसके बावजूद इसे असंवेदनशीलता के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है, जिससे सभी कानूनी और सुविचारित प्रक्रियाओं का मज़ाक उड़ाया जा रहा है। सोनिया गांधी ने आरोप लगाया कि इस परियोजना के माध्यम से आदिवासियों को उजाड़ा जा रहा है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा, '' ग्रेट निकोबार द्वीप दो मूल समुदायों, निकोबारी जनजाति और शोम्पेन जनजाति (एक विशेष रूप से कमजोर आदिवासी समूह) का घर है। निकोबारी आदिवासियों के पैतृक गांव परियोजना के प्रस्तावित भू-क्षेत्र में आते हैं। 2004 में हिंद महासागर में आई सुनामी के दौरान निकोबारी लोगों को अपने गांव छोड़ने के लिए मजबूर होना पड़ा था। सोनिया गांधी के अनुसार, यह परियोजना अब इस समुदाय को स्थायी रूप से विस्थापित कर देगी जिससे उनके अपने पैतृक गांवों में लौटने का सपना टूट जाएगा। उनका दावा है कि शोम्पेन समुदाय को और भी बड़े खतरे का सामना करना पड़ रहा है। शोम्पेन समुदाय को एक और भी बड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। द्वीप की शोम्पेन नीति, जिसे केंद्रीय जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा अधिसूचित किया गया है, विशेष रूप से अधिकारियों से यह अपेक्षा करती है कि वे 'बड़े पैमाने पर विकास प्रस्तावों' पर विचार करते समय इस जनजाति की भलाई और 'अखंडता' को प्राथमिकता दें।'' उन्होंने कहा कि इसके बजाय यह परियोजना शोम्पेन जनजातीय अभयारण्य के एक बड़े हिस्से को अधिसूचित नहीं करती, यह शोम्पेन के निवास वाले वन पारिस्थितिकी तंत्र को नष्ट करती है और यह द्वीप पर बड़े पैमाने पर लोगों और पर्यटकों की आमद का कारण बनेगी। उन्होंने कहा, अंततः शोम्पेन खुद को अपनी पैतृक भूमि से कटा हुआ पाएंगे और अपने सामाजिक और आर्थिक अस्तित्व को बनाए रखने में असमर्थ पाएंगे। फिर भी, सरकार हठधर्मिता और हैरान करने वाली जिद पर अड़ी हुई है। उन्होंने आरोप लगाया कि स्थानीय समुदायों की सुरक्षा के लिए स्थापित उचित प्रक्रिया और नियामक सुरक्षा उपायों की अवहेलना की गई है। सोनिया गांधी ने कहा, भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास और पुनर्स्थापन में उचित मुआवज़ा और पारदर्शिता का अधिकार अधिनियम, 2013 के अनुसार किए गए सामाजिक प्रभाव मूल्यांकन में निकोबारी और शोम्पेन को इस प्रक्रिया के हितधारक के रूप में माना जाना चाहिए था और उन पर परियोजना के प्रभाव का मूल्यांकन किया जाना चाहिए था। इसके बजाय, इसमें उनका कोई भी उल्लेख नहीं है।

त्रिपुरा ने 100 दिवसीय कैंसर जांच अभियान शुरू किया

अगरतला/भाषा। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन (एनएचएम) ने त्रिपुरा में 100 दिवसीय विशेष जांच कार्यक्रम शुरू किया है, ताकि राज्य भर में कैंसर की पहचान प्रारंभिक चरण में हो सके। एक आधिकारिक विज्ञप्ति के माध्यम से सोमवार को यह जानकारी दी गई। यह अभियान अंडाशय, स्तन और मुख के कैंसर की पहचान पर केंद्रित होगा, क्योंकि इन प्रकार के कैंसर की व्यापकता देश और राज्य दोनों में अपेक्षाकृत अधिक है।

बयान में कहा गया है कि प्रज्ञा भवन में दो सितंबर को प्रशिक्षकों का एक विशेष प्रशिक्षण (टीओटी) कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में 'जॉन्स हॉपकिन्स प्रोग्राम फॉर इंटरनेशनल एजुकेशन इन गायनेकोलॉजी एंड ऑब्सटेट्रिक्स' (जेएचपीईजीओ) नामक एक गैर सरकारी संगठन के विशेषज्ञ, प्रशिक्षक और प्रतिनिधि मौजूद रहे। प्रशिक्षण कार्यक्रम के दौरान क्षमता निर्माण पर विशेष जोर दिया गया। इस पहल के तहत चिकित्सकों, नर्सिंग अधिकारियों, सामुदायिक स्वास्थ्य अधिकारियों, एएनएम और आशा कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण दिया जाएगा।

विज्ञप्ति में कहा गया है, टीओटी का उद्देश्य कुशल मास्टर प्रशिक्षकों का एक समूह उपलब्ध कराना है, जो उप-केन्द्रों और प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों में कार्यरत स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षण प्रदान करेंगे। इसमें कहा गया है कि ये मास्टर प्रशिक्षक जिला स्तर की आशा कार्यकर्ताओं को कैंसर की जांच और पहचान का प्रशिक्षण भी देंगे।

रेड्डी का देश की आत्मा बचाने की बात करना और लालू यादव से मिलना पाखंड की पराकाष्ठा है : भाजपा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने विपक्ष के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार बी सुदर्शन रेड्डी के अपने चुनाव प्रचार अभियान के दौरान राजद अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव से मुलाकात करने के लिए आलोचना की और दावा किया कि भ्रष्टाचार के मामलों में दोषी ठहराए गए नेता से संपर्क करने से उनका पाखंड उजागर हो गया है।

भाजपा नेता रविशंकर प्रसाद ने संवाददाताओं से कहा कि यह पाखंड की पराकाष्ठा है। उन्होंने उच्चतम न्यायालय के पूर्व न्यायाधीश रेड्डी पर कटाक्ष करते हुए कहा कि वह भारत की आत्मा को बचाने के लिए वोट मांग रहे हैं और बड़ी-बड़ी बातें कर रहे हैं।

प्रसाद ने कहा कि रेड्डी भारत की आत्मा को बचाने की बात करते हैं और वह ऐसे व्यक्ति से मिल रहे हैं, जो न केवल चारा घोटाले में दोषी हैं, बल्कि उन पर रिश्वत लेकर रेलवे में नौकरी देने सहित भ्रष्टाचार के अन्य आरोप भी हैं। उन्होंने कहा, ''आप उच्चतम न्यायालय के कैसे पूर्व न्यायाधीश हैं? लालू प्रसाद यादव तो चुनाव में मतदाता भी नहीं हैं। कृपया आत्मा बचाने की बात न करें... यह पाखंड की पराकाष्ठा है। हम उनके आचरण की निंदा करते हैं।'' पूर्व कानून मंत्री ने उन सेवानिवृत्त न्यायाधीशों की भी आलोचना की, जिन्होंने गृह मंत्री अमित शाह की ओर से विपक्ष के उपराष्ट्रपति पद के उम्मीदवार की आलोचना के दौरान उनका बचाव किया था। शाह ने सलवा जुडूम पर फैसले को लेकर रेड्डी की आलोचना की थी। भाजपा का कहना है कि इससे नक्सलियों के प्रति उनकी सहानुभूति प्रदर्शित होती है।

प्रसाद ने उनकी ''चुप्पी'' पर सवाल उठाते हुए आरोप लगाया कि रेड्डी ने यादव से मुलाकात करके एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश से अपेक्षित गरिमा से नीचे का काम किया है। अपने संवाददाता सम्मेलन में भाजपा नेता ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की भी आलोचना की और उन्हें लापरवाह नेता करार दिया। प्रसाद ने कहा कि राहुल गांधी कथित तौर पर निजी विदेश यात्रा पर हैं, जबकि उन्हें कर्नाटक और पंजाब जैसे बाढ़ प्रभावित राज्यों का दौरा करना चाहिए था। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी सोच रहे होंगे कि थोड़ा काम कर लिया है अब कुछ आराम कर लूं।

प्रसाद ने कहा, '' राहुल गांधी, मैं आपको याद दिला दूं कि सार्वजनिक जीवन में कोई ब्रेक नहीं होता। अगर आप नेता हैं, तो आपको जनता के हितों के लिए उपलब्ध रहना होगा।'' उन्होंने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे पर भी निशाना साधा।

जब दांव सही पड़ा: भारत को एशिया कप में बदलाव का साहस दिखाने से मिली सफलता

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

राजगीर (बिहार)/भाषा। भारतीय हॉकी टीम के लिए कुछ अनुभवी खिलाड़ियों को हटाकर युवा खिलाड़ियों को मौका देने का दांव एशिया कप में सही साबित हुआ जिसके फाइनल में टीम ने दक्षिण कोरिया को 4-1 के बड़े अंतर से हराकर आठ साल बाद इस खिताब जीतने के साथ अगले साल होने वाले विश्व कप का टिकट पक्का किया।

यह जीत टीम को भविष्य में और बदलाव कर युवाओं को अधिक मौके देने के लिए प्रेरित करेगी। पेरिस ओलंपिक में कांस्य पदक जीतने वाली टीम के तीन खिलाड़ियों, शमशेर सिंह, गुरजंत सिंह और नीलकंठ शर्मा को की जगह मिडफील्डर राजिंदर सिंह और स्ट्राइकर शिलानंद लकड़ा को टीम में शामिल किया गया था।

यह कदम एक मास्टरस्ट्रोक साबित हुआ क्योंकि दोनों युवा खिलाड़ियों ने सिर्फ एक-एक गोल करने के बावजूद हाल ही में खत्म हुए टूर्नामेंट में काफी प्रभावित किया। भारत की कोर टीम में भविष्य में कुछ और बदलाव देखने को मिल सकते हैं। खासकर 28 नवंबर से 10 दिसंबर तक चेन्नई और मदुरै में होने वाले एफआईएच जूनियर विश्व कप के बाद। अगले साल बेल्जियम और नीदरलैंड में 14 से 30 अगस्त तक होने वाले विश्व कप और जापान में 19 सितंबर से शुरू होने वाले एशियाई खेलों को देखते हुए भारत जूनियर विश्व कप के बाद कुछ होनहार जूनियर खिलाड़ियों को सीनियर स्तर पर आजमा सकता है।

हॉकी इंडिया की चयन समिति के अध्यक्ष आरपी सिंह ने पहले ही यह साफ कर दिया है कि खराब प्रदर्शन करने वाले कुछ सीनियर खिलाड़ियों को धीरे-धीरे टीम से बाहर किया जाएगा। उन्होंने कहा, ''हमें अपनी टीम बनाते समय उभरते खिलाड़ियों पर भी ध्यान देना होगा। अगर हम एक साथ छह-सात सीनियर खिलाड़ियों को टीम से बाहर कर देंगे तो यह कारगर नहीं होगा। चयन समिति की जिम्मेदारी है कि वह सुनिश्चित करें कि जो सीनियर खिलाड़ी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर रहे हैं, उन्हें धीरे-धीरे टीम से बाहर किया जाए।''

उन्होंने कहा, ''पेरिस ओलंपिक के बाद काफी समय बीत चुका है। हमने यह योजना बहुत पहले ही बना ली थी। अगर हम युवाओं को छोटे टूर्नामेंट में मौका नहीं देंगे, तो हम उन्हें सीधे विश्व कप में नहीं खिला सकते।'' भारत का अक्टूबर से दिसंबर तक का कार्यक्रम काफी व्यस्त है, जिसके दौरान दक्षिण अफ्रीका के टेस्ट दौरे के अलावा मलेशिया में सुल्तान अजलान शाह कप में हिस्सा लेना है। मुख्य कोच क्रेग फुल्टन इन टूर्नामेंटों में कुछ जूनियर खिलाड़ियों को आजमा सकते हैं।

एफआईएच प्रो लीग के यूरोपीय चरण में निराशाजनक प्रदर्शन के बाद एशिया कप का खिताब हरमनप्रीत सिंह की कप्तानी वाली टीम के लिए एक राहत की तरह आया। टीम ने धीमी शुरुआत से उबरते हुए इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता में अपना दबदबा कायम किया और चौथी बार खिताब जीता। उन्होंने पिछली बार 2017 में ढाका में ट्रॉफी जीती थी। टीम इससे पहले 2003 में कुआलालंपुर और 2007 में चेन्नई में एशिया कप चैंपियन बनी थी।

भारत ने भले ही अच्छा प्रदर्शन किया हो लेकिन टूर्नामेंट में उसकी शुरुआत उतनी अच्छी नहीं रही। मेजबान टीम को पूल चरण में चीन और कोरिया पर क्रमश: 4-3 और 3-2 से जीत हासिल करने के लिए कड़ी मेहनत करनी पड़ी। कमजोर कजाखिस्तान को 15-0 से हराने के बाद उनके अभियान ने गति पकड़ी।

सुविचार

आत्मविश्वास वह शक्ति है जो आपको असंभव को संभव बना सकती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

सुलगता नेपाल: संयोग या प्रयोग?

नेपाल सुलग उठा। युवाओं का आक्रोश भड़क उठा। बांग्लादेश के बाद हमारे एक और पड़ोसी देश में 'जनता' का सड़कों पर उतर कर तोड़फोड़ मचाना कोई संयोग है या प्रयोग है? नेपाल में ऐसा क्या हुआ कि हजारों युवा इतने भड़क गए और उन्होंने संसद भवन में घुसकर हुड़दंग मचाया? हाल में जब नेपाल सरकार ने फेसबुक, इंस्टाग्राम, यूट्यूब, वॉट्सऐप, एक्स और लिंक्डइन जैसे सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स पर प्रतिबंध लगाया तो यह कदम एक ओर जहां युवाओं को अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमला लगा, वहीं इससे कई परिवारों की आमदनी को भी चोट पहुंची। नेपाल में पर्यटन एक बड़ा उद्योग है। इसके अलावा भी कई कारोबार सोशल मीडिया के जरिए चल रहे थे। अगर अचानक सभी बड़े प्लेटफॉर्म्स पर पाबंदी लगा दी जाएगी तो लोग इसे दमनकारी फैसला समझेंगे। प्रधानमंत्री केपी शर्मा ओली ने सत्ता में आने के बाद जो फैसले लिए, वे नेपाल के हालात को बेहतर बनाने में नाकाफी ही साबित हुए। वे कथित सीमा विवाद को लेकर भारत के साथ टकराव के मौके ढूंढ़ते रहे। ऐसे भी आरोप हैं कि उन्होंने शासन में चीनी घुसपैठ पर चुप्पी साध रखी है। नेपाल के लोगों का स्वाभाविक जुड़ाव भारत के साथ है। उन्हें आशंका है कि ओली उनसे चीन की तर्ज पर अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता छीनना चाहते हैं। प्रदर्शनकारी युवाओं के इस आरोप को पूरी तरह खारिज नहीं किया जा सकता कि ओली के आने के बाद नेपाल में भ्रष्टाचार, लालफीताशाही, सरकारी तंत्र की मनमानी में बढ़ोतरी हुई है। हाल में नेपाली नेताओं की संतानों के ऐसे वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुए थे, जिनमें वे 'ऐश' करते नजर आ रहे थे। वहीं, आम नेपाली अपनी रोजमर्रा की जरूरतों के लिए संघर्ष कर रहा है।

नेपाल में सोशल मीडिया पर प्रतिबंध लगाने का सरकार का फैसला उक्त आक्रोश के पीछे अकेली वजह नहीं है। हालांकि, सरकार चाहती तो अपने फैसले को न्यायसंगत बनाकर टकराव को टाल सकती थी। इसके बजाय उसने यह तर्क देकर इन प्लेटफॉर्म्स पर ताला लगा दिया कि इनके जरिए फर्जी खबरें फैल रही हैं और साइबर अपराधों को बढ़ावा मिल रहा है। क्या अफवाहों और अपराधों को रोकने का यह एकमात्र तरीका है कि सोशल मीडिया बंद कर दें? फिर तो सड़क हादसे रोकने के लिए वाहनों पर भी प्रतिबंध लगा देना चाहिए! नेपाल सरकार को चाहिए था कि वह झूठ का प्रसार करने वाले अकाउंटस पर प्रतिबंध लगाती, साइबर अपराधियों को सख्त सज़ाएं देना सुनिश्चित करती। उसने इसके बजाय 'न रहेगा बांस, न बजेगी बांसुरी' वाली कहावत को कुछ ज्यादा ही गंभीरता से ले लिया था। नेपाल में सत्तारूढ़ वर्ग को लेकर खासी निराशा है। राजनीतिक कलह, अदूरदर्शिता, महंगाई, बेरोजगारी, धर्मांतरण जैसे कई मुद्दे हैं, जिन पर सरकार न तो कोई पुख्ता कदम उठा सकी और न ही कोई ठोस आश्वासन दे पाई। बिगड़ते हालात को देखकर लोग वापस हिंदू राष्ट्र की मांग करने लगे। ओली पर आरोप है कि वे नेपाल की हिंदू संस्कृति को कमजोर कर चीनी मॉडल थोपने की कोशिश कर रहे हैं। कई संगठन इस बात पर चिंता जता चुके हैं कि नेपाल में बड़े स्तर पर धर्मांतरण का खेल चल रहा है। लोगों को रोटी, मकान, इलाज, शादी, नौकरी, शिक्षा जैसे प्रलोभन देकर उनका धर्म बदलवाया जा रहा है। इन गतिविधियों के तार विदेशी संस्थाओं से जुड़ रहे हैं। माना जाता है कि ओली ने इन चिंताओं को कभी गंभीरता से नहीं लिया और अपनी राजनीतिक विचारधारा का ही राग अलापते रहे। इसका नतीजा सबके सामने है।

ट्वीटर टॉक

राजस्थान मसाला कॉन्क्लेव-2025 का उद्घाटन कर समारोह को संबोधित किया। इस अवसर पर उपस्थित जनों को हमारी सरकार द्वारा मसाला उद्योग के विकास तथा किसानों और व्यापारियों के हित में संचालित विभिन्न योजनाओं और नीतियों की जानकारी दी।

-भजनलाल शर्मा

दिल्ली का गौरवशाली इतिहास क़िला राय पिथौरा की दीवारों में अब भी अंकित है। यह क़िला बताता है कि सदियों में दिल्ली ने कैसे रूप बदले और राजधानी की संस्कृति किस तरह विकसित हुई। इसकी स्थापत्य शैली असाधारण है और हर पत्थर अतीत की कहानी कहता है।

-गजेन्द्र सिंह शेखावत

गीतकार और गायक श्री भूपेन हज़ारिका जी की जयंती पर भावपूर्ण नमन। उनकी विलक्षण प्रतिभा ने भारतीय कला और संस्कृति को विश्व मंच पर एक नई पहचान दी। उनकी कला ने क्षेत्र की सीमाओं को तोड़कर संपूर्ण देश में एकता और बंधुत्व का संदेश दिया।

-ओम बिरला

प्रेरक प्रसंग

निष्काम दान

गुजरात की राजमाता मीनाल देवी ने भगवान सोमनाथ का विधिवत अभिषेक कर स्वर्ण दान किया। इस दान के बाद उनके मन में अहंकार आ गया कि ऐसा भव्य दान किसी ने नहीं किया होगा। उसी रात उन्हें स्वप्न में भगवान सोमनाथ के दर्शन हुए। भगवान ने कहा, 'मेरे मंदिर में आज एक गरीब महिला आई थी। उसका पुण्य तुम्हारे स्वर्णदान से कई गुना अधिक है।' प्रभु की वाणी सुनकर राजमाता चकित रह गईं और उन्होंने उस गरीब महिला को महल में बुलवाया। राजमाता ने उससे कहा, 'मुझे अपने संचित पुण्य दे दो। इसके बदले जो भी धनराशि चाहिए, मैं देने को तैयार हूं।' गरीब महिला ने बड़ी विनम्रता से उत्तर दिया, 'राजमाता, मैं तो अत्यंत निर्धन हूं। मुझे तो यह भी नहीं पता कि कौन-सा पुण्य मेरे द्वारा हुआ है। ऐसे में मैं आपको क्या दे सकूंगी?' राजमाता ने उससे पिछले दिन के कार्यों के विषय में पूछताछ की। महिला ने सरलता से बताया, 'कल किसी ने मुझे दान में एक मुट्ठी बूंदी दी थी। उसमें से आधी बूंदी मैंने भगवान सोमेश्वर को चढ़ा दी और जब शेष आधी खाने जा रही थी, तभी एक भूखे भिखारी ने मुझसे मांग ली, तो मैंने वह भी उसे दे दी।'

सामयिक

प्रकृति की नाराजगी को नहीं समझा तो मानव अस्तित्व खतरे में

ललित गर्ग

मोबाइल : 9811051133

प्रकृति अपनी उदारता में जितनी समृद्ध है, अपनी प्रतिशोधी प्रवृत्ति में उतनी ही कठोर है। जब तक मनुष्य उसके साथ तालमेल में रहता है, तब तक वह जीवन को वरदान देती है, जल, जंगल और जमीन के रूप में। लेकिन जैसे ही मनुष्य अपनी स्वार्थपूर्ण महत्वाकांक्षाओं और तथाकथित आधुनिक विकास की अंधी दौड़ में प्रकृति की उपेक्षा करने लगता है, यही प्रकृति विनाश का रूप धारण कर लेती है। आज पूरे भारत में जो बाढ़, जल प्रलय और मौसम के अनियंत्रित बदलाव के दृश्य दिखाई दे रहे हैं, वे केवल प्राकृतिक आपदा नहीं हैं, बल्कि हमारी गलतियों का सीधा परिणाम हैं। प्रकृति के इस रौद्र रूप के पीछे महज संयोग या कुदरत की नाराज़गी' को जिम्मेदार ठहराना पर्याप्त नहीं है। यह आपदाएं सीधे-सीधे जलवायु परिवर्तन, वनों की अंधाधुंध कटाई और अनियंत्रित विकास मॉडल का परिणाम हैं। पहाड़ों का पारिस्थितिकी तंत्र अत्यंत संवेदनशील होता है, लेकिन नीतिनिर्माताओं ने पहाड़ों के विकास को मैदानी मॉडल पर ढालने की कोशिश की। बड़े-बड़े होटल, अव्यवस्थित सड़कें, बांध, खनन और निर्माण ने पहाड़ों की नाजुक संरचना को हिला दिया। जब जंगल काटे जाते हैं तो वर्षा का पानी भूमि में समाने के बजाय सीधे तेज धाराओं के रूप में बहने लगता है। यही बाढ़ और भूस्खलन का बड़ा कारण बनता है, इसी से भारी तबाही का मंजर देखने को मिल रहा है, देश के बड़े हिस्से में जन-जीवन अस्त-व्यस्त है, लाखों हेक्टेयर फसलें जनमग्न है, जान-माल का नुकसान भी बड़ा हुआ है, भारी आर्थिक नुकसान ने घना अंधेरा बिखेर दिया है। चारों ओर चिन्ताओं एवं परेशानियों के बादल मंडरा रहे हैं।

आज की बाढ़ और जल प्रलय केवल पानी का उफान नहीं, बल्कि हमारी गलतियों का आईना है। यह प्रकृति का प्रतिशोध है, उसकी चेतावनी है कि यदि अब भी नहीं चेते तो भविष्य और भी विकराल होगा। महात्मा गांधी ने कहा था-प्रकृति हर किसी की आवश्यकता पूरी कर सकती है, लेकिन किसी के लालच को नहीं। यही सच्चाई है। यदि हमने संतुलन नहीं सीखा, तो यह विनाशकारी दृश्य आने वाले वर्षों में और भयावह होंगे। लेकिन यदि हमने चेतावनी को अवसर माना, तो प्रकृति फिर से मां की तरह हमें संभाल लेगी। जीवनदायी पानी जब अपने विकराल रूप में सामने आता है तो उसका प्रकोप कितना घातक और विनाशकारी हो सकता है, यह इस वर्ष की मूसलाधार मानसूनी बारिश एवं बादल फटने की घटनाओं ने एक बार फिर सिद्ध कर दिया है। सामान्यतः जल जीवन का आधार है, लेकिन जब वही जल अपनी मर्यादा तोड़कर प्रलयंकारी रूप में आता है तो घर, खेत, सड़क, पुल, मंदिर-मस्जिद और मानवीय जीवन तक बहाकर ले जाता है। उत्तराखंड, हिमाचल प्रदेश, जम्मू-कश्मीर और पूर्वोत्तर के पहाड़ी राज्य इस समय प्रकृति के ऐसे ही कहर का दंश झेल रहे हैं। बादल फटने की अप्रत्याशित घटनाएं, पहाड़ों से टूटते हिमखंड, अचानक बहते मलबे और बेकाबू नदियों का सैलाब-ये सब मिलकर भयावह परिदृश्य खड़ा कर रहे हैं।

वनों की कटाई ने न केवल भूमि की जलधारण क्षमता घटाई है, बल्कि स्थानीय जलवायु चक्र को भी प्रभावित किया है। ग्लोबल वार्मिंग के कारण तापमान बढ़ा है, जिससे पहाड़ी इलाकों में ग्लेशियर तेजी से पिघल रहे हैं और अप्रत्याशित समय पर अत्यधिक वर्षा हो रही है। यही कारण है कि बादल फटने जैसी घटनाएं पहले की तुलना में कई गुना बढ़ गई हैं। पहाड़ों की बस्तियां, जो कभी प्राकृतिक संतुलन में जीती थीं, अब मानवजनित गतिविधियों की मार झेल रही हैं। दरअसल, समस्या का मूल यह है कि हमने विकास की परिभाषा को केवल कंक्रीट और मशीनों से जोड़ दिया है। पर्यावरणीय संतुलन और पारिस्थितिकीय संवेदनशीलता को दरकिनार कर योजनाएं बनाई गईं। इसी का परिणाम है कि जब आपदा आती है तो न तो हमारी चेतावनी प्रणाली पर्याप्त साबित होती है और न ही प्रशासन की तैयारियां। सर्वोच्च न्यायालय में हिमाचल सरकार ने यह स्वीकार भी किया है कि अब तक अपनाए गए उपाय अपर्याप्त हैं। यह स्वीकारोक्ति बताती है कि समस्या कितनी गंभीर है।

भारत की नदियाँ कभी जीवन का स्रोत मानी जाती थीं। गंगा, यमुना, ब्रह्मपुत्र, नर्मदा, गोदावरी जैसी नदियों के किनारे सभ्यताएँ पली-बढ़ीं। लेकिन आज वही नदियाँ मौत का पैगाम बनकर आती हैं। कारण है उनके प्राकृतिक प्रवाह में मानवीय हस्तक्षेप-बेतरतीब बांध, अतिक्रमण, नालों में बदल चुकी धारा और किनारों पर बसी बस्तियाँ। भारत में हर साल औसतन 1,600 लोग बाढ़ से मारे जाते हैं और लगभग 75 लाख लोग प्रभावित होते हैं। फसलें तबाह होती हैं, पशुधन मरता है और अरबों रुपए की आर्थिक क्षति होती है। केवल 2023 में उत्तराखंड, हिमाचल और दिल्ली में आई बाढ़ से 60,000 करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हुआ। पिछले कुछ दशकों में मौसम का पैटर्न पूरी तरह बिगड़ चुका है। मानसून जो पहले जून से सितंबर तक नियमित हुआ करता था, अब अनिश्चित और असमान हो गया है। कभी 24 घंटे में महीनों की बारिश हो जाती है, तो कभी लंबे सूखे का दौर देखने को मिलता है। 2013 की केदारनाथ त्रासदी ने पहाड़ों में अंधाधुंध निर्माण की पोल खोल दी। 2023 में दिल्ली में यमुना का 45 साल का रिकॉर्ड टूटना इस बात का संकेत है कि शहर जलवायु परिवर्तन और अव्यवस्थित शहरीकरण के सामने पूरी तरह असुरक्षित हो चुके हैं। देश के लगभग हर हिस्से में जल प्रलय की कहानियाँ देखी जा सकती हैं। उत्तराखंड और हिमाचल में पहाड़ टूट रहे हैं, भूस्खलन से गांव उजड़ रहे हैं। बिहार और असम में बाढ़ हर साल लाखों लोगों को बेघर कर देती है। दिल्ली और मुंबई जैसे आधुनिक महानगर भी जलजमाव से पंगु हो जाते हैं। राजस्थान जैसे रेगिस्तानी राज्य में भी अनियंत्रित बारिश और बाढ़ का नया खतरा मंडरा रहा है।

अब सवाल यह है कि इस संकट से निपटें कैसे। केवल राहत और मुआवजा देना समाधान नहीं है। आवश्यकता है दीर्घकालिक और ठोस कदम उठाने की। हमें जंगल बचाने होंगे, नदियों के प्राकृतिक प्रवाह को बहाल करना होगा, शहरी योजनाओं में जलनिकासी और हरियाली को महत्व देना होगा, पर्वतीय विकास में संयम लाना होगा और सबसे बढ़कर जनजागरूकता फैलानी होगी ताकि लोग समझ सकें कि पर्यावरण की रक्षा ही उनके जीवन की रक्षा है। जरूरत है कि आपदाओं को केवल प्राकृतिक' न मानकर उन्हें 'मानव निर्मित' एवं 'सरकार की गलत नीतियों की आपदाएं' भी समझा जाए। इसका अर्थ है कि इनका समाधान केवल राहत और बचाव तक सीमित न रहकर दीर्घकालिक रणनीति से जुड़ा होना चाहिए। विशेषज्ञों की राय, वैज्ञानिक अध्ययन और स्थानीय समुदायों के अनुभवों को मिलाकर ऐसी नीतियां बननी चाहिएं, जो पहाड़ों की प्राकृतिक संरचना और पारिस्थितिकी को ध्यान में रखें। प्राकृतिक आपदाओं की आवृत्ति हमें चेतावनी दे रही है कि यदि हमने समय रहते संतुलित विकास का मार्ग नहीं चुना तो भविष्य और अधिक भयावह होगा। पूर्व चेतावनी प्रणाली को सशक्त बनाना, पहाड़ी राज्यों के बीच आपसी समन्वय बढ़ाना, आपदा प्रबंधन तंत्र को त्वरित और प्रभावी बनाना, और सबसे बढ़कर-वनों एवं प्राकृतिक संसाधनों की रक्षा करना, यह सब आज की सबसे बड़ी जरूरत है। दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था होने के बावजूद भारत प्राकृतिक आपदाओं से होने वाली भारी जन-धन हानि को बर्दाश्त नहीं कर सकता। इस वर्ष की बाढ़ और बादल फटने की घटनाएं केवल त्रासदी नहीं, बल्कि एक स्पष्ट संदेश हैं-कि प्रकृति के साथ असंतुलन की कीमत हमें अपने अस्तित्व से चुकानी पड़ सकती है। इसलिए विकास की नीतियों को पर्यावरण की दृष्टि से पुनर्परिभाषित करना ही इस संकट से उबरने का वास्तविक मार्ग है।

मंथन

वृद्धावस्था की ओर बढ़ता भारत

प्रमोद भार्गव

मोबाइल : 9981061100

प्रकृतिजन्य जैविक घटना के अनुसार एक संतुलित समाज में बच्चों, किशोरों, युवाओं, प्रौढ़ों और बुजुर्गों की संख्या को एक निश्चित अनुपात में होना चाहिए। अन्यथा यदि कोई एक आयु समूह की संख्या में गैर आनुपातिक ढंग से वृद्धि दर्ज ही जाती है तो यह वृद्धि उस संतुलन को नष्ट कर देगी, जो मानव समाज के विकास का प्राकृतिक आधार बनता है। भारत में जिस तेजी से बुजुर्गों की संख्या में उत्तरोत्तर वृद्धि हो रही है, वह आर्थिक व स्वास्थ्य सेवाओं की दृष्टि से तो संकट पैदा कर ही रही है, देश का भविष्य माने जाने वाले युवाओं के हित का एक बड़ा हिस्सा भी बुजुर्गों पर न्योछावर किया जा रहा है। संतुलित मानव विकास के लिए यह दुरभिसंधि घातक है।

भारतीय आबादी के सिलसिले में नमूना पंजीकरण प्रणाली (एसआरएस) की सांख्यिकीय रिपोर्ट-2023 ने देश में आबादी घटने के भयावह संकेत दिए हैं। इस रिपोर्ट के अनुसार देश में कामकाजी आयुवर्ग (15-59 वर्ष) की जनसंख्या का अनुपात बढ़ रहा है, जबकि 0 से 14 आयुवर्ग की आबादी में लगातार गिरावट देखी जा रही है। यही नहीं, प्रजनन दर में कमी दर्ज की गई है। रपट के अनुसार वर्ष 1971 से 1981 के बीच 0-14 आयुवर्ग की हिस्सेदारी 41.2 फीसदी से घटकर 38.1 फीसदी रह गई है। जबकि 1991 से 2023 के बीच यह आंकड़ा 36.3 प्रतिशत से गिरकर 24.2 प्रतिशत रह गया है। महापंजयक की ओर से जारी इस रिपोर्ट से पता चलता है कि इसी अवधि में देष की कुल प्रजनन दर 1971 के 5.2 से घटकर 2023 में 1.9 रह गई है। एसआरएस ने इस रिपोर्ट में लगभग 88 लाख की नमूना जनसंख्या को दर्ज किया है। इस कारण यह विश्व के सबसे बड़े जनसांख्किय सर्वेक्षणों में से एक है। इसी 2018 के सर्वेक्षण में एक मां के उसके अपने जीवन काल में कुल प्रजनन दर (टीएफआर) 2.2 आंकी गई थी। अब 2023 के सर्वेक्षण में 1.9 रह गई है। इस दर में गिरावट के चलते वह दिन दूर नहीं, जब देश में कुल प्रजनन दर और नीचे चली जाए? इस विषय के जानकार लोगों का मानना है कि यदि भारत ने यह आंकड़ा छू लिया तो जनसंख्या स्थिर हो जाएगी और फिर कुछ वर्षों में घटने लगेगी। बालिकाओं के गिरते लिंगानुपात के कारण भी यह स्थिति बनेगी। ये हालात सामाजिक विकृतियों को बढ़ावा देने वाले साबित हो सकते हैं। ऐसे में विवाह की उम्र बढ़ाने की जो चर्चा चल रही है, वह निकट भविष्य में बड़ी समस्या पैदा कर सकती है?

अकसर भारत या अन्य देशों में बढ़ती आबादी की चिंता की जाती है। लेकिन अब भारत में कुछ धार्मिक समुदायों और जातीय समूहों में जनसंख्या तेजी से घटने के संकेत मिल रहे हैं। भारत में जहां आधुनिक विकास व विस्थापन के चलते पारसी जैसे धार्मिक समुदाय और आदिवासी प्रजातियों में आबादी घट रही है, वहीं उपभोक्तावादी संस्कृति के प्रचलन में आ जाने से एक बड़ा आर्थिक रूप से सक्षम समुदाय कम बच्चे पैदा कर रहा है। एक राष्ट्र के स्तर पर कोई देष विकसित हो या अविकसित हो अथवा विकासशील, जनसंख्या के सकारात्मक और नकारात्मक पक्ष एक प्रकार की सामाजिक व वैज्ञानिक सोच का प्रगटीकरण करते हैं। अपने वास्तविक स्वरूप में जनसंख्या में बदलाव एक जैविक घटना होने के साथ-साथ समाज में सामाजिक, सांस्कृतिक व आर्थिक आधारों को प्रभावित करने का कारण बनती है। इसलिए भारत में जब पांच अल्पसंख्यक समुदायों में से एक पारसियों की आबदी घटती है तो उनकी आबादी बढ़ाने के लिए भारत सरकार मजबूर हो जाती है। दूसरी तरफ मुस्लिमों को छोड़ अन्य धार्मिक समुदायों की जनसंख्या वृद्धि दर को नियंत्रित करने के कठोर उपाय किए जाते हैं। आमतौर से जनसंख्या नियंत्रण के दृष्टिगत चीन को परिवार नियोजन संबंधी नीतियों को आदर्श रूप में देखा जाकर उनका विस्तार भारत में किए जाने की मांग उठती रहती है। चीन में आबादी को काबू के लिए 1979 में एक परिवार एक बच्चा नीति अपनाई गई थी। लेकिन यह गलतफहमी है कि चीन में आबादी इस नीति से काबू में आई। जबकि सच्चाई यह है कि 1949-50 में चीन में सांस्कृतिक क्रांति के जरिए जो सामाजिक बदलाव का दौर चला, उसके चलते वहां 1975 तक स्वास्थ्य सेवाओं का विस्तार आम आदमी की पहुंच में आ गया था। साम्यवादी दलों के कार्यकर्ताओं ने भी वहां गांव-गांव पहुंचकर उत्पादक समन्वयक की हैसियत से काम किया और प्रशासन से जरूरतों की आपूर्ति कराई। नतीजतन वहां आजादी के 25-30 साल के भीतर ही राश्ट्रीय

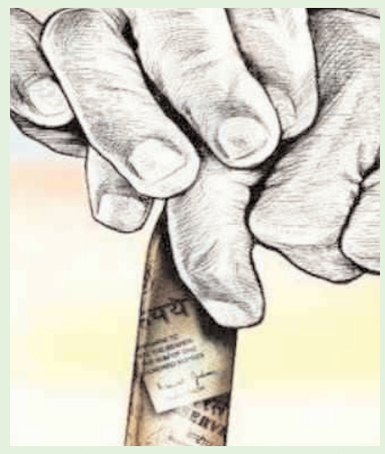

विकास के लिए कम आबादी जरूरी है, यह वातावरण निर्मित हो चुका था।

एक परिवार, एक बच्चा नीति चीन में कालांतर में विनाशकारी साबित हुई। इस नीति पर कड़ाई से अमल का ह। यह हुआ कि आज चीन में अनेक ऐसे वंश हैं, जिनके बूढ़े व असमर्थ हो चुके मां-बाप के अलावा न तो, कोई उत्तराधिकारी है और न ही कोई सगा-संबंधी है। जबकि इस नीति को लागू करने से पहले चीन में एक लड़के पर औसत ग्यारह लड़कियां थीं। इसी तरह भारत में जिस तेजी से पेंशनधारी बुजुर्गों की संख्या में उत्तरोत्तर वृद्धि हो रही है, वह आर्थिक व स्वास्थ्य सेवाओं की दृष्टि से तो संकट पैदा कर ही रही है, देश का भविष्य माने जाने वाले युवाओं से समझौते की शर्त पर बुजुर्गों के हित साधना देशहित में कतई नहीं है। लिहाजा एसआरएस रिपोर्ट पर गंभीरता से गौर करने की जरूरत है।

नजरिया

पितृ ऋण से मुक्ति का पुण्यकाल है पितृ पक्ष

योगेश कुमार गोयल

मोबाइल : 9416740584

हिन्दू धर्म में पितृ पक्ष (श्राद्ध) को बहुत अहम माना गया है। श्राद्ध का अर्थ होता है 'श्रद्धापूर्वक'। हमारे संस्कारों और पूर्वजों के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने को ही श्राद्ध कहा जाता है। सरल शब्दों में कहें तो दिवंगत परिजनों को उनकी मृत्यु तिथि पर श्रद्धापूर्वक याद किया जाना जाना ही श्राद्ध है। हिन्दू पंचांग के अनुसार पितृपक्ष की शुरूआत 7 सितम्बर से हुई है और 21 सितम्बर को सर्व पितृ अमावस्या के दिन पितृपक्ष का समापन होगा। ब्रह्मपुराण के अनुसार उचित काल या स्थान पर पितरों के नाम जो भी वस्तु उचित विधि द्वारा श्रद्धापूर्वक ब्राह्मणों को दी जाए, वह श्राद्ध कहलाता है। पितृ पक्ष को हिन्दू धर्म में 'महालय' या 'कनागत' के नाम से भी जाना जाता है। माना जाता है कि पितृ पक्ष के दौरान पिंडदान, तर्पण कर्म और ब्राह्मण को भोजन कराने से पूर्वज प्रसन्न होकर आशीर्वाद देते हैं। पितृ पक्ष में लोग अपने पूर्वजों को याद कर उनकी आत्मा की शांति के लिए श्राद्ध कर्म, पिंडदान और तर्पण करते हैं। दरअसल हिन्दू धर्म में मृत्यु के पश्चात पितरों की याद में श्राद्ध किया जाता है और उनकी मृत्यु की तिथि के अनुसार ही श्राद्ध की तिथि निर्धारित की जाती है। पिंडदान करने के लिए हरिद्वार और गया

को सर्वोत्तम माना गया है।

हिन्दू धर्म में मान्यता है कि पितृ पक्ष के दिनों में यमराज आत्मा को मुक्त कर देते हैं ताकि वे अपने परिजनों के यहां जाकर तर्पण ग्रहण कर सकें। ऐसी ही मान्यताओं के अनुसार पितृ पक्ष के दिनों में पितर नीचे पृथ्वी पर आते हैं और बिना किसी आव्हान के अपने वंशजों के घर किसी भी रूप में जाते हैं। ऐसे में यदि उन्हें तृप्त नहीं किया जाए तो उनकी आत्मा नाराज होकर अतृप्त लौट जाती है। माना गया है कि यदि पितर नाराज हो जाएं तो जिंदगी मुसीबतों से भर जाती है। इसलिए शास्त्रों में पितरों का श्राद्ध विधिपूर्वक करना जरूरी बताया गया है। मान्यता है कि यदि पितर खुशी-खुशी वापस जाते हैं तो अपने वंशजों को दिए गए उनके आशीर्वाद से घर-परिवार में सुख-समृद्धि में बढ़ोतरी होती है।

पितृ पक्ष के दौरान शुभ और मांगलिक कार्य वर्जित रहते हैं। पितृ पक्ष में सगाई, विवाह, मुंडन, गृहप्रवेश, परिवार के लिए महत्वपूर्ण चीजों की खरीददारी, नए कपड़े खरीदना, कोई नया कार्य शुरू करना इत्यादि कोई भी शुभ कार्य करना अच्छा नहीं माना जाता। जिंदगी में सफलता के लिए मेहनत, किस्मत, ईश्वरीय कृपा के साथ-साथ पूर्वजों का आशीर्वाद भी बेहद जरूरी होता है और धर्म एवं ज्योतिष शास्त्र के अनुसार पूर्वजों को सम्मान देने से वे प्रसन्न होते हैं तथा पूरे परिवार पर कृपा करते हैं। इसीलिए हमारे दिवंगत परिजनों की आत्मा की शांति के लिए पितृ पक्ष में तर्पण-श्राद्ध किया जाता है। पितृ पक्ष में पितरों को जल देने की विधि को तर्पण कहा जाता है।

ज्योतिष शास्त्र में पितृ दोष को अशुभ फल देने वाला माना गया है और शास्त्रों के अनुसार पितृ पक्ष में पितरों का तर्पण करने से पितृ दोष से आने वाली परेशानियां दूर होती हैं तथा पितरों का आशीर्वाद मिलता है। देव ऋण, ऋषि ऋण तथा पितृ ऋण का हिन्दू धर्म में विशेष महत्व है और पितृ पक्ष में माता-पिता के प्रति तर्पण करके श्रद्धा व्यक्त की जाती है क्योंकि पितृ ऋण से मुक्त हुए बिना जीवन निरर्थक माना जाता है। सनातन धर्म के अनुसार देव ऋण, ऋषि ऋण और पितृ ऋण से मुक्ति पाए बिना व्यक्ति का पूर्ण कल्याण होना असंभव है। पितृपक्ष को लक्ष्मी और ज्ञान की साधना के लिए उत्तम काल माना गया है। पितरों के निमित्त आयोजित किए जाने वाले पितृ पक्ष को आत्मबोध के लिए भी अति उत्तम तथा जीवन के संघर्ष को उत्कर्ष में परिवर्तित करने का समय माना गया है। हिन्दू धर्म ग्रंथों के अनुसार श्रद्धा से किया गया श्राद्ध पूर्वजों तक पहुंचे या न पहुंचे लेकिन यह जीवन में उन्नति और प्रगति के द्वार अवश्य खोल सकता है।

महत्त्वपूर्ण

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006. Editor : Bhupendra Kumar (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar. Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law. **Regn No.RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।- **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

ट्रंप की कई आव्रजन नीतियों को अदालतों में दी गई चुनौती

वाशिंगटन/एपी

राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने अमेरिका के इतिहास में सबसे बड़े निर्वासन कार्यक्रम के तहत लाखों लोगों को देश से बाहर निकालने का वादा किया है लेकिन उनकी कई आव्रजन नीतियों को अमेरिकी अदालतों में कानूनी चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। उदाहरण के लिए, एक संघीय अपील अदालत ने पिछले सप्ताह फैसला सुनाया कि ट्रंप प्रशासन कथित वेनेजुएला गिरोह के सदस्यों को शीघ्रता से निर्वासित करने के लिए 18वीं सदी के युद्धकालीन कानून का उपयोग नहीं कर सकता। संभवत: यह मामला अब सुप्रीम कोर्ट पहुंचेगा। ट्रंप प्रशासन की कुछ नीतियां लाखों लोगों को प्रभावित कर सकती हैं।

ट्रंप प्रशासन ने 1798 के एलियन एनिमीज़ एक्ट का उपयोग ''ट्रेन डी अरगुआ'' नामक गिरोह के सदस्यों को विदेशी आक्रांता मानते हुए निष्कासित करने के लिए किया। इन लोगों को एल सल्वाडोर की एक कुख्यात जेल में भेजा गया।

बहरहाल, पांचवें सर्किट कोर्ट ऑफ अपील्स ने अपने निर्णय में कहा कि यह कानून आपराधिक गिरोहों पर लागू नहीं होता। एसीएलयू के वकील ली गेलरंट ने इसे अदालत की निगरानी के बिना आपात स्थिति घोषित करने के प्रशासन के प्रयासों पर लगाम लगाने वाला फैसला बताया। वहीं, व्हाइट हाउस की प्रवक्ता एबिगेल जैकसन ने कहा कि राष्ट्रपति को आतंकवादियों को हटाने और राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने का अधिकार है।

एक अन्य नीति के तहत ट्रंप ने 14वें संशोधन की व्याख्या को बदलने के लिए एक कार्यकारी आदेश जारी किया, जिसके तहत अवैध या अस्थायी वीजा पर अमेरिका में मौजूद माता-पिता से जन्मे बच्चों को नागरिकता देने से इनकार किया गया।

वॉशिंगटन, एरिज़ोना, इलिनॉय और ओरेगन जैसे राज्यों ने इस आदेश को चुनौती दी, और संघीय अपीलीय अदालत ने जुलाई में इस आदेश को असंवैधानिक ठहराया।

सुप्रीम कोर्ट ने व्यवस्था दी कि सैन फ्रांसिस्को में चीनी माता-पिता से जन्मा बच्चा अमेरिकी धरती पर जन्म लेने के कारण अमेरिकी नागरिक है।

सैन फ्रांसिस्को की एक संघीय अपील अदालत ने जुलाई के अंत में फैसला सुनाया कि ट्रंप का आदेश असंवैधानिक है, और न्यू हैम्पशायर की निचली अदालत के उस फैसले को बरकरार रखा जिसने इस आदेश को देश भर में लागू होने से रोक दिया था। ट्रंप प्रशासन ने उन आप्रवासियों को एल साल्वाडोर और दक्षिण सूडान जैसे देशों में भेजना शुरू किया जिनका उन देशों से कोई संबंध नहीं है।

ट्रंप के अधिकारियों ने कहा है कि ये अप्रवासी अक्सर ऐसे देशों से आते हैं जो उन्हें वापस नहीं लेते या हिंसक अपराधों के दोषी पाए गए हैं। इस साल वकालत करने वाले समूहों ने यह तर्क देते हुए मुकदमा दायर किया कि लोगों के उचित प्रक्रिया अधिकारों का उल्लंघन हो रहा है और अप्रवासियों को उन देशों में भेजा जा रहा है जहाँ मानवाधिकारों के उल्लंघन का लंबा इतिहास रहा है।

श्रीलंका ने मानवाधिकारों पर अंतरराष्ट्रीय कार्रवाई का विरोध किया

कोलंबो/भाषा। श्रीलंका ने सोमवार को जिनेवा में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद (यूएनएचआरसी) में अपने मानवाधिकार रिकॉर्ड पर किसी भी अंतरराष्ट्रीय हस्तक्षेप का यह कहते हुए विरोध किया कि ऐसी कार्रवाइयां देश में न्याय और सुलह के लिए चल रहे प्रयासों को कमजोर करती हैं।

यूएनएचआरसी के 60वें नियमित सत्र की शुरुआत सोमवार को जिनेवा में हुई, जहां म्यांमा, श्रीलंका, अफगानिस्तान, सूडान, फलस्तीन और सीरिया सहित कई देशों पर रिपोर्ट और मौखिक अद्यतन जानकारी दी जाएंगी।

श्रीलंका के विदेश मंत्रालय ने एक बयान में कहा, श्रीलंका का मानना है कि बाहरी पहल केवल राष्ट्रीय प्रयासों में बाधा बनेंगी और लोगों के बीच ध्रुवीकरण को बढ़ावा देंगी।विदेश मंत्री विजिता हेराथ जिनेवा सत्र में संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार उच्चायुक्त की अगस्त में प्रकाशित रिपोर्ट पर प्रतिक्रिया देंगे। यह रिपोर्ट मानवाधिकार प्रमुख वोल्कर टर्क की जून के अंत में श्रीलंका यात्रा के बाद तैयार की गई थी। मंत्रालय ने कहा कि हेराथ परिषद से ''परिवर्तनकारी सुधारों'' के कार्यान्वयन के लिए आवश्यक ''स्थान और समय देने'' की अपील कर सकते हैं, जिनकी सिफारिश रिपोर्ट में की गई है। रिपोर्ट में श्रीलंका से अंतरराष्ट्रीय अपराध न्यायालय की अधिकार क्षेत्र संबंधी रोम संविधि को अपनाने, आतंकवाद निरोधक अधिनियम (पीटीए) के उपयोग पर रोक लगाने, ऑनलाइन सुरक्षा कानून जैसे अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाने वाले कानूनों को रद्द या संशोधित करने, सुरक्षा बलों को गैर-न्यायिक तरीकों से परहेज करने के निर्देश जारी करने, और निगरानी गतिविधियों को समाप्त करने की सिफारिश की गई थी।

हालांकि, श्रीलंका ने कहा कि वह रिपोर्ट में दी गई सिफारिशों और निष्कर्षों से सहमत नहीं है, विशेषकर अंतरराष्ट्रीय कार्रवाई को लेकर। श्रीलंका को विशेष रूप से 2009 में लिट्टे के साथ समाप्त हुए लंबे गृहयुद्ध के अंतिम चरणों के दौरान कथित मानवाधिकार उल्लंघनों को लेकर अंतरराष्ट्रीय जांच का सामना करना पड़ा है।

संयुक्त राष्ट्र की विभिन्न संस्थाओं और मानवाधिकार संगठनों ने बार-बार कहा है कि श्रीलंका की घरेलू न्याय प्रक्रियाएं पर्याप्त नहीं हैं और अंतरराष्ट्रीय जवाबदेही तंत्र की आवश्यकता है। लेकिन श्रीलंकाई सरकार का कहना है कि ऐसे बाहरी हस्तक्षेप देश की संप्रभुता का उल्लंघन करते हैं और स्थानीय सुलह प्रयासों को कमजोर करते हैं।

प्रदर्शन

बिहार के दरभंगा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की माँ पर अपमानजनक टिप्पणी के विरोध में सोमवार को अहमदाबाद स्थित भाजपा कार्यालय के बाहर भाजपा कार्यकर्ताओं ने प्रदर्शन के दौरान नारेबाजी की।

रूस के साथ सौदा करने वाले देशों पर टैरिफ लगाना 'सही विचार' : जेलेंस्की

न्यूयॉर्क/वाशिंगटन/भाषा। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने भारत का नाम लिए बिना कहा है कि रूस के साथ सौदा करने वाले देशों पर टैरिफ (शुल्क) लगाना ''सही विचार'' है।

जेलेंस्की ने रविवार को एबीसी न्यूज के ''दिस वीक'' कार्यक्रम में प्रसारित एक साक्षात्कार में कहा, ''मुझे लगता है कि उन देशों पर टैरिफ लगाने का विचार सही है जो रूस के साथ सौदे करना जारी रखे हुए हैं...मुझे लगता है कि यह सही विचार है।'' जेलेंस्की से पूछा गया था कि क्या उन्हें लगता है कि तियानजिन में शंघाई सहयोग संगठन (एससीओ) शिखर सम्मेलन में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और चीन के राष्ट्रपति शी चिनफिंग की तस्वीरें देखकर प्रतिबंध लगाने की उनकी योजना उल्टी पड़ गई।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने भारतीय वस्तुओं पर टैरिफ दोगुना करके 50 प्रतिशत कर दिया है, जिसमें रूसी कच्चे तेल की भारत द्वारा खरीद पर 25 प्रतिशत अतिरिक्त शुल्क भी शामिल है।

भारत ने अमेरिकी कार्रवाई को ''अनुचित और अविवेकपूर्ण'' करार दिया है। तियानजिन में एससीओ शिखर सम्मेलन से इतर पुतिन के साथ मोदी की बैठक से दो दिन पहले, जेलेंस्की ने 30 अगस्त को भारत के प्रधानमंत्री को फोन किया था।

'गांधी' के प्रीमियर के साथ हंसल मेहता ने फिर किया टीआईएफएफ में वापसी

मुंबई/एजेन्सी

मशहूर फिल्म निर्माता हंसल मेहता एक बार फिर अपनी सीरीज गांधी के प्रीमियर के लिए 50वें टोरंटो इंटरनेशनल फिल्म फेस्टिवल 2025 में आए हुए हैं। इसकी जानकारी उन्होंने सोशल मीडिया के जरिए दी। निर्माता ने इंस्टाग्राम पर एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें उनके साथ प्रतीक गांधी, ए.आर. रहमान और बाकी कलाकार नजर आ रहे हैं। हंसल मेहता ने पोस्ट में बताया कि वह सबसे पहले टीआईएफएफ में शाहिद के साथ आए थे।

उस यात्रा ने उनकी जिंदगी बदल दी थी। फिर 2016 में वह फिल्म ओमेर्ता के साथ फेस्टिवल में लौटे थे। निर्माता ने पोस्ट में लिखा, 2012 में मैं पहली बार टीआईएफएफ में शाहिद के साथ गया था। उस यात्रा ने मेरी जिंदगी बदल दी। इसने मुझे एक आवाज दी, विश्व मंच पर एक जगह दी। 2016 में मैं ओमेर्ता के साथ फिर लौटा, यह एक ऐसी फिल्म थी, जो मेरे लिए हमेशा खास रहेगी, भले ही उसे उतना सम्मान न मिला हो, जिसकी वह हकदार थी।

निर्माता ने आर्थिक तंगी को याद करते हुए कहा, मुझे अभी भी जय के साथ वह पहला समय याद है, जब हम मुश्किल से एक अच्छा खाना खरीद पाते थे। एक और साल, राजकुमार और मैं यहां 24 घंटे से भी कम समय के लिए थे। लेकिन, इस बार कुछ अलग है। यह बहुत खास लग रहा है। मैं यहां अपने सबसे निजी काम के लिए आया हूं और मेरे साथ वे लोग हैं जिन्होंने इसे संभव बनाया। और जो लोग यहां नहीं आ सके, हम आपके प्यार, आपकी खुशी और 'गांधी' में डाले गए आपके जुनून को अपने साथ इस शानदार उत्सव में लेकर आए हैं। टोरंटो एक ऐसा शहर है जो फिल्मों को बहुत पसंद करता है और टीआईएफएफ दुनिया के सबसे शानदार फिल्म त्योहारों में से एक है। यहां पर अपने काम को दिखाना किसी तोहफे से कम नहीं है। यह मुझे एक नई यात्रा की तरह लगता है, लेकिन ऐसा भी लगता है जैसे यह सफर बहुत समय से धीरे-धीरे बन रहा था। एक खूबसूरत सफर। हमेशा आभारी रहूंगा।

अभिनेता गिडियन फिर्ल बोले- यीशु की शिक्षाएँ भारतीय मूल्यों से मेल खाती हैं

नई दिल्ली/एजेन्सी

माइटीराइट मीडिया ने अपनी विशेष फिल्म जीसस का इंडिया प्रीमियर बड़े धूमधाम से मनाया। यह फिल्म पूरी तरह से अमेरिकन साइन लैंग्वेज में बनी है, जिसे अब भारतीय दर्शकों के लिए इंडियन साइन लैंग्वेज और हिंदी में डब किया गया है। यह दुनिया की पहली फिल्म है जो विशेष रूप से डेफ प्रोफेशनल्स द्वारा डेफ कम्युनिटी के लिए बनाई गई है। फिल्म की स्क्रीनिंग के बाद एक विशेष प्रश्न-उत्तर सत्र आयोजित किया गया, जिसमें फिल्म के अभिनेता गिडियन फिर्ल (जिन्होंने यीशु का किरदार निभाया है) और भारतीय मूल के अमेरिकी सुमित मलिक शामिल थे। गिडियन फिर्ल ने भारतीय दर्शकों से बात करते हुए कहा, यीशु की शिक्षाएं भारतीय मूल्यों से गहराई से जुड़ी हैं। करुणा, संवेदना और समावेश का संदेश भारत की सांस्कृतिक धरोहर से पूरी तरह मेल खाता है।

भारतीय दर्शकों के साथ यह कहानी साझा करना मेरे लिए गर्व की बात है। यह प्रीमियर सिर्फ एक फिल्म का प्रदर्शन नहीं था, बल्कि समावेशी सिनेमा की दिशा में एक ऐतिहासिक कदम था। जीसस ने अमेरिकन साइन लैंग्वेज, इंडियन साइन लैंग्वेज, हिंदी और अंग्रेजी का उपयोग करके भाषा की बाधाओं को खत्म कर दिया। इस फिल्म के जरिए प्यार और स्वीकार्यता का सार्वभौमिक संदेश सभी दर्शकों तक पहुँचाया गया। इस प्रीमियर में संगीतकार मनन शाह, माइटीराइट मीडिया की संस्थापक वर्षा ए. जैन और एक्टर-प्रोड्यूसर इन्नामुल हक जैसी कई जानी-मानी हस्तियां मौजूद थीं।

'मिराई' की शूटिंग पर बोले तेजा सज्जा : हर स्टंट असली था, हर चोट कीमती थी

मुंबई/एजेन्सी

तेजा साज्जा स्टारर मिराई का ट्रेलर रिलीज़ कर दिया गया है और इसने तहलका मचा दिया है। यह फिल्म बड़े पर्दे पर एक विज़ुअल थंडरस्टॉर्म का वादा करती है। निर्देशक कार्तिक गट्टमनेनी और निर्माता टी.जी. विश्व प्रसाद व कृति प्रसाद (पीपल मीडिया फ़ैक्टरी) के बैनर तले बनी यह एक्शन-पैक्ड महागाथा इतिहास और विस्फोटक स्पेक्टेकल का संगम है, जो 12 सितम्बर 2025 को सिनेमाघरों में दहाड़ने आ रही है। वहीं, उत्तर भारत में इसका वितरण करण जौहर की धर्मा प्रोडक्शंस प्रस्तुत करेगी। जहां ट्रेलर ने सभी को फिल्म को लेकर रोमांचित कर दिया है, वहीं दूसरी ओर इसके एक्शन सीक्वेंस भी बेहतरीन दिख रहे हैं। एक्शन और स्टंट्स के पीछे की तैयारी के बारे में बात करते हुए तेजा साज्जा ने कहा: हमने तेज़-रफ्तार वाले एक्शन स्टंट किए हैं। इसके लिए हमने थाईलैंड से केचा मास्टर और नांग मास्टर को बुलाया। मैं खुद थाईलैंड गया और वहाँ करीब 20 दिन तक अपने रोल के लिए ट्रेनिंग की।

अपनी चोटों और कठिनाइयों के बारे में बताते हुए तेजा साज्जा ने कहा:मिराई की शूटिंग के दौरान मेरी कलाई में लिगामेंट इंजरी हो गई थी। फिल्म में मेरे हाथ में जो स्टाफ (डंडा) है और जिसे मैं घुमाता हूँ, उसका वज़न छह किलो है। जब मुझे उसे घुमाना पड़ा, तभी मेरी कलाई में लिगामेंट की चोट आई।फिल्म में जो भी स्टंट्स आप देखेंगे, वो सब लाइव स्टंट्स हैं और मैंने खुद किए हैं। कई सारे रोप शॉट्स भी थे। हनु-मान की शूटिंग के दौरान मेरी रीढ़ की हड्डी के उ4-उ5 हिस्से में दर्दनाक चोट आई थी। इसलिए जब भी मुझे रोप पहनकर स्टंट करना पड़ता, दर्द होता था। लेकिन इससे कोई फ़र्क नहीं पड़ता, क्योंकि स्टंट्स शानदार निकले हैं। तेजा साज्जा के साथ फिल्म में मनोज मांचू, जगपति बाबू, जयराम, श्रिया सरन और ऋतिका नायक भी नज़र आएंगे। गौरा हरी के जोशीले संगीत के साथ, जो ड्रामा और विज़ुअल्स को और भी ऊँचाई देता है और तकनीकी सीमाओं को तोड़ता है, मिराई खुद को भारतीय सिनेमा के लिए एक साहसिक नए अध्याय के रूप में पेश कर रही है।

अक्षय कुमार ने जुहू बीच साफ कर लोगों को दी सीख, बोले, 'सफाई सबकी ड्यूटी'

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड अभिनेता अक्षय कुमार को रविवार को मुंबई के जुहू बीच पर देखा गया। यहां वे एक सफाई अभियान में शामिल होने पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने समुद्र तट की सफाई की और लोगों को खास संदेश भी दिया। दरअसल, मुंबई के जुहू बीच पर गणपति विसर्जन के बाद कूड़ा-कचरा फैल जाता है। इसी कारण उसकी सफाई के लिए अभिनेता अक्षय कुमार भी पहुंचे। सफाई अभियान के दौरान उन्होंने लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक भी किया। उन्होंने कहा, ज्ञान सिखाता है कि हमें स्वच्छता बनाए रखनी चाहिए। हमारे प्रधानमंत्री भी समय-समय पर इस पर जोर देते रहते हैं। स्वच्छता केवल सरकार का कर्तव्य नहीं है, न ही केवल बीएमसी की जिम्मेदारी है, बल्कि यह जनता की भी जिम्मेदारी है। इस स्वच्छता अभियान में महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस की पत्नी अमृता फडणवीस और बीएमसी कमिश्नर भूषण गगरानी भी शामिल हुए। इसकी कुछ तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहे हैं। वीडियो में अक्षय कुमार कचरे को थैलों में डालते दिखाई दे रहे हैं। उनके साथ अमृता और अन्य लोग भी दिखाई दे रहे हैं।

हाल ही में अक्षय कुमार ने पंजाब में आई विनाशकारी बाढ़ से पीड़ित लोगों के लिए 5 करोड़ रुपए दान किए थे। अक्षय कुमार ने लोगों से भी बाढ़ पीड़ितों की मदद के लिए गुहार लगाई थी। उन्होंने कहा था, मैं पंजाब बाढ़ पीड़ितों के लिए राहत सामग्री खरीदने के लिए 5 करोड़ रुपए दे रहा हूं, लेकिन मैं कौन होता हूं, किसी को 'दान' देने वाला? जब भी मुझे मदद का हाथ बढ़ाने का अवसर मिलता है, तो मैं खुद को धन्य महसूस करता हूं। आप भी जितना हो सके, लोगों की मदद करें। उन्होंने इसे सेवा बताया था और बाढ़ पीड़ितों के लिए ईश्वर से प्रार्थना भी की थी। वर्क फ्रंट की बात करें तो अक्षय कुमार के पास कई फिल्में हैं। उनकी फिल्म 'जॉली एलएलबी 3' 19 सितंबर को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। इसके अलावा, उनके पास 'भूत बांग्ला' फिल्म भी है, जिसमें वामिका गब्बी और परेश रावल भी हैं। साथ ही उनके पास सुनील शेट्टी और परेश रावल के साथ 'हेरा फेरी 3' भी है।

संजय दत्त ने बताया, 'पढ़ाई से बचने के लिए एक्टिंग का रास्ता चुना'

मुंबई । अभिनेता संजय दत्त हाल ही में कपिल शर्मा के कॉमेडी शो 'द ग्रेट इंडियन कपिल शो' में अपने करीबी दोस्त और अभिनेता सुनील शेट्टी के साथ नजर आए। यहां अभिनेता ने बताया कि उन्होंने पढ़ाई से बचने के लिए ही एक्टर बनना चुना था। इसका एक वीडियो इंस्टाग्राम पर शेयर किया गया है। इसमें कपिल शर्मा संजय दत्त से पूछते हैं, आप बचपन में खूब शरारती थे।

जब आपने पहली बार अपने पिता को बताया कि आप एक्टर बनना चाहते हैं तो उनका क्या रिएक्शन था? इस पर संजय दत्त ने कहा, मुझे थप्पड़ पड़ा। पापा ने कहा कि पढ़ाई करना बहुत जरूरी है। एक्टर बनना आसान नहीं है। मैंने सोचा था कि एक्टर बन जाऊंगा तो पढ़ाई से बच जाऊंगा। कॉलेज नहीं जाना पड़ेगा, इसलिए मैं एक्टर बनना चाहता था। मैंने जिद की, तो पापा बोले, 'सुबह 5 बजे उठ जाना कल। कल से तुम्हें घुड़सवारी सीखनी है।' मैं परेशान, इतनी जल्दी कैसे उठूंगा। कपिल, मैंने 6 महीने बाद पापा से पूछा था कि क्या मैं फिर से कॉलेज चला जाऊं।

संजय दत्त को सुबह उठना पसंद नहीं था, इसलिए उन्होंने अपने पिता सुनील दत्त से फिर से कॉलेज जाने के बारे में पूछा था। यह एपिसोड जल्द ही नेटफ्लिक्स

पर रिलीज किया जाएगा। इस शो में वे अपने जेल के दिनों को भी याद करते दिखाई देंगे। यह एपिसोड बहुत ही मजेदार होने वाला है। फिल्मों की बात करें तो संजय दत्त की लेटेस्ट फिल्म 'बागी 4' सिनेमाघरों में रिलीज हो चुकी है। दर्शक इस मूवी में उनके किरदार को पसंद कर रहे हैं। फिल्म में उनके साथ टाइगर श्रॉफ, हरनाज संधू, सोनम बाजवा और अन्य कलाकार हैं। 'बागी 4' का निर्माण साजिद नाडियाडवाला ने किया है। साजिद ने ही इसकी कहानी और पटकथा भी लिखी है। इसके निर्देशक ए. हर्ष हैं। इस मूवी से हरनाज संधू बॉलीवुड में डेब्यू कर रही हैं। संजय दत्त आने वाले दिनों में 'धुरंधर', 'द राजासाहब', 'वेलकम टू द जंगल', 'केडी: द डेविल' जैसी फिल्मों में दिखाई देंगे।

ईशा गुप्ता ने पूरी की 'धमाल 4' की शूटिंग

मुंबई/एजेन्सी

बॉलीवुड की सबसे ग्लैमरस और बहुमुखी अभिनेत्रियों में से एक, ईशा गुप्ता अब अपनी कॉमिक टाइमिंग और दमदार स्क्रीन प्रेज़ेन्स से दिल जीतने के लिए तैयार हैं धमाल 4 में। अजय देवगन और पूरी एनसेंबल कास्ट के साथ बड़े पैमाने पर शूटिंग करने के बाद, अभिनेत्री ने अब अपनी शूटिंग पूरी कर ली है और निर्माताओं ने आधिकारिक तौर पर इंद्र कुमार की इस बहुप्रतीक्षित कॉमेडी एक्स्ट्रावेगेंज़ा का रैप-अप घोषित कर दिया है।ईशा के लिए धमाल 4 अजय देवगन के साथ उनकी तीसरी फिल्म है, बादशाहो और टोटल धमाल के बाद। पिछले महीने अजय और ईशा को माध आइलैंड में महत्वपूर्ण सीक्वेंसेज़ शूट करते हुए देखा गया था, जहां उनके साथ रितेश देशमुख, अरशद वारसी, जावेद जाफरी, रवि किशन, संजय मिश्रा और अन्य कलाकार भी शामिल थे। रैप-अप के मौके पर ईशा ने कहा धमाल जैसी दर्शकों की पसंदीदा फ्रेंचाइज़ का हिस्सा बनना मेरे लिए एकदम खुशी की बात है। इंद्र सर, अजय और पूरी टीम के साथ काम करना, टोटल धमाल के बाद एक बार फिर, अविस्मरणीय अनुभव रहा। अजय एक पावरहाउस टैलेंट हैं, और सेट पर उनकी सहजता और एनर्जी सबको और बेहतर बना देती है। सेट का माहौल हमेशा मजेदार, हंसी-खुशी और पॉज़िटिविटी से भरा रहा। मैं बेसब्री से इंतज़ार कर रही हूं कि दर्शक वो पागलपन और मस्ती देखें जो हमने क्रिएट की है। शूट खत्म करना मेरे लिए बेहद खास है क्योंकि ये फिल्म सच में प्योर एंटरटेनमेंट है और इसका हिस्सा बनकर मैं बेहद उत्साहित हूं। अपनी स्ट्राइकिंग ब्यूटी, मैग्नेटिक स्क्रीन प्रेज़ेन्स और नैचुरल परफ़ॉर्मेंस के लिए मशहूर ईशा अब एक बार फिर धमाल यूनिवर्स पर राज करने के लिए तैयार हैं।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
चेन्नई | मंगलवार | 09-09-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. : TNHIN/2013/52520
Regn No. : TN/CCN/613/2014-2016
posted at Patrika Channel,
Egmore RMS, Chennai-8

जब तक इंसान छद्मस्थ है तब तक उसके जीवन में भूल होने की पूरी संभावना है वीतरागता की भूमिका में पहुंचने के बाद ही जीवन निर्दोष होता है। गत वर्ष में किसी के प्रति हुए अप्रिय व्यवहार के लिए क्षमा याचना करने से आत्मा हल्कापन महसूस करती है इसलिए क्षमा याचना हृदय पूर्वक की जानी चाहिए। बगैर सरलता और स्पष्टता के केवल रिवाज और रूढ़ि के तौर पर क्षमापना करना नाटक के सिवाय और कुछ भी नहीं है क्षमा का आदान प्रदान हार्दिकता से करना चाहिए।

हमेशा वचन सत्य, हितकारी, कल्याणकारी बोलना चाहिए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के किलपॉक स्थित एससी शाह भवन के प्रांगण में विराजित पंन्यास विमल पुण्यविजयजी महाराज ने सोमवार को 'समकित के 67 बोल' ग्रंथ के रहस्यों को उजागर करते हुए कहा कि जिन प्रवृत्तियों से श्रद्धा में अधिक विशिष्टता आती हो, उन्हें भूषण कहते हैं। समकित आत्मा पांच भूषण से सुशोभित होती हो, जो उनको अचल रखने में यथावत बन जाए। पहले भूषण कुशलता की विवेचना करते हुए उन्होंने कहा कि जो देव गुरु को वंदन, उपवास आदि के पचक्खाण, प्रतिक्रमण, पडिलेहन, पूजा आदि विभिन्न धर्म क्रियाओं की विधि को अच्छी तरह जानकर शुद्ध विधि से आचरण करे, उनमें कुशलता नामक सम्यक्त्व का पहला भूषण है। उन्होंने कहा, हमें तीन प्रकार से वचन बोलने चाहिए। वचन सत्य, हितकारी, कल्याणकारी हो। वचन मितव्ययी यानी कम शब्दों में हो और वचन प्रिय या प्रीतिकारी हो। वचन का महत्व अत्यधिक है क्योंकि यह आत्म-नियंत्रण, अहिंसा और सत्य के पालन से जुड़ा हुआ है। वचन का सही उपयोग न केवल व्यक्तिगत जीवन को सुखमय बनाता है, बल्कि सामाजिक सौहार्द और आध्यात्मिक विकास में भी सहायक होता है। बोलने, सुनने में अच्छे ढंग से अनुमोदना प्रकट हो, वह कुशल भूषण समकित है। कुशल भूषण वाला साधक कभी दुर्गुण नहीं देखता, न ही उन पर विचार करता है। उन्होंने कहा, जीवन में हर कार्य को जयणा से करो ताकि आत्मा में कर्मबंध नहीं बंधे, ऐसा करने वाले में कुशलता गुण प्रकट होता है।

श्री शांतिनाथजी महाराज की पुण्यतिथि पर हुआ जागरण

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोयम्बटूर। श्री श्री 1008 पीर श्री शांतिनाथजी महाराज भैरुनाथजी अखाड़ा, जालोर की 13वीं पुण्यतिथि के उपलक्ष्य में रविवार को कोयम्बटूर स्थित श्री बाबा रामदेवजी मंदिर परिसर में एक शाम श्री पीर शांतिनाथजी के नाम भव्य जागरण एवं प्रसादी का आयोजन बड़े ही हर्षोल्लास एवं श्रद्धा के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और संत महात्माओं के मंगलाचरण से किया गया। इस अवसर पर भजन मंडलियों ने एक से बढ़कर एक भक्ति गीत प्रस्तुत किए, जिनसे वातावरण भक्तिमय और भावविभोर हो उठा। श्रद्धालुओं ने देर रात तक भजनों का आनंद लिया और गुरु महाराज के चरणों में भावांजलि अर्पित की।

कार्यक्रम का आयोजन श्री नाथजी भक्त मंडल, कोयम्बटूर के सहयोग से किया गया। जागरण में समाज के सैकड़ों भक्तजन मौजूद रहे जिन्होंने भक्ति रस का आनंद लिया। भजन संध्या के उपरांत विशाल प्रसादी का आयोजन किया गया जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने भाग लिया। इस अवसर पर लाखसिंह, नाथूसिंह, नरपतसिंह, उत्तमसिंह, रतनसिंह, जालमसिंह, देवजी पुरोहित, हेमाराम प्रजापत, पदमाराम देवासी, अशोक सुथार, खेताराम प्रजापत, दिनेश पुरोहित सहित समाज के अनेक गणमान्य लोग एवं भक्तगण उपस्थित रहे।

मेडता सिटी जैन एसोसिएशन का सामूहिक क्षमापना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां मेडता सिटी जैन एसोसिएशन द्वारा रविवार को सामूहिक क्षमापना का आयोजन किया गया। दिवंगतश्री मंगल चंद तातेड़ को श्रद्धांजलि दीगई। उनके अनुज कमलचन्द तातेड़ को कमेटी का सदस्य मनोनीत किया गया। मनोरंजन मंत्री गौतमचंद बाघमार ने मनोरंजन कार्यक्रमों की शानदार प्रस्तुति दी। महामंत्री महावीर सिसोदिया ने क्षमा के बारे में बहुत ही सुंदर विचार व्यक्त किए। क्षमा जैन धर्म का मूल सिद्धांत है भगवान महावीर के सिद्धांत को दृष्टांत के साथ सुंदर विवेचना की गणपतराज बाघमार ने अपने विचार व्यक्त किए। उपहार के लाभार्थी ज्ञानचंद कोठारी परिवार रहे।

साधारण सभा में एसोसिएशन के नवनिर्मित संविधान को सर्वसम्मति से पारित किया गया तथा अन्य विषयों पर चर्चा हुई। गौतम प्रसाद के लाभार्थी रेखचंद बाघमार परिवार श्रीकालहस्ती का सम्मान किया गया। अठाई और उससे ऊपर की तपस्या करने वालों का सम्मान हुआ।

अध्यक्ष पदमचन्द ललवाणी ने सभी के प्रति आभार व्यक्त किया। संचालन महावीर चंद सिसोदिया ने किया।

कर्मों को भोगे बिना मोक्ष कठिन है : डॉ. समकित मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां पुरुषवाक्कम स्थित एएमकेएम जैन मेमोरियल ट्रस्ट में विराजमान डॉ. समकित मुनिजी म.सा ने सोमवार को प्रवचन के दौरान कहा कि संसार पाप का चस्का लगाने में माहिर है और चाहता भी यही है कि कोई भी जीव यह चस्का कभी छोड़े नहीं। संसार को यह स्वीकार ही नहीं होता कि कोई जीव पाप से दूर हो जाए। इसीलिए वह जीव को पाप में डुबाए रखता है।

मुनिजी ने कहा कि पाप का चस्का भव-भव को बिगाड़ देता है, जबकि धर्म का चस्का भव-भव को सुधार देता है। एक पापी, धर्मात्मा को पापी बना सकता है लेकिन धर्मात्मा आसानी से पापी को धर्मात्मा नहीं बना पाता। उन्होंने प्रवचन के दौरान परदेसी राजा की कथा को आगे बढ़ाया। प्रवचन के अंत में मुनिजी ने कहा कि जीव को अपने कर्मों को भोगे बिना मोक्ष पाना कठिन है। आत्मा और शरीर अलग हैं, इसे समझना और मानना ही सच्चे ज्ञान का आरंभ है। कार्यक्रम का संचालन मंत्री विनयचंद पावेचा ने किया।

स्वाध्याय भवन में भाद्रपद शुक्लु पूर्णिमा पर्व मनाया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां के बेसिन वाटर वर्क्स स्ट्रीट साहूकारपेट में स्थित स्वाध्याय भवन में भाद्रपद शुक्ल पूर्णिमा पक्खी पर्व जप-तप-त्याग पूर्वक मनाया गया। श्रद्धालुओं द्वारा आलोयणा का पाठ किया गया। अनन्त चतुर्दशी पर्व पर स्वाध्यायी बन्धुवर श्री कांतिलाल तातेड़,नवरतनमल बागमार ने पौषध व्रत, वीरेन्द्र ओस्तवाल, दीपक व योगेश श्रीश्रीमाल ने संवर की साधना की।

भाद्रपद शुक्ल पूर्णिमा को स्वाध्यायी बादलचन्द बागमार ने देवसीय प्रतिक्रमण करवाया। पौषध व संवर साधना करने वालों के संग पदमचंद श्रीश्रीमाल, लीलमचन्द बागमार, उच्छबराज गांग, संदीप ओस्तवाल, नेमीचंद कर्णावट, आर नरेन्द्र कांकरिया, कांतिलाल तातेड़, योगेश श्रीश्रीमाल, इंदरचंद कर्णावट ने सायंकालीन प्रतिक्रमण करते हुए सर्व जीव राशि से क्षमायाचना की। गुरु भगवन्तों के सुखसाता पृच्छा पाठ करते हुए श्री जैन रत्न हितैषी श्रावक संघ, तमिलनाडु के निवर्तमान कार्याध्यक्ष आर नरेन्द्र कांकरिया ने आचार्यश्री विजयराज म.सा के आज्ञानुवर्तिनी महासती श्री स्वर्णप्रभा म.सा की शिष्याश्री चिन्मयश्री म.सा के 195 दिवसीय लघु सिंह निष्क्रिडित तप की सुखसाता पृच्छा व अनुमोदना करते हुए कहा कि अन्तकृतदशा सूत्र में वर्णित महाकाली आर्या द्वारा किए गए इस तप में 159 दिन उपवास के एवं 36 दिन पारणे के कुल मिला कर 195 दिनों की साधना होती हैं। श्री चिन्मयश्री म.सा ने 26 फरवरी से प्रारम्भ तपस्या की 7 सितम्बर को पुर्णाहुति दिवस हैं। कांतिलाल तातेड़ ने जैन संकल्प, दैनिक संकल्प पाठ किया। गुरु भगवन्तों की सुखसाता पृच्छा पाठ, वन्दन आदि मांगलिक के साथ भाद्रपद पूर्णिमा पक्खी प्रसंग आध्यात्मिक पर्व के रुप में संपन्न हुआ।

रजत द्वारा साइकलोथान 14 को

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहां मारुति बिल्डर्स प्रस्तुति रजत खेलोत्सव 2025, तथा पावर वाई एमआई लाइफस्टाइल और इवेंट प्रायोजक - श्रीश्रीमाल एसेट्स एंड प्रॉपर्टीज के सहयोग से राजस्थानी एसोसिएशन तमिलनाडु के तत्वावधान में एवं रजत ओलंपियाड 2025 के अंतर्गत, माहेश्वरी युवा मंडल द्वारा रजत सायक्लोथॉन 2025 का भव्य आयोजन किया जा रहा है। सायक्लोथॉन कमेटी की टीम नेहरू स्टेडियम में जाकर कार्यक्रम की रूपरेखा व तैयारियां शुरू की।

यह आयोजन रविवार, 14 सितम्बर को जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम, चेन्नई से प्रारंभ होकर शहर के विभिन्न क्षेत्रों से गुजरते हुए पुनः नेहरू स्टेडियम में संपन्न होगा। प्रतिभागियों के लिए 10 किमी, 25 किमी और 50 किमी की तीन श्रेणियाँ निर्धारित की गई हैं। प्रत्येक प्रतिभागी को विशेष साइक्लिंग जर्सी और सायकिल उपलब्ध कराई जाएगी।

इस आयोजन का मूल उद्देश्य 'नशे को ना, फिटनेस को हाँ' है। यह सायक्लोथॉन समाज की एकता, युवाओं की ऊर्जा और स्वस्थ जीवन शैली का प्रतीक बनेगा।

रजत के अध्यक्ष नरेंद्र श्रीश्रीमाल के मार्गदर्शन में सम्पन्न हो रहे इस आयोजन के बारे में मीडिया को इस कार्यक्रम की जानकारी एसोसिएशन के पीआरओ ज्ञानचंद कोठारी द्वारा साझा की गई।

धर्म की उपेक्षा जीवन के प्रति घोर अन्याय है : कपिल मुनि

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। यहाँ गोपालपुरम स्थित छाजेड भवन में विराजित श्री कपिल मुनि जी म.सा. ने सोमवार को प्रवचन के दौरान कहा कि जीवन और जगत की सच्चाई यही है कि यहाँ आत्मा के सिवाय कुछ भी सत्य नहीं है। इस बोध को पाने के लिए अनित्य भावना का निरन्तर चिंतन व्यक्ति को आकुलता और व्याकुलता से बचने में मदद करता है। मरणधर्मा चीजों के प्रति आसक्ति चेतना को विकृत और रुग्ण बनाती है। शरीर से अस्वस्थ व्यक्ति बीमारी की हालत में भी मुस्कुरा सकता है मगर जिसकी चेतना अस्वस्थ और बीमार है ऐसा व्यक्ति ढेर सारे सुख के संसाधनों के बावजूद भी प्रसन्नता का अनुभव नहीं कर सकता है। मुनिश्री ने कहा कि जीवन नश्वर है और जीवन की व्यवस्थाओं की बागडोर विधि के विधान के हाथ में है इस सत्य को जानने वाला न तो संयोग प्राप्ति पर जश्न मनाता है और न ही वियोग की घड़ी में मातम मनाता है। समझदारी इसी में है कि सबसे हिलमिल कर जीवन यात्रा को तय करें। मिटने वाली चीजों के खातिर खून के रिश्तों का जनाजा निकालने की मूर्खता हर्गिज नहीं करें। उन्होंने आगे कहा कि यहाँ हर चीज की समाप्त होने की अवधि निश्चित है चाहे वह वस्तु, व्यक्ति, रिश्ते नाते हो या अन्य कुछ। लाख कोशिश करने के बावजूद भी उन्हें कोई शाश्वत दान करने में सफल नहीं हो सकता। इस संसार में आने जाने और बनने-बिगड़ने का क्रम लगा हुआ है इस बीच अपनी शांति समाधि को खंडित नहीं होने देना चाहिए। किसी का भी रूप, रुतबा और रुपया का अभिमान सदा रहने वाला नहीं है यहाँ सब कुछ बदलता है मगर परिवर्तन का नियम कभी नहीं बदलता है। इस परिवर्तन के दौर में उसे जानने और पहचानने का पराक्रम कीजिये जो सदा साथ रहने वाला है उस तत्व का नाम आत्मा है। आत्मा को विस्मृत करके मिटने वाली चीजों के पीछे जीवन को न्योछावर कर देना स्वयं के द्वारा स्वयं के साथ बहुत बड़ी गद्दारी है। आत्मा और धर्म की उपेक्षा करना जीवन के प्रति घोर अन्याय है। संसार के संयोगों की अनित्यता का चिंतन आध्यात्मिक उन्नति के मार्ग को प्रशस्त करता है। आत्मा का हित करने वाली प्रवृत्तियों से जुड़ने को प्रेरित करता है। अनित्यता का चिंतन करने से हमें आंतरिक शांति मिलती है, क्योंकि हम संसारिक चीजों के प्रति अपनी आसक्ति को कम कर देते हैं और अपने जीवन को अधिक अर्थपूर्ण बनाने पर ध्यान केंद्रित करते हैं। इस मौके पर अध्यक्ष अमरचंद छाजेड, सुनील भंडकतिया, अशोक छाजेड,शांतिलाल सकलेचा, विजयकुमार कोठारी,सुमेरमल बैद, मूलचंद खारीवाल, सुदेश भंसाली, किशोर खारीवाल, सुनील विनायकिया, विनोद सिंघवी आदि सहित श्रद्धालुगण उपस्थित थे। धर्म सभा का संचालन संघ के मंत्री राजकुमार कोठारी ने किया।

दो दिवसीय स्वास्थ्य शिविर में 700 विद्यार्थियों हुए लाभान्वित

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चेन्नई। तेरापंथ एजुकेशनल एंड मेडिकल ट्रस्ट एवं तेरापंथ युवक परिषद द्वारा संचालित आचार्य श्री तुलसी डायग्नोस्टिक सेंटर द्वारा स्थित तेरापंथ जैन विद्यालय में दो दिवसीय स्वास्थ्य चिकित्सा शिविर का आयोजन 8 सितंबर को सफलतापूर्वक आयोजित हुआ। इस शिविर में विद्यालय के छात्र-छात्राओं, प्रशिक्षणार्थियों एवं स्टाफ का दंत चिकित्सा, नेत्र जांच तथा प्रशिक्षणार्थियों एवं स्टाफ के लिए रक्त परीक्षण जैसी स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं। कुल 672 छात्र-छात्राओं ने दंत एवं नेत्र चिकित्सा सेवाओं का लाभ लिया। वहीं 31 शिक्षकों एवं स्टाफ का रक्त परीक्षण, नेत्र जांच एवं दंत परीक्षण किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत सामूहिक नमस्कार महामंत्र से हुई। तत्पश्चात मेडिकल क. कन्वीनर विकास सेठिया एवं प्रधानाचार्य पी मर्सी जसिंता मेडिकल कैंप का अनावरण किया। प्रधानाचार्या पी मर्सी जसिंता ने वहा उपस्थित सभी डॉक्टर्स, मेडिकल स्टाफ एवं नर्सेस का स्वागत किया एवं अपने विचार साझा किए।

वैशाली जनकल्याण समिति ने शुरू की दुर्गा पूजा की तैयारियां

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के वैशाली जनकल्याण समिति द्वारा दुर्गा पूजा का आयोजन 22 सितंबर से 2 अक्टूबर तक बीटीएम लेआउट स्थित तोंतदा सिद्धलिंगेश्वर सामुदायिक भवन में किया जाएगा। 22 को कलश स्थापना, 29 को महासप्तमी पूजा, 30 को महाअष्टमी पूजा, 1 अक्टूबर को महानवमी पूजा व 2 अक्टूबर को विजयादशमी के साथ विसर्जन होगा। दुर्गा पूजा के आयोजन को लेकर बीटीएम लेआउट में बैठक में पूजा अध्यक्ष राजकुमार शर्मा, मुकेश सिंह, पंकज सिंह, धीरेंद्र सिंह, निशांत द्विवेदी, राजीव रंजन गोपालकुमार, दिनेशकुमार आदि शामिल हुए। दुर्गा पूजा के आयोजन के लिए लोगों को अलग अलग जिम्मेदारी दी गई। पूजा में अधिक से अधिक प्रवासी लोगों को जोड़ने और इसे सफल बनाने सहित अन्य विषयों पर चर्चा हुई।

सामूहिक क्षमापना — दक्षिण भारत राष्ट्रमत

कोयम्बटूर। यहां के कोयंबटूर जैन महासंघ के सामूहिक क्षमापना, तपस्वी अभिनंदन समारोह में शहर के सब समुदाय के साध्वीजी का एक मंच से आशीर्वाद देने उपस्थित हुई। गांधी पार्क स्थित तेरापंथ भवन में आज श्रीकोयंबतूर जैन महासंघ द्वारा साध्वीश्री प्रतिभा श्रीजी, साध्वीश्री क्षमाशीलाश्रीजी, साध्वीश्री संवेगयशाश्रीजी के सान्निध्य में प्रवचन में साध्वीजी ने तप, तपश्या और क्षमा के बारे में जैन धर्म के सिद्धांतों की विस्तृत जानकारी दी। मिडिया प्रभारी किशोर जैन ने बताया कि धर्म सभा में सबका स्वागत संघ के अध्यक्ष अरविंद शांतिलाल ने किया। संचालन सचिव राकेश गोलेछा ने किया। तपस्वियों का महासंघ के द्वारा सम्मान किया गया। राज्य स्तर पर जिमनास्टिक में स्वर्ण पदक प्राप्त करने वाली सुश्री रीत मेहता का भी संघ की तरफ से सम्मान किया गया। कार्यक्रम में संस्थापक अध्यक्ष चम्पालाल बाफणा, निवर्तमान अध्यक्ष भंवरलाल कोठारी, पूर्व अध्यक्ष रमेश सुतलिया, उपाध्यक्ष गुलाबचन्द मेहता, सह कोषाध्यक्ष गौतम नाहटा, विभिन्न संघों के पदाधिकारी एवं बडी संख्या में जैन समाज के गणमान्य लोग उपस्थित थे।

जोधपुर एसोसिएशन के स्नेह मिलन में तपस्वियों का हुआ सम्मान

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के जोधपुर एसोसिएशन का गणेश चतुर्थी, क्षमापना संवत्सरी, स्नेह मिलन समारोह एवं वार्षिक साधारण सभा सुसवाणी माता मंदिर स्थल के प्रांगण में रविवार को सम्पन्न हुई। मंचासीन संरक्षक पदमराज मेहता, लक्ष्मीचंद भंडारी (टांइसा), राजेंद्र कुमार लोढा, अध्यक्ष कैलाश भन्साली, उपाध्यक्ष सज्जनराज मेहता, मंत्री राजेश भंडारी, कोषाध्यक्ष रौनक गुलेच्छा, पूर्व अध्यक्ष अशोक व्यास द्वारा दीप प्रज्वलन से कार्यक्रम की शुरुआत हुई। अध्यक्ष कैलाश भन्साली ने सभी का स्वागत करते हुए सभी से क्षमायाचना की। मंत्री राजेश भंडारी ने मंत्री प्रतिवेदन पेश किया। कोषाध्यक्ष रौनक गुलेच्छा ने हिसाब किताब प्रस्तुत किया। गोपाल राठी को ऑडिटर के रूप में नियुक्ति की घोषणा की गई। प्रायोजक प्रेम धीरेन्द्र भंडारी और कमला मेहता, विमलराज मेहता परिवार सहित तपस्वियों का सम्मान सहमंत्री नरेंद्र भंडारी, पूर्व मंत्री जितेंद्र दुगड़, महेंद्र जोधपुरी ने किया। प्रभा गुलेच्छा और प्रमिला मेहता के संयोजन में 'खेल खेल में भारत दर्शन' के आयोजन को सभी ने सराहा। इस मौके पर अनेक सदस्यों ने व्यवस्था संभाली।

सज्जनराज मेहता ने संचालन करते हुए सुराणा परिवार और विशेषकर अर्चना-दिलीप सुराणा तथा सभी सहयोगी सदस्यों को धन्यवाद दिया। अंत में सुशील धाम तथा सुसवाणी माता मंदिर के दर्शन और आरती की।

अरसीकेरे में आयोजित हुआ पूनम मेला, उमड़े श्रद्धालु

अरसीकेरे/दक्षिण भारत। शहर के दक्षिण नाकोड़ा तीर्थ अरसीकेरे में आयोजित पूनम मेला का आयोजन रविवार को किया गया जिसका संपूर्ण लाभ अनराज, सुरेशकुमार भंडारी परिवार ने लिया और रेल यात्रा द्वारा यात्रा संघ तीर्थ पहुंचकर सेवा पूजन का लाभ लिया। तुषार गुरु ने भैरव महापूजन की विधि कराई। संभव संगीत मंडल के सदस्य, गायक उमेश भंडारी एवं प्रिंस भंडारी के साथ प्रकाश राठौड़ एवं रिंकु बाफणा ने भजनों की प्रस्तुति दी।

इस मौके पर राष्ट्रीय भैरव भक्त परिवार द्वारा पूनम संघ यात्रा की व्यवस्था संभाली। इस मौके पर परंपरागत भैरवदेव को छप्पनभोग, 108 श्रीफल, पुष्प व तेल अर्पण कार्यक्रम हुआ। इस मौके पर बेंगलूरु व राज्य के अन्य शहरों से अनेक सदस्य उपस्थित हुए। ट्रस्ट के महासचिव मांगीलाल मेहता ने सभी का स्वागत किया एवं लाभार्थी परिवार का सम्मान किया।

इस अवसर पर ट्रस्ट के उपाध्यक्ष पारसमल वेदमुथा, मैनेजिंग ट्रस्टी मनोहरलाल सुराना, रमेश कुमार कटारिया आदि उपस्थित थे।

Published by Bhupendra Kumar on behalf of New Media Company, Arihant Plaza, 2nd Floor, 84-85, Wall Tax Road, Chennai-600 003 and printed by R. Kannan Adityan at Deviyin Kanmani Achagam, 246, Anna Salai, Thousand Lights, Chennai-600 006.
Regn No. RNI No. : TNHIN / 2013 / 52520 **Editor : Bhupendra Kumar** (Responsible for selection of news under PRB Act.). Group Editor - Shreekant Parashar.
Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.